	अधिकतम	न्यूनतम	(न्यूनतम)
रांची	24.0	12.0	17.0
धनबाद	25.0	12.0	19.0
जमशेदपुर	28.0	13.0	20.0
पलामू	25.0	11.0	19.0

सेंसेक्स 72,240.26 ▲ -170.12
डॉलर 83.163 ▼ -0.033
तापमान (डिग्री सेल्सियस)
आज का अनुमान

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

डालटनगंज (मेदिनीनगर), पौष कृष्ण पक्ष 05, विक्रम संवत 2080 | डालटनगंज (मेदिनीनगर), रविवार, 31 दिसंबर 2023, वर्ष-30, अंक- 75, पृष्ठ-12, मूल्य ₹2.00, रजिस्ट्रेशन नं: आरएनआई. 61316/94 | www.rastriyanaveenmail.com

संपादकीय नये वर्ष से राम राज्य की सकारात्मक ऊर्जा...8 | डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित | तृणमूल को पसंद नहीं आ रही राहुल यात्रा ...10 देश/विदेश

पलामू सर्राफा

सोना (10 ग्राम) 63,260
~~चांदी (10 किलो) 74,310~~

एक नजर

रांची सहित राज्य के छह जिलों में 17 थानों का 40.48 करोड़ से होगा निर्माण

रांची। रांची सहित झारखंड के छह जिलों में 17 थानों के निर्माण के लिए गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने 40.48 करोड़ की राशि आवंटित कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार गृह विभाग से आवंटित राशि से रांची में खलारी थाना 1.65 करोड़ से, रांची में धुर्वा थाना 1.63 करोड़ से, रांची में एयरपोर्ट थाना 1.57 करोड़ से, रांची में नगड़ी थाना 1.63 करोड़ से, रांची में बुंडू स्मार्ट थाना 2.94 करोड़ से, रांची में बरियातू स्मार्ट थाना 2.94 करोड़ से, गोड्डा में बेलबड्डा थाना 03 करोड़ से, राजाभीटा थाना 03 करोड़ से, पथरगामा थाना 3.51 करोड़ से, देओदाड थाना 3.79 करोड़ से,गोड्डा में हनवारा थाना 03 करोड़ से, पलामू में पाटन थाना 2.65 करोड़ से, विश्रामपुर थाना 2.66 करोड़ से, जामताड़ा में बागदाहरी थाना 1.65 करोड़ से, पाकुड में महिला थाना 1.55 करोड़ से, हिरणपुर थाना 1.66 करोड़ से साहिबगंज में बोरियो थाना 1.65 करोड़ से निर्माण होगा।

बीएसएफ जवान के बंद घर का ताला तोड़ लाखों की चोरी

कुडू। कुडू के जिलिंग गांव में गुरुवार की रात गांव निवासी बीएसएफ जवान महावीर साहू के घर का ताला तोड़कर अज्ञात चोरों ने 15 हजार रुपये नकद, सोने चांदी के आभूषण सहित लाखों के सामान की चोरी कर ली। मिली जानकारी के अनुसार जवान अपनी डयूटी पर था, जबकि पत्नी घर में ताला लगाकर दो दिन पहले ही मायके गयी थी। वारदात को अंजाम देने से पहले चोरों ने अगल-बगल के घरों को बाहर से बंद कर दिया था। मुख्य दरवाजे का ताला तोड़कर घर में घुसे और अंदर रखे अलमीरा और बक्सा का तोड़कर वहां रखे नकद 15 हजार, पत्नी का सोने-चांदी का आभूषण सहित अन्य सामान लेकर चलते बने। शुक्रवार को सुबह चोरी की सूचना मिलने पर पत्नी घर लौटी और चोरी की प्राथमिकी कुडू थाना में दर्ज करायी। पुलिस घटनास्थल पहुचकर मामले की पड़ताल में जुट गई है।

झारखंड में दो और तीन जनवरी को होगी बारिश

रांची। राज्य में फिर पश्चिमी विक्षोभ के आने से मौसम तेजी से बदलेगा। नए साल की शुरूआत हल्की बारिश के साथ हो सकती है। नये साल के आगमन के साथ ही राज्य के मौसम में भी बदलाव देखा जायेगा। एक जनवरी की शाम से जहां राज्य के पश्चिमी हिस्से में बारिश की संभावना है, वहीं दो जनवरी से राज्य के अन्य हिस्सों में बारिश के आसार हैं। राज्य के पश्चिमी हिस्से पलामू, लातेहार, गढ़वा, कोडरमा, चतरा, लोहरदगा जिलों में एक जनवरी की देर शाम से बारिश की संभावना व्यक्त की गयी है।

पीएम ने किया अयोध्या एयरपोर्ट का उद्घाटन

यहां सभी सुविधाएं 5 स्टार रेटिंग के अनुरूप होंगी

240 करोड़ की लागत से बना है अयोध्या धाम स्टेशन

अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन से पीएम ने 6 वंदे भारत और 2 अमृत भारत ट्रेन का किया उद्घाटन

लता मंगेशकर चौक की सुंदरता देख भाव विभोर हुए प्रधानमंत्री

चौक पर 14 टन वजनी एवं 40 फुट लंबी वीणा लगाई गई है

पीएम ने रवीन्द्र मांझी को राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में आने का निमंत्रण दिया

1450 करोड़ रुपये की लागत से बना है वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा

अयोध्या में एक दिवसीय दौरे पर शनिवार को पहुंचे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

टर्मिनल भवन का क्षेत्रफल 6500 वर्गमीटर, सालाना 10 लाख यात्री भर सकेंगे उड़ान

सात खम्भों पर बने एयरपोर्ट में सात शिखर बनाये गये हैं

बाबरी केस के पक्षकार हाशिम अंसारी के बेटे इकबाल ने किया पीएम का स्वागत

दलित महिला मीरा के घर पहुंचे पीएम, उसकी बनाई चाय भी पी

अयोध्या (एजेंसी)। श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या में एक दिवसीय दौरे पर शनिवार को पहुंचे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन किया। इसके बाद वह एयरपोर्ट से अयोध्या धाम जंक्शन तक करीब 15 किलोमीटर लंबा रोड शो पर निकले हैं। सुबह निर्धारित समय पर अयोध्या स्थित महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पहुंचे प्रधानमंत्री ने एयरपोर्ट का उद्घाटन किया और यहां से रोड शो के लिए निकले। रोड शो के लिए एयरपोर्ट से प्रधानमंत्री का काफिला गेट नंबर तीन से निकला, जो एनएच-27, धर्मपथ और रामपथ होते हुए अयोध्या धाम जंक्शन पहुंचेगा। फिलहाल, रोड शो के दौरान जगह-जगह साधु-संत और वेदपाठी बटुकों की ओर से शंखध्वनियों के बीच पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। सड़कों के किनारे बनाई गयी बैरिकेडिंग के किनारे खड़े लोग लगातार जय श्रीराम के नारे लगाते रहे। इधर, कई स्थानों पर कलाकारों द्वारा नृत्य और गायन भी प्रस्तुत किया गया। रेलवे स्टेशन पहुंचकर प्रधानमंत्री अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन के नए भवन का लोकार्पण किया और छह वंदे भारत और दो अमृत भारत समेत आठ ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे।

अयोध्या में उज्ज्वला योजना की लाभार्थी के घर अचानक चाय पीने पहुंचे प्रधानमंत्री : अयोध्या में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना की 10 करोड़वीं लाभार्थी मीरा के घर अचानक पहुंच गए। प्रधानमंत्री ने योजना की लाभार्थी के आवास पर चाय भी पी और उनसे संक्षिप्त बातचीत की। प्रधानमंत्री ने मीरा के हाथों की बनी चाय पी और कहा कि चाय अच्छी है, मगर थोड़ी मीठी हो गई है। मीरा ने प्रधानमंत्री से कहा कि मुझे फ्री में गैस और आवास मिल गया है। प्रधानमंत्री ने एक बच्चे को ऑटोग्राफ भी दिया। इसमें उन्होंने वंदे मातरम लिखा और स्थानीय बच्चों ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

2 से 20 जनवरी तक चलेगा 'शुक्रिया मोदी भाईजान' अभियान

हर लोकसभा क्षेत्र में 1,000 मुस्लिम महिलाओं को भाजपा से जोड़ा जाएगा

इसके लिए नारा व टैग लाइन है- 'ना दूरी है ना खाई है, मोदी हमारा भाई है'

-ब्यूरो

नई दिल्ली। मंदिर अभियान के साथ -साथ अब 'शुक्रिया मोदी भाईजान' अभियान भी चलेगा। 'शुक्रिया मोदी भाईजान' विशेष अभियान के मार्फत हर लोकसभा क्षेत्र में कम से कम 1,000 मुस्लिम महिलाओं को भाजपा से जोड़ा जाएगा। यह काम करेगा भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा की अगुवाई में होगा। जिसमें भाजपा के अन्य सभी मोर्चा या विभाग हर तरह से सहयोग करेंगे। संघ के कार्यकर्ता भी इसके लिए लगेंगे। यह सब अप्रैल-मई 2024 में होने वाले लोकसभा के मद्देनजर किया जा रहा है। सूत्रों का कहना है कि आगामी लोकसभा चुनाव में मुस्लिम महिलाओं को अपने पाले में लाने के लिए भारतीय जनता पार्टी यह नया अभियान शुरू कर रही है। इस अभियान के तहत भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा हर लोकसभा ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

पलामू का नैसर्गिक सौंदर्य व नव वर्ष का उल्लास। क्या आम नागरिक और क्या प्रशासनिक आला अधिकारी। सभी नव वर्ष के रंग में रंग गये हैं। तभी तो शनिवार को पलामू के डीसी, एसपी, डीडीसी सहित पूरा प्रशासनिक अमला सतबरवा के मलय डैम में नौकाविहार का आनंद लेने से खुद को नहीं रोक पाया। छाया : राष्ट्रीय नवीन मेल।

टीएसपीसी नक्सलियों को लगा बड़ा झटका

अमेरिकन राइफल के साथ टीएसपीसी के एरिया कमांडर जयमंगल उर्फ नीरज भोक्ता व उसके सहयोगी धनेश्वर उर्फ डीके गिरफ्तार

लेवी नहीं देने पर जय अम्बे कम्पनी के दो हाईवा वाहनों में लगाई थी आग

नवीन मेल संवाददाता। टंडवा (चतरा) कोयलांचल टंडवा क्षेत्र में लेवी व रंगदारी की मांग को लेकर आतंक का पर्याय बन चुके प्रतिबंधित टीएसपीसी नक्सलियों को एक बार फिर बड़ा झटका लगा है। एसपी राकेश रंजन के निर्देश पर डीएसपी मुख्यालय केदारनाथ राम और पुलिस इंस्पेक्टर विजय कुमार सिंह के नेतृत्व में गठित टंडवा और पिपरवार थाना की संयुक्त स्पेशल टीम ने कोयलांचल टंडवा में लेवी की मांग को लेकर आगजनी व व्यवसाइयों और संवेदकों को धमकी देने में शामिल टीएसपीसी नक्सली संगठन के सबजोनल कमांडर जयमंगल उर्फ नीरज भोक्ता व उसके सहयोगी धनेश्वर उर्फ डीके को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार दोनों नक्सली बीते 19 दिसम्बर को पिपरवार थाना क्षेत्र के टंडवा-पिपरवार मुख्य पथ पर स्थित बिलारी गांव के समीप कोयले की ढुलाई में लगी जय अम्बे कम्पनी के दो हाईवा वाहनों में आगजनी की घटना को अंजाम दिया था। इसके आलावा इनके द्वारा कोयलांचल क्षेत्र में कार्यरत कोयला व्यापारियों और ठेकेदारों से लेवी की मांग को लेकर लगातार फोन पर धमकियां दी जा रही थीं। छापेमारी के दौरान पुलिस की टीम ने गिरफ्तार दोनों नक्सलियों के पास से 7.62 एम का एक अमेरिकन मेड सेमी ऑटोमेटिक पिस्टल, एक देसी कार्बन,7.62 एमएम का एक देसी पिस्टल, पांच राउंड गोली के अलावे लेवी मांगने और धमकी देने में प्रयुक्त टीएसपीसी संगठन के लेटर पैड पर बना 25 पर्चे व विभिन्न कंपनियों के मोबाइल फोन के अलावे अन्य सामग्रियों को बरामद किया है। प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मामले की जानकारी देते हुए एसपी राकेश रंजन ने बताया कि गिरफ्तार नक्सली ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

सतबरवा के हुड़मुड़ में पीएम जनमन शिविर आयोजित

अंतिम पायदान पर बैठे पीवीटीजी का विकास जरूरी : सांसद

समूह को संपूर्ण रूप से सशक्त बनाना उद्देश्य : उपायुक्त

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। प्रधानमंत्री जनमन कार्यक्रम के अंतर्गत शनिवार को सतबरवा प्रखंड के दुलसुलमा पंचायत के हुड़मुड़ गांव में शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पलामू के सांसद विष्णु दयाल राम व पलामू के उपायुक्त शशि रंजन द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। मौके पर सांसद श्री राम ने कहा कि यह कार्यक्रम सीधे-सीधे आदिम जनजाति के पिछड़े समूह को लाभान्वित करने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि समाज की जो संरचना है उसमें विशेष रूप से कमजोर आदिवासी समूह जिसको पीवीटीजी कहते हैं। यह समाज के अंतिम पायदान पर बैठा हुआ समूह है और ये लोग सबसे ज्यादा पिछड़े हुए हैं। ऐसे में इन समूहों पर विशेष रूप से ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जिन योजनाओं की ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

छठें दिन मिला डैम में डूबे युवक का शव

मेदिनीनगर। चैनपुर प्रखंड के रानीताल डैम में डूबे चैनपुर बाजार के निवासी 40 वर्षीय धर्मेंद्र कमलापुरी का शव शनिवार को दोपहर बाद छठवें दिन डैम में तैरता पाया गया। कुछ चरवाहों ने शव देखा। सूचना आग की तरह फैली तो लोग पहुंचे और शव को डैम से बाहर निकाला। शव की शिनाख्त व पंचनामे के बाद पुलिस ने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बता दें कि तीन दिनों तक एनडीआरपीएफ की टीम भी शव खोजती रही थी,लेकिन सफल नहीं हुई। इसके बाद शुक्रवार को एनडीआरपीएफ की टीम वापस लौट गई थी।

स्टेट बार काउंसिल व जिला बार एसोसिएशन के बीच लटका डीबाए चुनाव

बीत रहे दिन, बढ़ रहा इंतजार, अब नये साल में आयेगा परिणाम

अखिलेश चौबे

मेदिनीनगर। पलामू जिला बार एसोसिएशन का चुनाव परिणाम अब तक स्टेट बार काउंसिल व जिला बार एसोसिएशन के मध्य अटका हुआ है। ऐसे में चुनाव परिणाम को लेकर अधिवक्ताओं सहित आम नागरिकों का भी इंतजार बढ़ता जा रहा है। अध्यक्ष, महासचिव सहित विभिन्न पदाधिकारियों के 16 पदों के लिये पलामू जिला बार एसोसिएशन का चुनाव 16 दिसंबर को भारी गहमागहमी के बीच संपन्न हुआ। 17 दिसंबर को निर्धारित समय पर मतगणना कार्य भी शुरू हुआ। इसी बीच अंतिम चरण की मतगणना के दौरान कतिपय उम्मीदवारों द्वारा आपत्ति जताये जाने पर मतगणना रोक दिया गया। चुनाव समिति द्वारा जहां समस्त मतदान व मतगणना प्रक्रिया के सीसीटीवी फुटेज व दस्तावेज स्टेट बार काउंसिल को सौंप दिये गये हैं। वहीं स्टेट बार काउंसिल ने चुनाव समिति को वरिष्ठ अधिवक्ताओं व उम्मीदवारों के साथ बैठक कर सहमति बनाने का सुझाव दिया है। इससे चुनाव परिणाम का इंतजार लंबा खींचता जा रहा है।

स्टेट बार काउंसिल से पूर्व में सहमति बनाने के संबंध में पत्र मिला था। जिसके आलोक में जबाब दिया जा चुका है। अब पुनः 28 दिसंबर को स्टेट बार काउंसिल के सचिव द्वारा पत्र लिखकर स्थानीय स्तर पर सहमति बनाने का निर्देश दिया गया है। कोर्ट खुलने के बाद तिथि निर्धारित कर बैठक की जायेगी।
बैद्यनाथ चौबे, रिटर्निंग आफिसर, चुनाव समिति

चूंकि चुनाव को लेकर कोई विधिक विवाद नहीं है। मामला स्थानीय स्तर का है। इसलिये प्राथमिकता दी जा रही है कि स्थानीय स्तर पर ही समस्या का निराकरण हो जाये। यदि ऐसा नहीं होता है तो स्टेट बार काउंसिल पहल कर तत्काल समाधान निकालेगी।
राजेश पांडेय, सचिव, स्टेट बार काउंसिल झारखंड।

इंडिया

इतिहास का सबसे गर्म वर्ष 2023 और हम

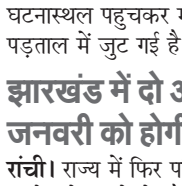

सुनील बादल

प्रकृति की गोद में बसे झारखंड और राजधानी रांची का सबसे आकर्षक भाग इसका सुहावना मौसम है पर नवंबर 2023 में जमशेदपुर का अधिकतम तापमान 31.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि नवंबर 2021 में अधिकतम तापमान 31.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। वैश्विक स्तर पर बदलते मौसम और पर्यावरण में आ रहे बदलाव और स्थानीय स्तर पर हो रही गलतियों के कारण के कारण रांची का तापमान तेजी से बढ़ रहा है। यह तापमान पिछले पांच दशकों में हर दशक में अधिकतम तापमान 0.33 डिग्री सेल्सियस की दर से बढ़ रहा है। गणना के आधार पर राजधानी में पिछले 50 वर्षों के दौरान अधिकतम तापमान में 1.7 डिग्री की औसत वृद्धि हुई है। तापमान की गणना 1969 के बाद से 2019 तक की है। 1969 में अधिकतम तापमान का औसत 28.7 डिग्री सेल्सियस था, जो 2019 में 30.4 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ गया है। मौसम विभाग के मुताबिक रांची का तापमान बढ़ रहा है। विभाग के मुताबिक इस अवधि में की गई गणना में न्यूनतम तापमान के औसत में वृद्धि की प्रवृत्ति नही देखी गई।वर्ष- तापमान (डिग्री) 1969-28.7 1974-28.8 1989-29.1 1084-28.9 1994-29.4 2004-29.5 1999-29.5 2009-30.0 2014-30.2 2019-30.4 झारखंड और खास तौर पर रांची में भीषण गर्मी बहुत ही असामान्य बात मानी जाती है। जिस तरह जंगलों की कटाई हो रही है और पेड़ों को काटकर कंक्रीट के जंगल बसाए जा रहे हैं उससे यह एक बड़ी चेतावनी मिली है । विश्व की बात करें तो प्रकृति का अंधाधुंध दोहन और पर्यावरण के मानकों की अनदेखी के साथ लगातार चलते युद्ध भी कारक हैं । यूरोपीय संघ की कॉपरनिकस जलवायु परिवर्तन सेवा की उप निदेशक सामन्था बर्गेस ने तापमान की इस विसंगति को बेहद चरम बताया है। एक शोध के अनुसार, वैज्ञानिकों ने कहा है कि साल 2023 इतिहास में सबसे गर्म वर्ष साबित हुआ है। संयुक्त राष्ट्र जलवायु विज्ञान पैनल आईपीसीसी के दीर्घकालिक आंकड़ों में बर्फ के टुकड़े, पेड़ के छल्ले और कोरल डिपॉजिट से ली गई जानकारियां शामिल होती हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि रिकॉर्ड तापमान के साथ-साथ जंगल की आग और भूकंप-बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदा दिखाती है कि पूरी मानवता सामूहिक रूप से विफल हुई है। वैज्ञानिक जेम्स हेन्सन ने कहा, बढ़ते जलवायु संकट से निपटने की दिशा में हो रहे प्रयास पर्याप्त नहीं हैं। 2023 में दुनिया कई प्राकृतिक आपदाओं की साक्षी बनी। तुर्किये-सीरिया का विनाशकारी भूकंप हो या दक्षिण अफ्रीका में बाढ़, ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

नशेड़ी पिता ने पुत्र को मोबाइल फोन देखता देख आपा खोया

गुमला। जिले के हालमट्टी ग्राम निवासी एक नशेड़ी पिता ने अपने ही मात्र 6 वर्षीय मासूम पुत्र हर्ष कुमार को घर में मोबाइल चलाते देख जमीन पटक पटक कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। बच्चे की मां अपने पति को ऐसा करने से रोकने गयी तो, वह उसे भी मारने के लिये दौड़ाया। हो-हल्ला सुनकर पास पड़ोस वाले जमा हो गये और आनन फानन में गंभीर रूप से घायल हर्ष कुमार को गुमला सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे सिर में गंभीर चोट लगने के कारण रांची रिम्स रेफर कर दिया। घायल बच्चे की मां ने पुलिस को दिए बयान में बताया है कि उसका पति एक नंबर का नशेड़ी और शराबी इंसान है। वह जब कभी भी शराब ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

गढ़वा सदर अस्पताल में तीन विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति

चार दंत रोग विशेषज्ञ एवं दो चिकित्सा पदाधिकारी ने भी दिया योगदान

नवीन मेल संवाददाता। गढ़वा
राज्य सरकार ने जिले में हड्डी रोग सर्जन समेत तीन विशेषज्ञ चिकित्सकों की सदर अस्पताल में नियुक्ति कर दी है। डॉ.नौशाद आलम को सदर अस्पताल गढ़वा में ऑर्थो सर्जन के रूप में नियुक्त किया गया है। उन्होंने शनिवार को सिविल सर्जन कार्यालय में अपना योगदान दे दिया। सदर अस्पताल में चर्म रोग विशेषज्ञ एवं नेत्र रोग विशेषज्ञ को भी पदस्थापित किया गया है। शनिवार को ही चर्म रोग विशेषज्ञ डॉ.संकेश कुमार सिंह एवं नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ.राहुल कुमार ने योगदान दिया है। बताते चलें कि जिले में एक दशक से अधिक समय से चर्म रोग विशेषज्ञ का पद रिक्त था। इससे मरीजों को बड़ी परेशानी हो रही थी।

सदर अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति से चिकित्सा व्यवस्था में व्यापक सुधार की संभावना जताई जा रही है। इनके अलावा जिले के अन्य सरकारी अस्पतालों में भी दंत चिकित्सक एवं दो मेडिकल आफिसर की नियुक्ति की गई है। पीएचसी सतबहिनी, कांडी में डॉ. राजीव कुमार दास एवं पीएचसी सगमा में डॉ. रतांशु कुमार को चिकित्सा पदाधिकारी नियुक्त किया गया है। इन दोनों ने भी सिविल सर्जन कार्यालय में योगदान दिया। दंत चिकित्सक ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

एक नजर

एसडीओ ने अनुमंडल के 14 पिकनिक स्पॉटों पर की दंडाधिकारी की नियुक्ति

हुसैनाबाद। अनुमंडल क्षेत्र के 14 प्रमुख पिकनिक स्पॉटों पर 31 दिसंबर से आगामी दो जनवरी 2024 शाम पांच बजे तक दंडाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की गई है। इसके लिए हुसैनाबाद के प्रशिक्षु आईएएस सह एसडीओ आशीष गंगवार ने पिकनिक स्पॉट पर विधि व्यवस्था संधारण हेतु दंडाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति का आदेश जारी कर दिया है। जिसमें देवरी कला पंचायत के सोन नदी मंदिर व डिलापर, देवरी खुर्द सोन नदी, दंगवार सोन नदी, डंडिला (घाघरा) कुंड बांध,सीता चुआ, नहर मोड़ जपला,देवरी खुर्द सोन नदी, लंगरकोट मुरली पहाड़ी, हैदरनगर के चौकड़ी हॉस्पिटल के पास, कबरा कला सोन नदी,बरेवा झरना, मोहम्मदगंज के सिचाई विभाग के नजदीक आईबी के पास,भीम चुल्हा भीम बराज के पास, कोयल नदी एवं सोन नदी के संगम स्थल पंसा घाट के समीप, काशी शोत डैम आदि के पास दंडाधिकारी के साथ पर्याप्त संख्या में सशस्त्र पुलिस बल के जवान मौजूद रहेंगे।

जपला रेलवे स्टेशन परिसर से बाइक चोरी

हुसैनाबाद। जपला रेलवे स्टेशन के समीप शुक्रवार की देर शाम एक बाइक चोरी हो गयी। बताया जाता है कि पिपरा निवासी जितेंद्र प्रजापति शुक्रवार की शाम बाइक से जपला रेलवे स्टेशन पर रांची-सासाराम इंटरसिटी से आ रहे अपने एक रीश्तेदार को लेने आये थे। स्टेशन के बाहर बाइक खड़ा कर वे अंदर चले गये। बाहर आने पर उन्होंने पाया कि उनकी बाइक गायब है। भुक्तभोगी द्वारा घटना की लिखित शिकायत हुसैनाबाद थाने को दे दी गई है। पुलिस चोरों की धरपकड़ के लिए छापेमारी कर रही हैं।

जोगा में अबुआ आवास को लेकर ग्राम सभा आयोजित

ऊंटारी रोड। प्रखंड के जोगा पंचायत सचिवालय में शनिवार को अबुआ आवास को लेकर मुखिया कमला देवी की अध्यक्षता में ग्राम सभा का आयोजन किया गया। ग्राम सभा में पंचायत सचिव पंकज कुमार व रोजगार सेवक कुंदन ठाकुर मुख्य रूप से उपस्थित थे। ग्राम सभा के माध्यम से सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में अबुआ आवास के लिए आये आवेदनों का सत्यापन किया गया। इस मौके पर उपमुखिया रूपेश कुमार सिंह, पंसस सुनैना देवी, सामाजिक कार्यकर्ता रामकृष्ण पाल, मानदेव साह, मंतोष मेहता, मनोज चौधरी, नीरज चंद्रवंशी मौजूद थे।

हुसैनाबाद में 70 मोतियाबिंद मरीजों का ऑपरेशन

हुसैनाबाद। जिला अंधापन नियंत्रण समिति और राधा लक्ष्मी ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में हुसैनाबाद स्वास्थ्य केन्द्र में शिविर आयोजित कर शनिवार को 70 मोतियाबिंद मरीजों की आंखों में लेंस प्रत्यारोपण किया गया। राधा लक्ष्मी ट्रस्ट के निदेशक डॉ. अखिलेश कुमार गुप्ता ने बताया कि मोतियाबिंद के 150 मरीजों के आंखों की जांच की गई थी। इसमें से 70 मरीजों को नेत्र चिकित्सक डॉ.धीरज प्रसाद और विवेकानंद उपाध्याय द्वारा आईएलओ के माध्यम से लेंस प्रत्यारोपण किया गया। यहां अब तक 364 मरीजों का लेंस प्रत्यरोपण किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि रविवार को सभी मरीजों को दवा और चश्मा दिया जाएगा। इस मौके पर नेत्र सहायक जय प्रकाश सिंह उर्फ बच्चा सिंह, सुनील कुमार, परशु कुमार, सुषमा कुमारी, बसंती कुमारी, सचिन कुमार, काजल, रागिनी, दयानंद कुमार मौजूद थे।

फुटबॉल टूर्नामेंट का सेमीफाइनल तीन से

हुसैनाबाद। कर्नल कप फुटबॉल प्रतियोगिता क्वार्टर फाइनल मैच का दौर खत्म होने के बाद तीन जनवरी से सेमीफाइनल मुकाबले खेले जायेंगे। इसमें चार टीम बैरांव, बभंडी, सड़ेया, पतरिया की टीम शामिल होंगी। तीन जनवरी को सर्वप्रथम बैरांव बनाम बभंडी एवं चार को दूसरे सेमीफाइनल में पतरिया बनाम सड़ेया की टीमों का आमना-सामना होगा। प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला सात जनवरी को कर्पूरी मैदान पर खेला जायेगा।

भाजपा ने किया वन भोज सह कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन

मिशन-2024 में जुट जायें कार्यकर्ता: पूर्व सांसद

राज्य की जनविरोधी सरकार में भी छतरपुर विस में विकास कार्यो को आगे बढ़ाने का भरपूर प्रयास किया है : विधायक

नवीन मेल संवाददाता

पाटन। छतरपुर विधायक पुष्पा देवी एवं पूर्व सांसद मनोज कुमार के द्वारा केचकी नदी के संगम किनारे छतरपुर विधान सभा स्तरीय वन भोज सह कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। वन भोज में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं जिला स्तरीय भाजपा पदाधिकारियों ने भाग लिया। इस दौरान 2024 लोकसभा चुनाव की भी चर्चा की गयी। विधायक पुष्पा देवी ने कहा कि राज्य की जनविरोधी सरकार में भी छतरपुर विधान सभा मे विकास कार्यो को आगे बढ़ाने का भरपूर प्रयास किया है। कठिन परिश्रम से विधान सभा के विकास को नया आयाम दिया गया है। पूर्व एमपी मनोज कुमार ने भाजपा को अनुशासित पार्टी बताते हुये कहा कि यही एकमात्र ऐसी पार्टी है। जिसमें सभी कार्यकर्ता एक परिवार के सदस्य हैं। 2024 के मिशन के तहत केंद्र में पुनः मोदी को पीएम तथा झारखण्ड में बीजेपी की सरकार बनाना है। वन भोज कार्यक्रम का उद्देश्य कार्यकर्ताओं में परस्पर विचारो का आदान-प्रदान कर नई ऊर्जा लाना है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं को शिकवा- शिकायत भूलकर मिशन 2024 में जुट जाने के लिये प्रेरित किया। कार्यकर्ता सम्मेलन में ज्योति पांडेय, नौडीहा बाजार, पाटन, छतरपुर व लठेया के मण्डल अध्यक्ष सहित अरविंद सिंह, अशोक तिवारी, अरुण दुबे, भोला सिंह, नीलम देवी, सांसद प्रतिनिधि छतरपुर जितेंद्र प्रसाद, मुखिया संघ के पूरन यादव उपस्थित थे।

कार्यक्रम को संबोधित करतीं विधायक

एसपी के निर्देश पर अलर्ट मोड में पुलिस, बरती जा रही चौकसी

अंतर्राज्यीय चेकपोस्ट पर चेकिंग अभियान

नवीन मेल संवाददाता

हरिहरगंज। एसपी रीष्मा रमेशन के निर्देशन में नये वर्ष पर सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश के लिये पुलिस पूरी तरह अलर्ट मोड में आ गयी है। स्थानीय थाना प्रभारी सुदामा कुमार दास के नेतृत्व में शनिवार को एनएच-98 मेदिनीनगर-औरंगाबाद मुख्य पथ पर थाने के समीप स्थित इंटरस्टेट चेकपोस्ट पर ड्रिंक एंड ड्राइव के खिलाफ सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। चेकिंग के दौरान सड़क से गुजरने वाले दो पहिया व चार पहिया वाहनों के चालक व सवारों की ब्रेथ एनालाइजर मशीन से जांच की गयी। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस द्वारा लगातार यह अभियान चलाया जा रहा है। कहा कि नशे की स्थिति में गाड़ी चलाने से हादसे होते हैं और कई परिवार इस वजह से आहत होते है। नये वर्ष पर ऐसी घटनायें बढ़ जाती हैं। उन्होंने सभी वाहन चालकों से शराब पीकर वाहन नहीं चलाने की अपील की है। उन्होंने बताया कि शराब पीकर वाहन चलाते पकड़े जाने पर पुलिस वाहन जब्त करते हुए न्यायालय में अभियोजन समर्पित करेगी। बताते चलें कि नव वर्ष को लेकर एसपी के निर्देश पर पूरे जिले में विशेष जांच अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान शराब का सेवन कर कोई नव वर्ष के रंग में भंग नहीं कर दे। इसका विशेष ख्याल रखा जा रहा है।

चेकिंग के दौरान सड़क से गुजरने वाले दो पहिया व चार पहिया वाहनों के चालक व सवारों की ब्रेथ एनालाइजर मशीन से जांच की गयी

वाहन जांच करती पुलिस

फेयर प्राइस शॉप डीलर एसोसिएशन की हड़ताल का संघ करेगा समर्थन

मांग पत्र सौंपते डीलर

नवीन मेल संवाददाता

हरिहरगंज। ऑल इंडिया फेयर प्राइस शॉप डीलर एसोसिएशन के आह्वान पर संघ की पिपरा प्रखंड इकाई की बैठक शनिवार को हुयी। इसकी अध्यक्षता संघ के पिपरा प्रखंड अध्यक्ष विजय प्रसाद यादव ने की। इस दौरान निर्णय लिया गया कि एक जनवरी से फेयर प्राइस शॉप एसोसिएशन द्वारा किये जा रहे हड़ताल का डीलर संघ पुरजोर समर्थन करेगा। विजय प्रसाद यादव ने कहा कि हड़ताल के दौरान किसी भी डीलर के प्रतिष्ठान से उपभोक्ताओं को राशन व अन्य सामग्री नहीं दी जायेगी। राजमणि सिंह ने संघ के सभी सदस्यों से अपने प्रतिष्ठान हड़ताल के दौरान सख्ती से बंद करने को कहा है। उन्होंने कहा कि सरकार जब तक उनकी मांगों को नही मानती है, तब तक हड़ताल जारी रहेगा। वहीं बैठक के बाद सभी जन वितरण दुकानदारों ने प्रखंड कार्यालय पहुंचकर एमओ सरजून राम को मांग पत्र सौपा। मांग पत्र में नेट सर्वर को दुरुस्त करने, पूर्व से वर्तमान तक वितरित अनाजों के विरुद्ध निर्धारित कमीशन का भुगतान करने, झूठा आश्वासन व लचर व्यवस्था को दुरुस्त करने, एनएफएसए में अग्रिम भुगतान का नियमन भुगतान होने के बावजूद राशि लेने के दौरान कमीशनखोरी बंद करने और घटिया ई-भार मापक यंत्र देकर इसकी मरम्मति के नाम पर नाजायज पैसा की वसूली बंद करना शामिल है। मौके पर राजमणी सिंह, संजय सिंह, महेश राम, अनिल सिंह, रविंद्र सिंह, नंदलाल सिंह, मदन गुप्ता, अरुण राम, देवनंदन सिंह, विजय पासवान, सुरेंद्र उरांव, विश्वनाथ तिवारी, रंजय ठाकुर मौजूद थे।

गुरी सर्वेश्वरी समूह ने गरीबों में किया कंबल व ऊनी वस्त्र का वितरण

मानव सेवा सबसे बड़ा पुण्य का कार्य : बीडीओ

नवीन मेल संवाददाता

नावा बजार। विश्रामपुर प्रखंड के गुरी गांव में शनिवार को श्री सर्वेश्वरी समूह मरहटिया गढ़वा के तत्वावधान में प्रार्थना गृह परिसर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान जरुरतमंदों के बीच उंनी वस्त्र व कंबल का वितरण किया गया। इसके पूर्व अघोरेश्वर अवधूत भगवान राम की पूजा अर्चना कर कार्यक्रम का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि विश्रामपुर राज परिवार के अजय बक्सराय, गोष्ठी के अध्यक्ष राम लखन पांडेय, प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचलाधिकारी विक्रम आनंद, रविन्द्र नाथ दुबे, संजीत मिश्रा, समिति सदस्य आशा देवी, भानु प्रताप सिंह, सुधीर सिंह, संतोष राय आदि ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। मौके पर बीडीओ श्री आनंद ने कहा कि गरीबों की सेवा करना बहुत बड़ा पुण्य का कार्य है। ग्रामीण क्षेत्र में इस प्रकार के कार्यक्रम का आयोजन सराहनीय है। अतिथि अजय बक्सराय ने कहा कि हर आना चाहिए। इस दौरान जयराम मिश्र, राधेश्याम मिश्रा, मलकानी भुईयां, चंद्रदेव राम, विनोद पांडेय, साहेब राम, बीरबल प्रजापति, शिखा देवी, मंगलवाश देवी, सुशीला देवी, ओम प्रकाश पांडे, सत्येंद्र मिश्रा ,संजीत मिश्रा, सोनू रूपेश, श्रीकांत मिश्रा, रघुनाथ साधन संपन्न व्यक्ति को जरूरतमंदों के मदद हेतु आगे सिंह, अनुराधा देवी, श्रेया कुमारी, विजय यादव मौजूद थे।

वृद्ध को कंबल ओढ़ाते बीडीओ

शोक सभा का आयोजन : सर्वेश्वरी समूह के कंबल वितरण सह पूजन कार्यक्रम में शोकसभा का आयोजन किया गया। जहां दो मिनट का मौन रखकर गुरी गांव निवासी मृतक युवा स्व.अंजनी कुमार मिश्र की आत्मा की शांति के लिये प्रार्थना की गई। विदित हो कि अंजनी का निधन 2 दिन पूर्व घर में विद्युत कार्य करने के क्रम में करंट लगने से हो गई थी।

ऑटो-बाइक की टक्कर में छात्रायें सहित छह घायल

ऊंटारी रोड। जिले के उंटारी रोड थाना क्षेत्र के कुल्ही पुल के समीप बाइक और ऑटो की टक्कर मे छह लोग घायल हो गये। मिली जानकारी के अनुसार रेहला से कोचिंग कर छात्रायें टेम्पू से करकटा अपने घर लौट रही थीं। इसी दौरान कुल्ही में विपरीत दिशा से आ रही बाइक से आटो की टक्कर हो गयी। हादसे में टेम्पो पर सवार गुडन कुमारी, अनुपा कुमारी, खुशबू कुमारी, सत्या कुमारी एवं बाइक सवार सचिन कुमार व प्रिंस कुमार घायल हो गये। समीप स्थित नागरिकों द्वारा तत्काल सभी घायलों को चिकित्सालय ले जाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद सभी अपने-अपने घर चले गये।

नव वर्ष पर डीसी व एसपी ने उठाया नौकाविहार का लुत्फ

नवीन मेल संवाददाता

सतबरवा। पलामू उपायुक्त शशि रंजन, पुलिस अधीक्षक रिष्मा रमेशन, उप विकास आयुक्त रवि कुमार समेत पूरे पलामू जिला के पुलिस व प्रशासन के पदाधिकारी मलय डैम की खूबसूरती एवं सुंदरता को देखने शनिवार को पहुंचे। व पिकनिक मनाने शनिवार को पहुंचे। आलाधिकारियों ने मनोरम वादियों के बीच पिकनिक का जमकर लुत्फ उठाया। इस दौरान सभी ने बारी-बारी से वहां पर लगे मोटर बोट पर बैठकर मलय डैम का भ्रमण किया। नौकाविहार के बाद सभी ने वहां पर लगे स्लॉट में बैठकर चाय, नाश्ता एवं खाना का भरपूर आनंद उठाया। पलामू के नैसर्गिक सौंदर्य को देख अधिकारी अभिभूत नजर आये। इस मौके पर सदर एसडीएम अनुराग तिवारी, सतबरवा सीओ कृष्ण मुरारी तिर्की, थाना प्रभारी अमित कुमार, चैनपुर थाना प्रभारी रूपेश दुबे, एएसआई बसंत दुबे सहित तमाम अधिकारी मौजूद रहे।

नौकायन का लुत्फ उठाते डीसी व एसपी

NAME CHANGE

Name change notice It is hereby declared that , Name : Pooja Kumari Sahu Father Name: Rajkumar Sahu Address: Rourkela Tarafigate Main Road Orissa Name : Pooja Shri Modi Husband: Satyanarayan Kumar Address: New Anandnagar Harmu Road, Kishoreganj Ranchi. Puja Kumari Sahu / Puja Shri Modi mentioned above are the same person. Affidavit No. 1450/30/08/2023 From today onwards Puja will be known as puja Shri Modi / Puja Kumari Sahu.

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, गढ़वा

आवश्यक सूचना

(लापता आयन कुमार)

गढ़वा थाना कांड सं0–622/23, दिनांक–25.12.2023, धारा–364 भा0द0वि0 में लापता बच्चा आयन कुमार, उम्र–09 वर्ष, पे0–दिलदार राम, सा0–पोटमा, थाना+जिला–गढ़वा, राज्य–झारखण्ड के रहने वाले है। लापता बच्चा आयन कुमार जो दिनांक–25.12.2023 को समय दिन के करीब 03.00 बजे अपने गृह निवास के पास से गायब है। जो अभी तक घर वापस नहीं आया है। इनके परिवार के द्वारा काफी खोजबीन किया गया परन्तु अबतक पता नहीं चल सका है। अतः आम जनता से अनुरोध है कि उक्त लापता आयन कुमार ग्राम–पोटमा, थाना+जिला–गढ़वा, राज्य– झारखण्ड का किसी प्रकार की सूचना प्राप्त हो तो पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय), गढ़वा के मो0नं0–9431706284 या पुलिस अधीक्षक, गढ़वा के मो0नं0– 9431706281 पर सूचित करने की कृपा करें।

हुलियाः–

नाम–आयन कुमार ,रंग–गेहूँआ

पहनावा–पजामा ट्राउजर ब्लू रंग का, इनर–ग्रे रंग का

उंचाईः–3.05 फीट।

PR 314827 Police (23-24)_D

निवेदक
पुलिस अधीक्षक,
गढ़वा

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, गढ़वा

आवश्यक सूचना।

(लापता दुलारी कुमारी)

नगर उँटारी थाना सन्हा सं0–18/23, दिनांक–15.12.2023, में लापता लड़की दुलारी कुमारी, उम्र–20 वर्ष, पे0–विश्वनाथ राम, ग्राम–सलसलादी, थाना–नगर उंटारी, जिला–गढ़वा, राज्य–झारखण्ड के रहने वाली है। लापता लड़की दुलारी कुमारी के पिता विश्वनाथ राम के द्वारा आवेदन में बताया गया कि इनकी बेटी दुलारी कुमारी जो नगर बाजार जाने को कहकर घर से निकली थी जो अभी तक घर वापस नहीं आयी है। इनके परिवार के द्वारा काफी खोजबीन किया गया परन्तु अबतक पता नहीं चल सका है। अतः आम जनता से अनुरोध है कि उक्त लापता दुलारी कुमारी, ग्राम– सलसलादी, थाना–नगर उँटारी, जिला–गढ़वा, राज्य–झारखण्ड का किसी प्रकार की सूचना प्राप्त हो तो पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय), गढ़वा के मो0नं0–9431706284 या पुलिस अधीक्षक, गढ़वा के मो0 नं0– 9431706281 पर सूचित करने की कृपा करें।

हुलियाः–

नाम–दुलारी कुमारी, रंग–साफ, पहनावा–हरा रंग का सलवार सुट, हरा रंग का दुप्पट्टा, लम्बाई–05 फिट 02 इंच।

PR.NO.314826 Police(23-24):D

निवेदक,
पुलिस अधीक्षक, गढ़वा।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त का कार्यालय, लोहरदगा (जिला निर्वाचन)

प्रेस विज्ञप्ति

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी–सह–सचिव, मंत्रिमण्डल (निर्वाचन) विभाग, झारखण्ड रॉची का पत्रांक 6358 दिनांक 27.12.2023 एवं भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के पत्रांक 23/2023-ERS (Vol.-III) दिनांक 26.12.2023 द्वारा दिनांक 01.01.2024 को अर्हता तिथि मानते हुए मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम, 2024 के निमित मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन के पूर्व सभी DSEs एवं PSEs को निस्तार करने के लिये पुनरीक्षण कार्यक्रम में संशोधन करते हुए दावा एवं आपति निस्तार करने की अंतिम तिथि को दिनांक 26.12.2023 के स्थान पर दिनांक 12.01.2024 तथा मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन की तिथि की विस्तारित करते हुए दिनांक 05.01.2024 के स्थान पर दिनांक 22.01.2024 को निर्धारित किया गया है।

2.आगामी लोकसभा चुनाव, 2024 को ध्यान में रखते हुए Special Summary Revision of Photo Electoral Rolls को सफल बनाने एवं शुद्ध एवं पूर्ण मतदाता सूची को तैयार करने के उद्देश्य से संशोधित तिथिवार कार्यक्रम का निर्धारण किया गया है।

1. दावा एवं आपति की तिथि दिनांक 12.01.2024 है। जिसमें वैसे मतदाता जिनका मतदाता सूची में नाम दर्ज करने हेतु प्रपत्र 6 में भर सकतें हैं।
2. वैसे मतदाता जिनका मृत/स्थानान्तरण/दो स्थान में नाम दर्ज वाले मतदाताओं प्रपत्र 7 में भर कर विलोपन किया जा सकता है।
3. वैसे मतदाता जिनका मतदाता सूची में त्रृटि (नाम, संबंधी का नाम, जन्म तिथि, पता, लिंग, फोटो, मो0नं0, आधार नं0 एवं अन्य) का निराकरण हेतु प्रपत्र 8 में भरकर सुधार किया जा सकता है।
4. वैसे मतदाता जिनके पास अभी तक Black & White पहचान पत्र है को रंगीन कराना आवश्यक है। जिसके लिए प्रपत्र 8 में Replacement EPIC में भर कर रंगीन मतदाता पहचान पत्र प्राप्त कर सकते हैं।

PR 314843 Lohardaga(23-24).D

उप निर्वाचन पदाधिकारी,
लोहरदगा

जिला निर्वाचन पदाधिकारी–सह–उपायुक्त, लोहरदगा

न्यायालय, उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी,लातेहार

राजसात वाद संख्या–65/2023

नोटिस

बनाम्

1. मनोज लोहरा, पिता–सुन्दर लोहरा, सा0–मंगरा मुरूप, थाना+जिला–लातेहार
2. बिनोद कुमार, पिता–कोल्हा साव, सा0–तेली टोला, थाना–बालूमाथ, जिला–लातेहार।
3. सुमन्ती देवी पति–टीकराम कापरदर, सा0–सहदेव नगर, रातू रोड, हेहल, सुखदेव नगर, रांची।
4. राजेश कुमार, शम्भू साव, सा0–बालूमाथ, थाना–बालूमाथ, जिला–लातेहार। :– विपक्षी

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि पुलिस अधीक्षक, लातेहार द्वारा उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी, लातेहार के न्यायालय में बालूमाथ थाना काण्ड संख्या–64/2023 दिनांक 29.04.2023 में जप्त 1. मोटरसाईकल रजि0 नं0–JH19C-2158, 2. मोटरसाईकल रजि0 नं0–JH19C-9492, 3. मोटरसाईकल रजि0 नं0–JH01N-6397 एवं 4. मोटरसाईकल रजि0 नं0–JH01DJ-9676 को राजसात हेतु दायर वाद में बार–बार नोटिस देने के बावजूद भी आपलोग लगातार अनुपस्थित रह रहे हैं।

अतः आपको अंतिम रूप से सूचित किया जाता है कि वाद की सुनावाई हेतु निर्धारित अगली तिथि 12.01.2024 को उपस्थित होकर स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से पक्ष रखना सुनिश्चित करें। अन्यथा अभिलेख में संलग्न दस्तावेज के आधार पर वाद में अंतिम निर्णय पारित कर दिया जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से नोटिस निर्गत किया गया।

प्रभारी पदाधिकारी,
जिला विधि शाखा, लातेहार

PR 314807 District(23-24).D

न्यायालय, उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी, लातेहार।

राजसात वाद संख्या–85/2023

नोटिस

बनाम्

चन्दन राम, पे0–स्व0 रोहन राम, सा0–रातु शांति नगर, जिला–रांची। :– विपक्षी

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि पुलिस अधीक्षक, लातेहार द्वारा उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी, लातेहार के न्यायालय में बालुमाथ थाना काण्ड संख्या–81/2023 दिनांक 01.06.2023 में जप्त ट्रक रजि0 नं0–JH02AL-5767 को राजसात हेतु दायर वाद में बार–बार नोटिस देने के बावजूद भी आप लगातार अनुपस्थित रह रहे हैं।

अतः आपको अंतिम रूप से सूचित किया जाता है कि वाद की सुनावाई हेतु निर्धारित अगली तिथि 12.01.2024 को उपस्थित होकर स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से पक्ष रखना सुनिश्चित करें। अन्यथा अभिलेख में संलग्न दस्तावेज के आधार पर वाद में अंतिम निर्णय पारित कर दिया जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से नोटिस निर्गत किया गया।

प्रभारी पदाधिकारी,
जिला विधि शाखा,
लातेहार।

PR 314808 District(23-24)D

कार्यालय जिला पशुपालन पदाधिकारी, पलामू।

–: मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना में चयनित लाभुकों के लिए

आवश्यक सूचना :–

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2020–21, 2021–22 एवं 2022–23 में "मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना" के अन्तर्गत चयनित वैसे लाभुक जिन्होनें अभी तक अपना लाभुक अंशदान जमा नहीं किये है या सरकारी अंशदान की राशि की निकासी अपने बैंक खाते से कर लिये है एवं जिन्होनें अभी तक अपना परिसम्पति नहीं लिये है उन्हें सूचित किया जाता है कि दिनांक 02.01.2024 तक अपना लाभुक अंशदान जमा एवं निकाली हुई सरकारी अनुदान जमा कराते हुए संबंधित प्रखण्ड के पशु चिकित्सक को सुचित करते हुए अपना परिसम्पति प्राप्त करना सुनिश्चित करेंगे।

जिन लाभुकों द्वारा दिनांक 02.01.2024 तक अपना परिसम्पति प्राप्त नहीं किया जायेगा उससे सरकारी अनुदान की राशि की वसूली करने हुए उचित कारवाई की जा सकती है।

योजना की विवरण निम्नवत है :–

क्र0 सं0	योजना का नाम	योजना का कुल लागत (रूपया में)	सरकारी अनुदान की राषि (प्रति ईकाई)			लाभुक अंशदान की राषि (प्रति ईकाई)		
			90%	75%	50%	10%	25%	50%
1	बकरा विकास योजना (4+1)	24,800/-	22,320/-	18,600/-	12184/-	2480/-	6200/-	12616/-
2	सूकर विकास योजना (4+1)	57,800/-	52,020/-	43,350/-	28900/-	5780/-	14450/-	28900/-
3	400 बैक्यार्ड कुक्कुट (लो इनपुट लेयर कुक्कुट पालन)	1,18,200/-	1,06,380/-	88,650/-	59100/-	11820/-	29550/-	59100/-
4	ब्रायलर कुक्कुट पालन योजना (500 चूजा)	67,500/-	60,750/-	50,625/-	33485/-	6750/-	16875/-	34015/-
5	बत्तख चूजा वितरण योजना (15 चूजा)	1,700/-	1,530/-	1,275/-	-	170/-	425/-	170/-

निवेदकः–

जिला पशुपालन पदाधिकारी,पलामू।

PR 314816 District(23-24)D

एक नजर

कुव्यवस्था से गई मजदूर की जान

मेदिनीनगर। जिला मुख्यालय स्थित भारतीय खाद्य निगम के गोदाम में व्याप्त कुव्यवस्था के कारण मजदूर ईश्वरी यादव की असमय मौत हो गयी। मौके पर पहुंचे पूर्व विधायक प्रत्याशी पांकी विधान सभा रुद्र शुक्ला ने अन्य मजदूरों से मुलाकात कर घटना की जानकारी हासिल की। उन्होंने मृत मजदूर के परिजनों को मुआवजा देने की मांग को लेकर धरने पर बैठे श्रमिकों को भी पुरजोर समर्थन देने का आश्वासन दिया। शनिवार को धरनारत मजदूरों द्वारा प्रदेश के वित्त मंत्री डा. रामेश्वर उरांव को पत्र भी भेजा गया।

शहीद भिखारी का शहादत दिवस मनाने का निर्णय

मेदिनीनगर। शहर के टाउन हॉल में आठ जनवरी को स्वतंत्रता सेनानी अमर शहीद शेख भिखारी का शहादत दिवस मनाया जाएगा। तैयारी को लेकर राष्ट्रीय मोमिन कॉन्फ्रेंस के प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद सुलेमान अंसारी के नेतृत्व में शुक्रवार को बैठक कर कार्ययोजना तैयर की गई। सुलेमान अंसारी ने बताया कि शहादत दिवस राष्ट्रीय मोमेंट कॉन्फ्रेंस, ऑल इंडिया पसमांदा मुस्लिम महाज और कुम्हार समन्वय समिति के संयुक्त तत्वावधान में कार्यक्रम किया जाएगा। शहादत दिवस में पूर्व सांसद सह ऑल इंडिया पसमांदा मुस्लिम महाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष अली अनवर, राष्ट्रीय मोमिन कॉन्फ्रेंस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहम्मद हेमायूं अंसारी, पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी, संत मरियम स्कूल के अध्यक्ष अविनाश आदि भाग लेंगे। बैठक सह प्रेस से बातचीत के दौरान मोहम्मद मुस्तकीम अंसारी, खलील अंसारी, नूरुद्दीन अंसारी, हाफिज बेलाल आदि उपस्थित थे।

प्रवासी मजदूरों का आया शव

छतरपुर। थाना क्षेत्र के मुनकेरी निवासी दो युवा प्रवासी मजदूरों का शव लुधियाना से गांव पहुंचते ही शोक की लहर दौड़ गयी। मां व अन्य परिजन उससे लिपट कर चित्कार मारकर रो उठी। शव आने की सूचना पर पूरा गांव घर पर आ जुटा। मौत की खबर से पूरा गांव शोक में डूबा है। बताते चलें कि लुधियाना में ट्रेन की चपेट में आने से ड्यूटी जा रहे पलामू के प्रवासी मजदूर संजर अंसारी (20) और शहबाज अंसारी (22) की मौत हो गई थी। शहबाज के माता-पिता इस दुनिया में नहीं हैं। वह अपनी बहनों की शादी करने के लिए इस छोटी उम्र में अपने घर का जिम्मेवारी लेकर लुधियाना में पांच महीने से जींस फैक्ट्री में काम कर रहा था। उधर संजर अपने मां बाप का इकलौता औलाद था। शव को मुनकेरी कब्रिस्तान में जनाजे की नमाज के बाद सुपुर्दे खाक किया गया।

अरविंद के रांची प्रेस क्लब का कार्यकारिणी सदस्य बनने से हर्ष

छतरपुर। क्षेत्रीय निवासी अरिवंद कुमार गुप्ता के झारखण्ड के पत्रकारों की सम्मानित संस्था रांची प्रेस क्लब का कार्यकारिणी सदस्य बनने से क्षेत्रवासियों में हर्ष व्याप्त है। बता दें कि रिटायर्ड जज की अगुवाई में हर दो साल पर क्लब का चुनाव सम्पन्न होता है। जिसमें रांची जिले के पत्रकार अपने मतों का प्रयोग करते हैं। कमेटी के शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री शिरकत करते रहे हैं। अरविंद गुप्ता को बधाई देने वालों में सुनील कुमार, चन्दन कुमार, पंचम कुमार, मंटू कुमार, पपु यादव, अरुण ठाकुर, मृणाल गुप्ता, निरंजन सिन्हा, डॉक्टर ताहिर हुसैन, मार्तण्ड प्रसाद, नीरज गुप्ता आदि शामिल हैं।

पूजित अक्षत के साथ पंचायत में किया भ्रमण

ऊंटारी रोड। अयोध्या जन्म भूमि मंदिर से प्राप्त पूजित अक्षत-कलश को लेकर शनिवार को भक्तों ने विश्रामपुर प्रखंड के सिगसिगी पंचायत में भ्रमण किया। देवी धाम परिसर से बजरंग दल व विश्व हिंदू परिषद के सदस्यों ने जय श्री राम के जयघोष के साथ जुलूस यात्रा में शामिल हुये। नागरिकों ने भारी उत्साह के साथ शोभा यात्रा का स्वागत किया। आयोजन में रामनवमी पूजा समिति के अध्यक्ष पंकज कुशवाहा, सचिव अनुज कुमार चौधरी, संयोजक राजा बाबू ने सक्रिय भूमिका निभाई।

प्रदर्शन में हजारों की संख्या मे महिलायें व पुरुष शामिल, जुलूस निकाल की नारेबाजी

महापुरुषों की प्रतिमा स्थापित करने को लेकर महाधरना

कार्यक्रम को संबोधित करते पूर्व सांसद

प्रदर्शन करते मोर्चा के पदाधिकारी

पूर्व सांसद कामेश्वर बैठा ने जिला प्रशासन को लिया आड़े हाथ

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। जिला मुख्यालय स्थित समाहरणालय गेट के समक्ष राजा मेदिनीराय की प्रतिमा स्थापित करने को लेकर शनिवार को हजारों की संख्या मे महिला और पुरुषों ने महाधरना दिया। इससे पूर्व शहर में जुलूस निकालकर लोगों ने नारेबाजी भी की। बताते चलें कि संविधान बचाओ मोर्चा के विभिन्न घटक संगठनों के द्वारा कचहरी समाहरणालय परिसर में महाराजा मेदिनीराय व शहीद नीलाम्बर-पीताम्बर की प्रतिमा स्थापित करने को लेकर 19 दिनों से धरना-प्रदर्शन किया जा रहा है। शनिवार को सामाजिक न्याय परिषद, पिछड़ा वर्ग महासभा, अखिल भारतीय आदिवासी महासभा, भीम आर्मी, जन संग्राम मोर्चा, हुल झारखंड, क्रांति दल, झारखंड क्रांति मंच, मूल निवासी संघ और अखिल भारतीय किसान महासभा के संयुक्त तत्वावधान में विशाल जुलूस निकाला गया। वक्ताओं ने कहा कि पिछले 10 वर्षों से समाहरणालय परिसर में महापुरुषों की प्रतिमा स्थापित करने की मांग की जा रही है। इसके बाद भी जिला प्रशासन द्वारा सिर्फ टाल मटोल किया जा रहा है। संविधान बचाओ मोर्चा ने भगवान बिरसा मुण्डा की 148वीं जयंती व झारखण्ड राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर 15 नवम्बर को तीनों महापुरुषों की प्रतिमा कचहरी परिसर में लगायी थी। जिसे मेदिनीनगर सदर अनुमण्डल पदाधिकारी द्वारा 25 नवम्बर की रात्रि में जेसीबी मशीन से हटवाया दिया गया। इससे पलामू के नागरिकों में भारी रोष व्याप्त है। इसे लेकर मोर्चा द्वारा अनिश्चितकालीन धरना 12 दिसम्बर से जिला परिषद कार्यालय के समक्ष दिया जा रहा है। अभी तक जिला प्रशासन के किसी अधिकारी ने वार्ता करना भी मुनासिब नहीं समझा। इससे मूल निवासी समाज में आक्रोश बढ़ रहा है। वक्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि 20 जनवरी तक तीनों महापुरुषों की प्रतिमा समाहरणालय परिसर स्थित पार्क में स्थापित नहीं की गयी तो मोर्चा प्रतिमा लगाने के लिए स्वतंत्र होगा।

नव वर्ष पर रखेंगे उपवास

संविधान बचाओ मोर्चा के पदाधिकारियों ने बताया कि 31 दिसम्बर से धरना यथावत जारी रहेगा। मोर्चा के घटक संगठन के लोग नया साल नहीं मनाने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि वे एक जनवरी को धरना स्थल पर उपवास रखेंगे। धरने में शामिल पूर्व सांसद कामेश्वर बैठा ने कहा कि महपुरुषों की प्रतिमा कचहरी परिसर से हटा कर जिला प्रशासन फंस गया है। उसे जबाब देते नहीं बन रहा है। मौके पर रवि पाल, त्रिपुरारी सिंह चेरो, अनुराग भारती, यशवंत पासवान, चंद्रधन महतो, कमलेश सिंह चेरो, शत्रुघ्न कुमार शत्रु आदि मौजूद थे।

मुस्तैद रहा जिला प्रशासन

समाहरणालय परिसर में आयोजित धरना-प्रदर्शन को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। विधि-व्यवस्था बनाये रखने के लिये मेदिनीनगर एसडीओ के द्वारा सशस्त्र बल के प्रभार में दण्डाधिकारी की नियुक्ति की गयी थी। इसके साथ ही जुलूस मार्ग पर भी समुचित पुलिस बल की तैनाती की गयी थी। धरना स्थल पर भी पुलिस चौकस रही।

डीडीयू कौशल योजना के चयनित अभ्यर्थियों को डीसी ने दिया नियुक्ति पत्र

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। दीनदयाल उपाध्याय कौशल योजना के तहत आयोजित किये गये रोजगार मेला के माध्यम से रोजगार के लिए चयनित 24 अभ्यर्थियों को शनिवार को नियुक्ति पत्र सौंपा गया। समाहरणालय के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में छतरपुर, हुसैनाबाद, हरिहरगंज व नौडीहा बाजार के 24 युवाओं को उपायुक्त शशिरंजन ने नियुक्ति पत्र दिया। नियुक्ति पत्र पानेवाले सभी 24 अभ्यर्थी नियोजन हेतु आईएसएस एसडीबी सिक्योरिटी सर्विस प्राइवेट लिमिटेड चेन्नई जायेंगे। इस अवसर पर उपायुक्त ने सभी सफल अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। कहा कि सभी मेहनत व पूरी ईमानदारी के साथ काम करें। उन्होंने कहा कि सभी अभ्यर्थी ई-श्रम पोर्टल पर अपना रजिस्ट्रेशन करवायें। मौके पर उप विकास आयुक्त रवि आनंद, मेदिनीनगर नगर आयुक्त जावेद हुसैन, हुसैनाबाद अनुमंडल पदाधिकारी आशीष गंगवार, सहायक समाहर्ता रवि कुमार, जेएसएलपीएस के डीपीएम समेत अन्य उपस्थित थे।

नियुक्ति पत्र देते डीसी

पूजा-अर्चना व शोभायात्रा से पलामू राममय, छाई भक्ति की खुमार

शहर से लेकर गांव तक पूजित अक्षत कलश यात्रा की धूम

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। परम पावन अयोध्या धाम में नवनिर्मित श्रीराम मंदिर में रामलला के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के लिये वहां से आये पूजित अक्षत कलश यात्रा की शहर से लेकर गांवों तक धूम मची है। अक्षत-कलश की पूजा-अर्चना व शोभायात्रा से पूरा पलामू राममय हो गया है। मेदिनीनगर में पूजित तीन अक्षत-कलशों को शनिवार को क्रमशः हास्पिटल चौक स्थित शनि मंदिर, जीएलए कालेज गेट स्थित अष्टभुजी मंदिर एवं बारालोटा स्थित हरिहर नाथ मंदिर में रखा गया है। जबकि चौथा अक्षत-कलश शाम को रेड़मा स्थित ठाकुरबाड़ी मंदिर से शहर के किसी अन्य मंदिर में ले जाया जायेगा। अक्षत-कलश को एक मंदिर से दूसरे मंदिर में गाजे-बाजे के साथ ले जाया जा रहा है। दूसरी तरफ ग्रामीण अंचलों में विश्रामपुर के रेहला व सिगसिगी सहित सतबरवा, लेस्लीगंज, तरहसी, नावा बाजार, हरिनगर, चैनपुर, पांकी आदि स्थानों पर भी धूमधाम से कलश-अक्षत यात्रा निकाली जा रही है। अपने आराध्य प्रभु श्रीराम की अयोध्या में भव्य मंदिर निर्माण की सदियों पुरानी अभिलाषा पूर्ण होने से नागरिकों में भारी उत्साह व्याप्त है। इस दौरान विहिप के जिला मंत्री दामोदर मिश्र, सह मंत्री अमित तिवारी, संवा प्रमुख गोपाल तिवारी, बजरंग दल के जिला संयोजक संदीप प्रसाद गुप्त, जिला बलोपासना प्रमुख विकास कश्यप, सुरेश वर्मा, दीपक सिंह, दिलीप गिरी आदि कार्यक्रम को सफल बनाने में पूरे तन्मयता पूर्वक जुटे हैं।

पूजित अक्षत के साथ श्रद्धालु

नो रिटायर्ड के सिद्धांत पर चले शिक्षक

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। स्थानीय पोलपोल पंचायत के चक बरेवा निवासी दिवंगत सेवानिवृत्त अध्यापक छठु पांडेय ताउम्र शिक्षा के प्रति समर्पित रहे। अपने 36 वर्ष के सेवा काल में उन्होंने पलामू प्रमंडल के सुदूरवर्ती ग्रामीण अंचलों में गरीबों-मजलूमों के बीच ज्ञान का उजियारा फैलाया। 10 फरवरी 1932 को एक साधारण किसान परिवार में उनका जन्म हुआ था। छह भाईयों में सबसे छोटे होने के कारण लोग प्यार से उन्हें छठु कहने लगे। कालांतर में यही उनका नाम भी हो गया। देवघर विद्यापीठ से मैट्रिक उत्तीर्ण करने के बाद उन्होंने 1956 में गांव के ही प्राथमिक विद्यालय घोरही से शिक्षक के रूप में अपनी सेवा शुरू की। आज सरकार का नारा बनी कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न हो उस समय भी स्व. पांडेय का मूलमंत्र था। सड़क पर खेल रहे बच्चे को पुचकार कर गोद में उठाकर वे स्कूल ले जाते थे। 1978 में उनका स्थानांतरण मनिका के जमुना गांव में हो गया। उनके शिष्य रहे डा. एसकेपी यादव व दीनानाथ प्रजापति ने बताया कि उन्होंने समभाव से सभी को शिक्षा प्रदान की। सेवानिवृत्त होने के बाद भी वे हमेशा अटल बिहारी वाजपेयी के सूत्र नो टायर्ड नो रिटायर्ड के सिद्धांत पर चलते रहे। अपने जीवन में उन्होंने कभी भी कहीं आने जाने के लिये सवारी वाहन का प्रयोग नहीं किया।

गिरफ्तार दूसरा आरोपी चालक भी कार्रवाई की जद में

सामूहिक दुष्कर्म में एसपी का चालक निलंबित

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। सामूहिक दुष्कर्म के आरोपी पुलिस अधीक्षक के ड्राइवर को निलंबित कर उसके खिलाफ विभागीय कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू की गयी है। एक और आरोपी जिला प्रशासन में अनुबंध के आधार पर पदस्थ चालक के खिलाफ भी कर्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गयी है। बताते चलें कि गुरुवार को मेदिनीनगर स्थित डॉक्टर के पास इलाज करवाने जा रही एक महिला को पुलिस और जिला प्रशासन के ड्राइवर ने झांसे में लेकर सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया था। आरोपी ड्राइवर प्रकाश यादव पलामू आरक्षी अधीक्षक जबकि दूसरा ड्राइवर धर्मेंद्र यादव पलामू उपायुक्त के स्कॉर्ट गाड़ी को चलाता था। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार कर लिया था। महिला के बयान के आधार पर मेदिनीनगर टाउन थाना में दोनों ड्राइवरों के खिलाफ दुष्कर्म समेत कई गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज किया गया है। मामले में पलामू एसपी ने कार्रवाई करते हुए आरोपी ड्राइवर को निलंबित कर दिया है। सामूहिक दुष्कर्म की जांच मेदिनीनगर टाउन थाना में तैनात सीनियर सब इंस्पेक्टर रैंक के अधिकारी कर रहे हैं। एसपी रीष्मा रमेशन ने बताया कि ड्राइवर को निलंबित कर उसके खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू की गयी है।

आजसू ने सरकारी धन के बंदरबांट का लगाया आरोप

सिर्फ वाहवाही लूट रही सरकार

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। आजसू पार्टी पलामू जिलाध्यक्ष दिलीप चौधरी ने शनिवार को एक वार्ता में आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार विकास के नाम पर सिर्फ वाहवाही लूटने का काम कर रही है। झूठी लोकप्रियता हासिल करने के लिए सरकारी धन का बंदरबांट हो रहा है। इसका आजसू पार्टी घोर निंदा करती है। उन्होंने कहा कि चार वर्ष के कार्यकाल में प्रदेश सरकार ने अपना कोई भी वायदा पूरा नहीं कर सकी है। झारखंड में रोजगार देने के नाम पर बेरोजगार की फौज खड़ी कर दी जा रही हे। शैक्षणिक माहौल चरमरा गया है। छतरपुर में डिग्री कॉलेज बनकर तैयार है, लेकिन शिक्षक के अभाव में ना शिक्षा दी जा रही है न छात्रों का नामांकन हो रहा है। प्राइवेट डिग्री कॉलेज द्वारा छात्रों का आर्थिक दोहन हो रहा है। जिला हॉस्पिटल की स्थिति और भी बदतर हो गयी है। शराब माफिया एवं सरकारी पदाधिकारी की मिली भगत से खुलेआम शराब की तस्करी हो रही है। चारों तरफ भ्रष्टाचार का बोलबाला है। मौके पर केंद्रीय समिति सदस्य चंद्रशेखर सिंह छोटू, संजू सिंह, तुलसी शुक्ला, जिला सचिव कृष्ण कुमार मौजूद थे।

वार्ता करते आजसू नेता

पलामू व औरंगाबाद जिला मुख्यालय को जोड़ती है सड़क, प्रतिदिन हजारों लोगों का आवागमन

नगर पंचायत की जर्जर सड़क से राहगीरों को परेशानी

नवीन मेल संवाददाता

हरिहरगंज। नगर पंचायत अंतर्गत न्यू सब्जी बाजार से पूर्णाडीह गांव तक तीन किलोमीटर लंबी सड़क की स्थिति काफी दयनीय हो गयी है। सड़क में बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं। इस कारण राहगीरों व वाहन चालकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। नागरिकों ने बताया कि इसी सड़क से डेमा, पूर्णाडीह, पिपरघाट, पराउरापर, खरबन गांव के अलावे बिहार राज्य के औरंगाबाद जिला अंतर्गत देव प्रखंड के जगदीशपुर, विशुनपुर, गोलहा, केवलहा सहित कई गांव के लोग हरिहरगंज बाजार प्रखंड मुख्यालय, छतरपुर अनुमंडल सहित पलामू व औरंगाबाद जिला मुख्यालय आते हैं। इस सड़क से प्रतिदिन हजारों की संख्या में लोग आवागमन करते हैं। लंबे समय से सड़क क्षतिग्रस्त रहने के कारण बीमार पड़ने या डिलीवरी के लिए रास्ते में गुजरने पर लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। शनिवार को जर्जर सड़क से परेशान डॉ. शालिग्राम प्रसाद वर्मा, मुनेश्वर मेहता, सुदर्शन मेहता, अनुज शर्मा, अवधेश ठाकुर, प्रकाश मेहता आदि लोगों ने क्षेत्रीय सांसद, विधायक तथा जिला प्रशासन से अविलंब सड़क का निर्माण करवाने की मांग की है।

जर्जर सड़क दिखाते नागरिक

आदिम जनजाति बोर्ड को लेकर किया प्रदर्शन

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। भारतीय आदिम जनजाति परिषद ने शुक्रवार को आदिम जनजाति बोर्ड का गठन करने सहित 17 सूत्री मांगों को लेकर समाहरणालय के समक्ष प्रदर्शन किया। शिवाजी मैदान सें जुलूस निकालकर परहिया, कोरवा आदि आदिम जनजाति समुदाय के सदस्य समाहरणालय पहुंचे और मांगों के समर्थन में नारेबाजी की। प्रदर्शन के उतरार्ध में राज्यपाल के नाम डीसी को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन के माध्यम से वन अधिकार अधिनियम-2006 और 2008 के तहत वन पर आश्रित परिवार को पांच एकड़ जमीन का पट्टा देने, आदिम जनजाति मजदूर, किसान और आदिवासी को जल, जंगल व जमीन से बेदखल करना बंद करने, आदिम जनजाति बोर्ड का गठन करने, विधवा, दिव्यांग और वृद्धा पेंशन की राशि एक हजार से बढ़ाकर पांच हजार रूपए प्रतिमाह निर्धारित करने, आफ लाइन के जरिए आदिम जनजाति को राशन उपलब्ध कराने, आदिम जनजाति के लिए सभी प्रखंड में स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण करने, आदिम जनजाति परिवार के बेरोजगार छात्र-छात्राओं की सीधी नियुक्ति करने, वंचित लोगों को बिरसा आवास योजना का लाभ देने, आदिम जनजाति को निःशुल्क बिजली देने, एससी एसटी एक्ट को कड़ाई से लागू कराने, प्रत्येक प्रखंड में आदिम जनजाति सुविधा भवन का निर्माण कराने, मनरेगा में मजदूरी दर 600 रुपया निर्धारित करने, भुईयां जाति के लिए महाबोर्ड का गठन करने, राशन कार्ड से प्रति व्यक्ति 15 किलोग्राम अनाज देने की मांग सरकार से किया गया। प्रदर्शन में परिषद के केंद्रीय सदस्य पच्चू कोरवा, जिलाध्यक्ष सुषमा मुर्मा, विजय परहिया, सीताराम परहिया, जार्ज कोरवा, विश्वासी देवी, प्रकाश कोरवा, संजय कोरवा, लिलावती देवी, रामजी परहिया, कइलू परहिया, प्रभु कोरवा, ज्योति सुरेन सहित काफी संख्या में महिला-पुरुष शामिल थे।

सहूलियत | **परिसदन भवन में आयोजित दूरसंचार सलाहकार समिति की बैठक में बोले वीडी राम**

आम जनता को प्रदान करायें बेहतर कनेक्टिविटी : सांसद

जुलाई 2024 तक डालटनगंज परिचालन क्षेत्र के सभी तीन राजस्व जिले पलामू, गढ़वा एवं लातेहार में 4जी मोबाइल नेटवर्क की सुविधा मुहैया होगी : महाप्रबंधक

भारत नेट प्रोजेक्ट के तहत प्रत्येक पंचायत में हाई स्पीड फाइबर ब्रॉडबैंड की सुविधा पहुंचाई जा रही है

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। स्थानीय परिसदन भवन में पलामू सांसद विष्णु दयाल राम की अध्यक्षता में भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनल) के दूरसंचार सलाहकार समिति की बैठक हुयी। बैठक में रांची व्यापार क्षेत्र के महाप्रबंधक उमेश प्रसाद शाह ने दूरसंचार सेवाओं की जानकारी दी एवं एक वर्ष की उपलब्धियां तथा वर्तमान में संचालित योजनाओं के बारे में बताया। सांसद श्री राम ने जनता को बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करने का सुझाव दिया। साथ ही बीएसएनल टावरों की स्थापना करने का भी निर्देश दिया। समिति के सदस्यों ने भी अपने-अपने सुझाव दिये। महाप्रबंधक ने बताया कि जुलाई 2024 तक डालटनगंज परिचालन क्षेत्र के सभी तीन राजस्व जिले पलामू, गढ़वा एवं लातेहार में 4जी मोबाइल नेटवर्क की सुविधा मुहैया होगी। भारत नेट प्रोजेक्ट के तहत प्रत्येक पंचायत में हाई स्पीड फाइबर ब्रॉडबैंड की सुविधा पहुंचाई जा रही है। बीएसएनल शहरी क्षेत्रों में 300 एमबीपीएस की सुविधा पहले से ही शुरू की गई है। पुराने लैंडलाइन नंबर को फाइबर में कन्वर्ट किया जा रहा है। सदस्यों ने अंतिम व्यक्ति तक संचार सुविधा देने की मांग की। मौके पर दूरसंचार सलाहकार समिति के सदस्य अविनाश कुमार वर्मा, संध्या सिंह, राजन तिवारी, चंदन सोनी, ईश्वरी पांडेय और बीएसएनएल के उप महाप्रबंधक राम कृपाल सिंह, सहायक महाप्रबंधक सुनील कुमार, कमलेश कुमार उपस्थित थे।

बैठक में उपस्थित सांसद

बिजली बिल की विसंगतियों को किया जाये दूरः सांसद

मेदिनीनगर सांसद पलामू विष्णु दयाल राम की अध्यक्षता में जिला विद्युत समिति की बैठक जिला समाहरणालय के सभागार में आयोजित की गयी। बैठक को संबोधित करते हुये सांसद श्री राम ने जिले में बिजली सब स्टेशनों का निर्माण कार्य अविलंब पूर्ण करने, जर्जर तारों को बदलने, बिजली आपूर्ति में सुधार एवं बिजली बिल की विसंगतियों को तत्काल दूर कर विभागीय कार्य को पारदर्शी बनाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी उपभोक्ता पर मुकदमा दर्ज करने से पहले विभाग द्वारा संबंधित को नोटिस देना सुनिश्चित किया जाये। साथ ही ग्रिड में कार्य करने वाले आपरेटर एवं कर्मचारियों को समय पर वेतन भुगतान नहीं करने पर संबंधित संवेदकों के खिलाफ कार्रवाई करने एवं समय पर भुगतान करने का निर्देश दिया गया। इस अवसर पर उपायुक्त पलामू शशि रंजन, महाप्रबंधक बिजली विभाग मनमोहन सिंह, सांसद के निजी सचिव अलख दुबे, जिला परिषद सदस्य प्रमोद सिंह उपस्थित थे।

एक नजर

समाजसेवी ने रणपुरा चौहान चौक के पास की अलाव की व्यवस्था

चिनिया। इन दिनों प्रखंड क्षेत्र में लगातार बढ़ रही ठंड और शरीर को हिला देने वाली कनकनी से लोग काफी परेशान हैं। ज्यादातर लोग ठंड की वजह से अपने घरों में ही दुबके नजर आ रहे हैं, जबकि इलाके में दो दिनों से गहरा कोहरा भी पड़ रहा है, जिसका असर यातायात पर भी सीधा पड़ता हुआ दिखाई दे रहा है। वहीं ठंड को देखते हुए रणपुरा चौहान चौक के पास युवा समाजसेवी वीरेंद्र सिंह ने अपने निजी खर्चे से अलाव की व्यवस्था की है। वीरेंद्र सिंह ने बताया कि उक्त स्थल पर यात्री एवं आम ग्रामीणों का ठहराव ज्यादा रहता है। कड़ाके की ठंड में लोग ठिठुरते हुए साफ तौर पर देखे जा रहे हैं। इसको देखते हुए हमने उक्त स्थल पर अलाव की व्यवस्था की है ताकि लोग कुछ हद तक राहत की सांस ले सके। मौके पर प्रदीप ड्राइवर, फागू राम, रमेश प्रसाद साह, आदित साह, बब्लू यादव, सोनू साह, विश्वनाथ विश्वकर्मा, बलराम सिंह, कृष्णा सिंह आदि मौजूद थे।

63 केवीए के ट्रांसफार्मर का किया गया उद्घघाटन

भवनाथपुर। प्रखंड मुख्यालय अंतर्गत भवनाथपुर बस्ती में लगे 63 केवीए के ट्रांसफार्मर का उद्घघाटन क्षेत्रीय विधायक भानु प्रताप शाही की उपस्थिति में गांव के ही वयोवृद्ध देवेंद्र सिंह ने किया। मौके पर विधायक भानु प्रताप शाही ने कहा कि क्षेत्र में विकास कार्य के लिए हमेशा तत्पर रहता हूं। भवनाथपुर बस्ती ग्रामीण पिछले कई माह से लो वोल्टेज की समस्या से गपरेशान थे। उनकी समस्या को देखते हुए तत्काल पैंसठ केवीए के ट्रांसफार्मर की अनुशंसा किया। इस गांव में अधिकतर किसान रहते हैं और अब नया ट्रांसफार्मर लग जाने से किसानों को सिंचाई करने में दिक्कतों का सामना नही करना पड़ेगा। इस मौके पर अनुमंडल विधायक प्रतिनिधि दयानंद सोनी, विधायक प्रतिनिधि सुनील सिंह, चंदन ठाकुर, नीलू सिंह, रविकांत सिंह, धीरेन्द्र सिंह, माधव राम, घूरन राम, लालबिहारी राम आदि मौजूद थे।

विकसित भारत संकल्प कार्यक्रम का आयोजन

भवनाथपुर। प्रखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत अरसली(दक्षिणी) के दुर्गा मंदिर प्रांगन बनखेता मे केंद्र सरकार द्वारा प्रायोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम का आयोजन पंचायत की मुखिया अनिता देवी की अध्यक्षता में किया गया। इसमें पंचायत समिति सदस्य शकील अहमद, पंचायत सचिव राजगीर कुमार, कनीय अभियंता श्यामकुमार चौधरी, राकेश कुमार, रोजगार सेवक धर्मराज कुमार, लाला राम, सुनील साह, उपेंद्र यादव, दिनेश ठाकुर, दयानंद यादव, लालबिहारी यादव, सुनील यादव, कविता देवी, अनुज यादव, महेंदर यादव, आनंद शर्मा, बशीर अंसारी, रीता देवी, संगीता देवी, उदय सिंह, ताहिर अंसारी आदि उपस्थित थे। मौके पर उपस्थित मेडिकल टीम के द्वारा लोगों की स्वास्थ जांच कर उन्हें दवा उपलब्ध कराया गया तथा घरेलू रसोई गैस कनेक्शन हेतु प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत लोगों के आवेदन लिए गये। साथ ही प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, ग्रामीण शौचालय योजना, कुमुम योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, आयुष्मान भारत हेल्थ कार्ड योजना, कृषि सिंचाई योजना, सोलर रूफटॉप योजना, आवास इत्यादि योजनाओं के बारे मे लोगों को बताया गया।

एसपी ने गुरु सिंधु जलप्रपात पर्यटन स्थल की सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

नवीन मेल संवाददाता। चिनिया

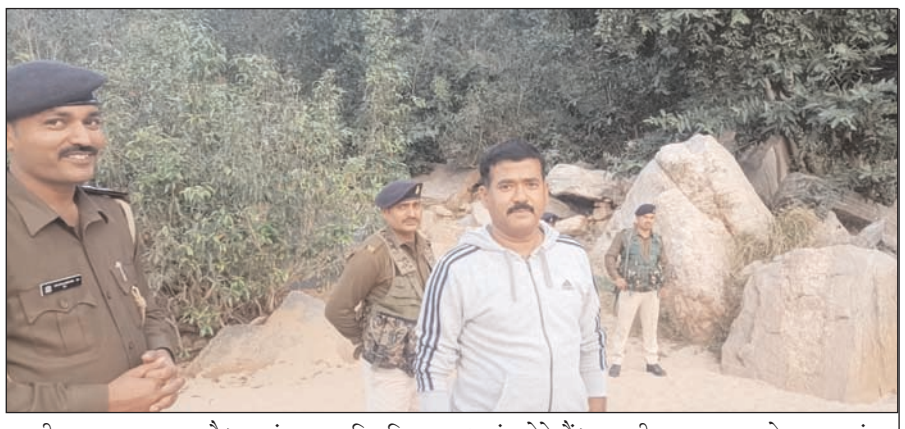

गढ़वा पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार पांडे शुक्रवार को जिले के प्रसिद्ध पर्यटक स्थल गुरु सिंधु जलप्रपात सपरिवार पहुंचे तथा सुरक्षा व्यवस्था की जायजा लिया। मौके पर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि नया वर्ष आने वाला है। इस मौके पर यहां काफी पर्यटक पहुंचते हैं। सुरक्षा की दृष्टि से यह दौरा था। लोग भय मुक्त होकर पर्यटन स्थल गुरु सिंधु जलप्रपात का आनंद लें। यहां सुरक्षा व्यवस्था चुस्त रहेगी। उन्होंने कहा कि नये साल के अवसर पर 1 जनवरी एवं मकर संक्रांति के दिन विशेष सुरक्षा व्यवस्था रहेगी। किसी अनहोनी को देखते हुए गोताखोर भी लगाए जाएंगे। गुरु सिंधु जलप्रपात देखकर उन्होंने कहा कि यह काफी शानदार स्थल है। यहां प्राकृतिक छटाए हैं जो काफी रमणीक हैं। उन्होंने क्षेत्रवासियों को नव वर्ष की शुभकामनाएं दी।

बताते चलें कि गुरु सिंधु जलप्रपात पर दिसंबर एवं जनवरी महीने में सैकड़ो सैलानी पहुंचते हैं तथा पिकनिक का आनंद लेते हैं। वहीं 1 जनवरी को यहां काफी भीड़भाड़ होती है तथा मकर संक्रांति के अवसर पर 14 जनवरी को यहां विशाल मेले का आयोजन होता है जिसमें हजारों हजार लोग पहुंचते हैं। मेले में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, झारखंड, बिहार से लोग पहुंचते हैं। मौके पर चिनिया थाना प्रभारी राजबल्लभ कुमार, डोल पंचायत की मुखिया पुष्पा देवी, मुखिया पति उमाशंकर गुप्ता उर्फ टुनी गुप्ता तथा पुलिस के जवान आदि मौजूद थे।

पर्यटक स्थलों पर रहेगी पुलिस की विशेष निगरानी : थाना प्रभारी

नवीन मेल संवाददाता। डंडई

पिकनिक स्थलों के साथ-साथ मंदिर मस्जिद और गुरुद्वारों पर भी 1 जनवरी को पिकनिक के दिन पुलिस बलों की विशेष उपस्थिति रहेगी। सैलानी भय मुक्त वातावरण में होकर उक्त स्थलों का अपने परिवार जनों के साथ भ्रमण कर सकते हैं। सैलानियों के लिए पर्यटक स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था के सवाल पर पूछे जाने पर थाना प्रभारी शाबाज अंसारी ने उक्त बातें कहीं। उन्होंने कहा कि हम सभी जानते हैं कि वर्ष के प्रथम दिन को लोग एक यादगार के रूप में बनाते हैं। इस बीच कई लोग एकल बनकर उक्त स्थलों का भ्रमण करते हैं तो कितने लोग अपने-अपने परिवार व बाल बच्चों के साथ। ऐसे में उनकी सुरक्षा देना हम पुलिस पदाधिकारी का पहला कर्तव्य बन जाता है। उन्होंने कहा कि थाना क्षेत्र में पनघटवा डैम पर पिकनिक को लेकर विशेष रूप से दूर-दूर के सैलानी पहुंचते हैं। उसके अलावा केहुनियां नाला जो डंडई और बौलिया गांव के सिवाना पर अवस्थित है वहां पर भी सैलानियों के बड़ी संख्या में पहुंचने की जानकारी मिल रही है। थाना प्रभारी ने कहा कि पुलिस बल की संख्या के अनुसार उक्त सभी स्थानों पर हमारी निगरानी रहेगी। साथ ही कहा कि पर्यटक स्थल मंदिर मस्जिद और गुरुद्वारों पर खासकर शराबियों के लिए कोई जगह नहीं होगी। किसी भी स्थल पर शराबी को शराब पीकर अनैतिक कार्य करते पकड़े जाने पर उन्हें सीधे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया जाएगा। थाना प्रभारी ने प्रखंड वासियों से अपील करते हुए कहा कि लोग जिस पर्यटक स्थल पर सैलानी बनकर जाएं वहां पर नशीले पदार्थ का सेवन न करें।

बाकी बनी नाला, बालू माफिया मालामाल

नदी से प्रतिदिन धड़ल्ले से किया जा रहा है सैकड़ों ट्रैक्टर अवैध बालू का उठाव

नवीन मेल संवाददाता। विशुनपुरा

प्रखंड में बाकी नदी से प्रतिदिन सैकड़ों ट्रैक्टर अवैध बालू का उठाव धड़ल्ले से किया जा रहा है। जिले उपायुक्त द्वारा गठित टास्क फोर्स अवैध बालू उत्खन्न रोकने में नाकाम साबित हो रहा है। वहीं बालू माफिया रातोंरात बालू बेचकर मालामाल हो रहे हैं। नियम को ताक पर रख कर बालू माफियाओं द्वारा अवैध बालू उठाव करने से बाकी नदी नाला में तब्दील हो गई है।

बताया जाता है कि प्रत्येक दिन अवैध रूप से बालू का उठाव बाकी नदी के पतिहारी दर, सोनडीहा, विशुनपुरा नदी घाटों से किया जा रहा है। बाकी नदी से अवैध बालू का उठाव कर बंशीधर नगर, रमना, बरडीहा, मेराल थाना क्षेत्र के कई गांवों में बड़े पैमाने पर सप्लाई किया जा रहा है। बालू माफियाओं द्वारा दूसरे थाना क्षेत्रों में बालू की बिक्री कर प्रति ट्रैक्टर पांच हजार रुपये की मोटी कमाई की जा रही है। वहीं स्थानीय लोगों को बालू नहीं मिलने के कारण आवास अधूरा पड़ा हुआ है। इसके बावजूद संबंधित विभाग के अधिकारी द्वारा कोई कार्रवाई नहीं किए जाने के कारण बालू माफियाओं का मनोबल काफी बढ़ गया है। सबसे बड़ी बात यह है कि दिन में नदी में बालू का ढेर कराया जाता है और जैसे ही अंधेरा होता है नदियों में बालू उठाव के लिए ट्रैक्टर लग जाते हैं और सुबह तक अवैध बालू का उठाव कर परिवहन करते रहते हैं। वहीं बालू माफियाओं का मनोबल इतना बढ़ गया है कि नदी में जगह-जगह कुएं बन गए हैं। मालूम हो कि अवैध रूप से बालू उत्खन्न पर रोक लगाने को लेकर उपायुक्त द्वारा एक टास्क फोर्स का गठन किया गया था। इसमें एसडीओ, सीओ एवं थाना प्रभारी को रखा गया है। लेकिन अवैध उत्खन्न पर कोई कार्रवाई नहीं होने के कारण बालू माफिया नदी से बालू उत्खन्नन कर दूसरे प्रखंडों में बेचने में लगे हुए हैं। बताया जाता है कि बालू माफियाओं की ऊंची पहुंच होने के कारण उन पर कार्रवाई नहीं होती है। अंचल अधिकारी वाशुदेव राय ने कहा कि छापेमारी अभियान चलाकर कार्रवाई की जाएगी।

केतार में भाजयुमो की हुई बैठक, रविंद्र बने अध्यक्ष

नवीन मेल संवाददाता। केतार

लोहिया समता उच्च विद्यालय के प्रांगण में शनिवार को भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता उपाध्यक्ष गौतम पाल ने की।

बैठक में पार्टी को सशक्त बनाने के लिए अधिक से अधिक युवाओं को जोड़ने को कहा गया। वहीं केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक तक पहुंचाने पर बल दिया गया, जबकि आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारी में अभी से ही लगने और बूथ स्तर पर पार्टी को मजबूत करने का निर्देश कार्यकर्ताओं को दिया गया। उक्त बैठक में सर्वसम्मति से रविंद्र सोनी को भाजयुमो का अध्यक्ष चुना गया। नवनिर्वाचित भाजयुमो अध्यक्ष रविंद्र सोनी ने कहा कि पार्टी द्वारा जो जिम्मेवारी सौंपी गई है उसे बखूबी निभाऊंगा। इसके पश्चात भाजयुमो महामंत्री अमित चंद्रवंशी, उपाध्यक्ष गौरव सिंह, सोनू सिंह, हीरालाल ठाकुर, इंदल पटेल, अभिषेक विश्वकर्मा, सचिन विश्वकर्मा को मंडल कार्यसमिति सदस्य नियुक्त किया गया। मौके पर मंडल प्रभारी जितेंद्र दीक्षित, राजीव पासवान, सीताराम जायसवाल, विजय गुप्ता, रामाशीष यादव, मनोज फौजी, उमेश सिंह, गुडन पासवान, संजय ठाकुर आदि मौजूद थे।

लोस चुनाव को लेकर कर्मियों को दी गई ट्रेनिंग

श्री बंशीधर नगर। निर्वाचन आयोग एवं जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त गढ़वा के निर्देशानुसार आगामी लोकसभा चुनाव 2024 के निमित्त सभी आम जनों के बीच ईवीएम एवं वी वी पैट को लेकर जागरूकता एवं जानकारी उपलब्ध कराने के लिये प्रखंडों से नामित 10-10 कर्मियों को शनिवार को अनुमंडल कार्यालय के सभागार मे ईवीएम और वीवीपैट अवेर्नेस का एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले सभी कर्मियों ने संबंधित प्रखंडों में चिन्हित स्थलों पर ईवीएम और वीवीपैट को लेकर जागरूकता कार्यक्रम किया जायेगा, जिसमें सभी आम जनों को ईवीएम और वीवीपैट के बारे में विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई जायेगी। विधानसभा स्तरीय मास्टर ट्रेनर सहायक शिक्षक धर्मेंद्र कुमार, जनसेवक प्रशांत कुमार एवं सहायक शिक्षक अविनाश कुमार सहाय ने सभी को प्रशिक्षण दिया। मौके पर भवनाथपुर क्षेत्र के केतार, खरौंधी, भवनाथपुर, कांडी अंश भाग, नगर ऊंटरी, बिशनपुरा, रमना, धुरकी, सगमा एवं डंडई प्रखंड के दस-दस नामित कर्मी उपस्थित थे।

भाजपा व एआईएमआईएम नेता झामुमो में हुए शामिल

नवीन मेल संवाददाता। गढ़वा

भाजपा एवं एआईएमआईएम के नेताओं सहित एक दर्जन से अधिक लोग झारखंड मुक्ति मोर्चा में शामिल हो गए हैं। शनिवार को गढ़वा विधायक सह झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर के रांची स्थित आवास पर रंका प्रखंड के खपरो पंचायत के भाजपा नेता सह पूर्व मुखिया जुम्मन अंसारी, एआईएमआईएम के नेता खपरो पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि नाजिर अंसारी, उप मुखिया मुनताजिर अंसारी, मुस्ताक अंसारी, शफी आलम आदि ने झामुमो प्रखंड टीम रंका के नेतृत्व में झामुमो की सदस्यता ग्रहण की। मंत्री ने सभी को माला व पार्टी का पट्टा पहना कर पार्टी में शामिल किया।

पार्टी में शामिल होने वाले लोगों ने कहा कि सभी लोग मंत्री ठाकुर के विकास कार्यों से प्रभावित होकर झामुमो में शामिल हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि मंत्री के कुशल नेतृत्व में गढ़वा का जिस गति से विकास हो रहा है यह काफी सराहनीय एवं अभूतपूर्व है। इससे पूर्व गढ़वा में किसी भी जनप्रतिनिधि ने इस तरह से विकास कार्य नहीं किया था। आज संपूर्ण गढ़वा में हर क्षेत्र में विकास हो रहा है। गढ़वा की जनता को अब महसूस हो रहा है कि यहां विकास कार्य करने वाले जनप्रतिनिधि हैं। गढ़वा में पहले जहां चारों तरफ विकास के नाम पर विरानी छाई हुई थी। अब वहीं गढ़वा में जहां भी खड़े हो जाएं हर तरफ विकास की नई रोशनी दिखाई पड़ती है। मंत्री ने कहा कि जनता की बदलाव की सोच की बदौलत ही गढ़वा में बदलाव नजर आ रहा है। जनता ने जब दिल से चाहा तो विकास के लिए परिवर्तन कर दिया। अब जनता की उम्मीद पूरी हो रही है। यदि जनता का आशीर्वाद मिलता रहा तो आगे और भी विकास कार्य होता रहेगा।

कार्डधारियों के बीच दिसंबर माह का खाद्यान्न बांटा

बड़गड़। बड़गड़ के सालो गांव निवासी राज्य के खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के निदेशक दिलीप तिर्की एवं उनकी पत्नी एम्माकुलता लकड़ा ने अपने गृह प्रखंड के पीवीटीजी परिवारों के बीच अपनी शादी की पच्चीसवीं वर्षगांठ मनाई। इस मौके पर उन्होंने प्रखंड के अति सुदूरवर्ती पूर्व में नक्सल प्रभावित रहे बुढ़ा पहाड़ क्षेत्र के बहेराटोली कोरवाडीह गांव पहुंच कर कर वहां के रहनेवाले आदिम जनजाति परिवारों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं से अवगत हुए। इस दौरान तिर्की ने अपने अन्य सहयोगियों के साथ राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत संचालित योजना के लाभूकों एवं ग्रीन राशन कार्ड धारियों के बीच दिसंबर माह का खाद्यान्न अपनी उपस्थिति में वितरण कराया। साथ ही उन्होंने अपनें निजी खर्च से उक्त गांव के सभी परिवारों को कंबल, फल, बिस्किट एवं अन्य खाद्य सामग्री का वितरण किया। इस मौके पर उन्होंने लोगों को संदेश दिया कि वे अभावग्रस्त लोगों की मदद कर उनके सहयोगी बनें। मौके पर सिप्रियन केरकेट्टा, प्रभारी एजीएम मोजेस किस्पोट्टा, बिस सूत्री सदस्य संदीप गुप्ता, अनमोल तिर्की, संदीप मींज, विनय मींज, प्रदीप कुमार, मुबारक अंसारी आदि उपस्थित थे।

हेमंत सोरेन सरकार के चार वर्ष पूरा होने पर भाजपा का आरोप पत्र जारी

नवीन मेल संवाददाता। गढ़वा

भवनाथपुर के विधायक भानु प्रताप शाही ने कहा कि हेमंत सोरेन सरकार की चार वर्ष की उपलब्धि दुष्कर्म, हत्या, अपहरण राज्य की खनिज संपदा का लूट और सभी विभागों में व्याप्त भ्रष्टाचार है। मुख्यमंत्री से लेकर सरकार के सभी मंत्री तक भ्रष्टाचार के आकंठ में डुबे हुए हैं।

उक्त बातें भाजपा विधायक भानु प्रताप शाही ने शनिवार को पार्टी के जिला कार्यालय में पत्रकार वार्ता में कही। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के चार वर्ष पूरा होने पर भाजपा की ओर से प्रत्येक जिलों में आरोप पत्र जारी किया गया है। राज्य सरकार के मुख्यमंत्री व मंत्री के जिस तरह से होडिंग लगाए गए हैं उसमें राज्य में घटी घटनाओं को अंकित करना चाहिए था। साथ ही मंत्रियों के चेहरे पर कार्यप्रणाली के अनुसार कालीख पोता होना चाहिए था। क्योंकि राज्य में चारों तरफ भ्रष्टाचार व्याप्त है, विधि-व्यवस्था पूरी तरह से चौपट हो चुकी है, महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। जनता त्राहि-त्राहि कर रही है। उन्होंने कहा कि पिछले चार वर्षों में सरकारी आंकड़ों के अनुसार दुषकर्म 16142, हत्या की 6474 व अपहरण की 6128 घटनाएं घट चुकी है। हेमंत सोरेन सरकार ने झारखंड को खंड-खंड कर दिया है। हेमंत सोरेन के कार्यकाल में अपराधी, माफिया व उग्रवादियों का मनोबल बढ़ा है। इन सभी को हिम्मत हेमंत सोरेन व इनके मंत्रियों से मिला है। जबकि भाजपा सरकार में आम-आवाम सुकुन का जीवन जी रहे थे। सरकार ने समाज में अंशाति फैलाने वालों को जेल में बंद करने का काम किया था। युवाओं को नौकरी देने व अनुबंधकर्मियों की सेवा स्थायीकरण की घोषणा भी मुख्यमंत्री भूल गए। कोयला, बालू, पत्थर का अवैध धंधा में हेमंत सोरेन सरकार संलिप्त रही। इतना ही नहीं गरीबों को मिलने वाली राशन का भी घोटाला किया गया है। मंत्री संबंधित विभाग के कार्य छोड़कर सभी कार्य कर रहे हैं। पत्रकार वार्ता में पूर्व विधायक सत्येंद्रनाथ तिवारी, जिलाध्यक्ष ओम प्रकाश केशरी, संतोष दुबे, लक्ष्मण राम, भगत दयानंद यादव, विवेकानंद तिवारी, पुष्परंजन, उमेश कश्यप मौजूद थे।

रमना मंडल भाजपा ने मनाया वनभोज

रमना। रमना मंडल भाजपा के द्वारा सुखड़ा नदी तट पर शनिवार को वनभोज का कार्यक्रम बलजीत कुमार सोनी के अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक भानुप्रताप शाही ने कहा कि रमना के कार्यकर्ताओं का कोई जोड़ नहीं है। कार्यकर्ताओं के दम पर ही भवनाथपुर में कमल खिला है। 2024 में दो-दो चुनाव की तैयारी अभी से शुरू होनी चाहिए। मौके पर सांसद प्रतिनिधि प्रभात कुमार, अजय कुमार सिंह, लक्ष्मण राम, भगद दयानंद यादव, मनोज पहाडीया, मृतुंजय तिवारी, कृपाल सिंह, महमुद, पंकज कुमार सिंह, चुन्नु सिंह, रंजीत कुमार सोनी, शंकर चंद्रवंशी, रामकेवल पासवान, पारस पांडेय, मुख्तार अंसारी, जोखू सिंह, त्रिपुरारी सोनी, छोटू कुमार सिंह, निवास कुमार सिंह, आलोक सिंह आदि उपस्थित थे।

फैसला केतार प्रखंड अध्यक्ष की अध्यक्षता में हुई पीडीएस डीलरों की बैठक में लिया गया निर्णय

1 जनवरी से बेमियादी हड़ताल पर रहेंगे पीडीएस डीलर

नवीन मेल संवाददाता। केतार

प्रखंड के पीडीएस डीलरों की बैठक शनिवार को केतार में प्रखंड अध्यक्ष प्रभु नारायण गुप्ता की अध्यक्षता में हुई। बैठक में राशन डीलरों ने केंद्र व राज्य सरकार के दमनकारी नीतियों के विरुद्ध और पूर्व के बकाया कमीशन भुगतान कराने सहित विभिन्न मांगों को लेकर फेयर प्राइस डीलर्स एसोसिएशन झारखंड के आव्हान पर 1 जनवरी 2024 से देशव्यापी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने का निर्णय लिया है। इसको लेकर डीलर संघ ने प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी के नाम आठ सुत्री मांग पत्र भी सौंपा है। इसमें मुख्य रूप से कमीशन 300 रुपये प्रति क्विंटल या 30 हजार रुपये महीना मानदेय निर्धारित करने, अनुकम्पा के नियमों को पूर्व की भांति लागू करने, ईपॉस मशीन में 2जी की जगह 5जी की सुविधा प्रदान करने, डीलरों को पांच प्रतिशत शॉटेज देने, डीलरों को सही वजन से खाद्यान्न आपूर्ति करने, डीएसडी कराये गये दस माह का भाड़े का मजदूरी भुगतान कराने की मांग शामिल हैं। प्रखंड अध्यक्ष प्रभु नारायण गुप्ता ने बताया कि जब तक मांगें पूरी नहीं होगी तब तक हड़ताल जारी रहेगी। मौके पर डीलर डीलर संघ के सचिव सुरेश राम, कोषाध्यक्ष प्रमोद कुमार, गोपाल बैठा, श्याम सुंदर बैठा, चंद्रदेव बैठा, सुदर्शन चौधरी, सोमनाथ विश्वकर्मा, बिंदु साह मेराजुद्दीन अंसारी, सुरेश राम, चंदन पासवान, आला देवी, महेंद्र पासवान, बेलास बैठा, रवि राम, रामप्रसाद राम, राम पवन राम, सुनील, शनीचरी देवी मौजूद थे।

पीडीएस डीलर 1 जनवरी से करेंगे हड़ताल, बीडीओ की दी जानकारी

श्री बंशीधर नगर। फेयर प्राइस डीलर्स एसोसिएशन झारखंड के आहवाहन पर जनवितरण प्रणाली के दुकानदारों ने शनिवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी को आवेदन देकर आगामी 1 जनवरी से राशन दुकान बंद रखने की जानकारी दी। बीडीओ को दिये गये आवेदन में कहा गया है कि केंद्र सरकार की दमनकारी नीतियों के विरोध में और अपनी मांगों के समर्थन में गढ़वा जिले के राशन विक्रेताओं द्वारा राशन की दुकान अनिश्चितकाल के लिये बंद रखने की सूचना दी जा रही है। आवेदन में कहा गया है कि इसकी जानकारी मुख्यमंत्री के मुख्य सचिव को भी समर्पित कर दिया गया है। आवेदन में यह भी कहा गया है कि जैसे ही हड़ताल की वापसी की घोषणा होगी सभी दुकान पूर्णता खुलेगी और राशन वितरण किया जायेगा। मौके पर जन वितरण प्रणाली के दुकानदार दीनदयाल शुक्ल, रविंद्र प्रताप देव, अशोक कुमार, अजीत कुमार पांडेय, हरिहर राम, सत्येंद्र कुमार सिंह, मुन्नू कुमार, अमरनाथ गुप्ता, सलीम अंसारी, शमीम अंसारी, राजकुमार, रेणु देवी, वृंदा देवी, कृपा कुजूर, उर्मिला देवी, जितनी देवी, रीमा देवी आदि मौजूद थे।

शैक्षणिक भ्रमण कर लौटे विद्यालय के छात्र-छात्राएं

नवीन मेल संवाददाता। डंडई

प्रखंड मुख्यालय के डंडाई गांव स्थित यदुवंशी पेट्रोल पंप के पास संचालित आरजीएसएम पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राएं शुक्रवार को शैक्षणिक भ्रमण कर अपने गांव लौट आए। छात्र-छात्राओं को गया के बौद्ध मंदिर, देवघर के बाबा बैधनाथ मंदिर, नौलखा मंदिर, नंदन पहाड़, राजगीर के जल कुंड, शांति स्तूप, जरासंध का अखाड़ा, जंगल सफारी के अलावा पटना के गोलघर, चिड़ियाघर व रोहतास जिला के ताराचंडी मंदिर का भ्रमण कराया गया। इस दौरान शिक्षक चंदन चौधरी, नागेंद्र भारती, राजू कुमार, शिक्षकाएं कुमारी नीलम व कविता मौजूद रहे। विद्यालय के निदेशक सुमंत लाल ने कहा कि शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों के संपूर्ण व्यक्तित्व के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कड़ी है।

एक नजर

राष्ट्रीय जनता दल का सम्मान समारोह 6 को

बालूमाथ। राष्ट्रीय जनता दल लोटस होटल में आगामी 6 जनवरी को सम्मान समारोह का आयोजन करेगा। प्रखंड अध्यक्ष प्रितलाल यादव ने बताया कि इस सम्मान समारोह में जिला एवं प्रदेश के कई वरिष्ठ नेता उपस्थित होंगे, जिनके द्वारा पार्टी के नवनियुक्त प्रखंड कमेटी एवं अधिकारियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।

डीएवी स्कूल में नए प्राचार्य ने लिया प्रभार

लातेहार। जिला मुख्यालय के जलता स्थित भोला शरण डी ए वी पब्लिक स्कूल में शनिवार को विद्यालय के नए प्राचार्य के रूप में घनश्याम सहाय ने प्रभार ग्रहण किया। प्रभारी प्राचार्य प्रभात रंजन ने नए प्राचार्य का स्वागत किया। मौके पर विद्यालय के शिक्षक अरुण कुमार पांडेय, रवि प्रकाश तिवारी, अजीत कुमार, बसंत कुमार, कुंदन कुमार मौजूद थे।

आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों के बीच स्वेटर का किया गया वितरण

बारियातु। प्रखंड की टोंटी पंचायत के इटके ग्राम स्थित कटहलटोला आंगनबाड़ी केंद्र संख्या 3 में शनिवार को मुखिया शांति देवी, पंसस मो. होजैफा, आजसु प्रखंड अध्यक्ष बिनोद राम व सेविका बबिता देवी ने संयुक्त रूप से 40 बच्चों के बीच स्वेटर का वितरण किया। मौके पर सहायका जिसंता कच्छप, दिनेश उरांव, प्रमोद राम, सत्येंद्र उरांव, सुदेश राम, तारा देवी, सोनी देवी, अनिता देवी, किरण देवी, संजु देवी मौजूद थे।

निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन

गिद्धौर। प्रखंड अंतर्गत सिंदुआरी मंडप समीप पंचायत की मुखिया सरिता देवी के पहल से शनिवार को नेत्र व स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में लगभग पांच सौ मरीजों का नेत्र जांच सहित अन्य जांच कर निःशुल्क दवा दिया गया। जांच डॉक्टर अभिषेक कुमार सिंह के द्वारा किया गया। मौके पर समाजसेवी बसंत कुमार सिंह, ब्रजेश सिन्हा, चमारी दांगी, अजय कुमार सिंह सहित काफी संख्या में महिला व पुरुष उपस्थित थे।

भाजपा नेता सुमन चतरा के 1476 गावों का पुनः करेंगे दौरा

चतरा। भाजपा नेता सुधांशु सुमन 10 जनवरी से चतरा जिले के 1476 गांव का दौरा पुनः दौरा प्रारम्भ करेंगे। ज्ञात हो कि 2010 से सुधांशु सुमन चतरा लोकसभा के 2278 गांव का दौरा तिरंगा यात्रा के माध्यम से किया था। उपरोक्त जानकारी प्रेस वार्ता में उन्होंने देते हुए कहा कि की चतरा के 1476 गांव को दौरा प्रखंड कान्हाचट्टी के सिक्कीद, गाड़िया आमकुदर से करेंगे और आमलोग को तिरंगा भेंट कर भारत के यशस्वी प्रधान मंत्री के 9 वर्ष में किया गए कार्यो को जन जन तक पहुंचाएंगे, श्री सुमन ने आगे बताया कि इस यात्रा का मतलब गांव को मूलभूत जरूरत के साथ उच्च शिक्षा, चतरा में मेडिकल और इंजीनियरिंग कॉलेज की स्थापना करवाना प्राथमिकता होगी। साथ ही कहा कि कृषि हमारी विशेष प्राथमिकता होगी कि नदी के पानी का सदुपयोग तालाब, डेम, झील बनाकर रवि, खरीफ फसल और गरमा फसल को 12 मास की खेती हो। विशेष रुप से चतरा जिले में टमाटर की अधिक मात्रा में खेती होने से उस पर आधारित उद्योग को प्रत्येक प्रखंड में स्थापना करवाना भी प्राथमिकता में रहेगी। श्री सुमन ने कहा इससे नवजवानों का पलायन रुकेगा।

कुदरत ने बड़ी फुर्सत से प्रकृति की गोद में बसाया है पहाड़ों की रानी लातेहार जिले को, मिलता है रोमांचक अनुभव

रोंगटे खड़े कर देता है सूबे का सबसे ऊंचा लोध वॉटरफॉल

अजय सिन्हा। लातेहार

जिले के महुआडांड़ प्रखंड स्थित झारखंड का सबसे ऊंचा लोध वॉटरफॉल सैलानियों को अपनी ओर खींच लाता है। लोध जलप्रपात में हर साल लाखों टूरिस्ट आते हैं। पहाड़ों को चिरती, धरती को चूमती है, मानो दूध की धारा बहती है लॉध फॉल से। झारखंड के सबसे उंचे झरनों में शुमार है लॉध फॉल। कुदरत ने बड़ी फुर्सत से लातेहार जिला को प्रकृति की गोद में बसाया। इसे देख ऐसा महसूस होता है मानो वह कह रही है- मैं हूं लॉध वाटर फॉल, पहाड़ों को चिरती हूं, धरती को चुमती हूं, दूध सी दिखती हूं। पूरे पहाड़ों को सफेद चादर से ढकती हूं, कहीं मैं शांत हूं तो कहीं मेरी आवाज जंगलों में गूंजती है। मेरी आवाज से आपके भी रोंगटे खड़े हो जायेंगे।

नेतरहाट से कितनी दूरी पर है लोध वाटरफॉल

लोध वाटरफॉल इस हिल स्टेशन की खूबसूरती में चार चांद लगा देता है। लगभग 468 फीट ऊंचा ये झरना झारखंड का सबसे ऊंचा झरना है। जब आप यहाँ आएंगे तो इस जगह की खूबसूरत देखकर पागल हो जाएंगे। ये जगह आपको बेहद सुकून देगी। ऊंचाई से गिरते पानी का नजारा आपका मन मोह लेगा। ये जगह झारखंड की सबसे खूबसरत जगहों में से एक मानी जाती है। आदिवासियों की परंपरा को भी आप इस जगह पर देख पाएंगे। अगर आप लोध वाटर फॉल जाएंगे तो इसकी खूबसूरती का अंदाजा लगा पाएंगे। यदि आप झारखंड में घूमना चाहते हैं तो झारखंड के लातेहार जिला पर्यटकों के लिए स्वर्ग से कम नहीं है। आपको पानी से प्यार है तो लोध फॉल आपके लिए बेस्ट ऑप्शन हो सकता है। यहां आने पर आपको पहाड़ों को चिरती हूई धरती को चूमती हूई लोध जलप्रपात का दर्शन होगा। उससे पहले ही घने जंगल से चिड़ियों के चहचहाने की मधुर आवाज सुकून और शांति का अहसास करायेगी तो वहीं दूसरी ओर लोध फॉल की बहती हूई जलधारा आपको रोमांचित करेगी। लोध जलप्रपात की समुद्र तल से उंचाई 137 मीटर है। यह हमारे झारखंड और छत्तीसगढ़ सीमा पर लातेहार जिला के महुआडांड प्रखंड में अवस्थित है। यह जलप्रपात झारखंड में ही नहीं संपूर्ण देश में इसकी उंचाई के मामले में 21वां स्थान है। इसकी उंचाई 137 मीटर। छत्तीसगढ़ के पठार क्षेत्र से बूढ़ा नदी प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण सघन वनों, चट्टानो को पार करते हुए जब झारखंड में घूसती

है तो पहाड़ों को चिरते हुए 468 फीट उपर से दूध की धार की तरह गिरती है और धरती को चुमती है। यह झारखंड का सबसे उंचा जल प्रपात है। बूढ़ा नदी इसके बाद आगे बढ़कर कोयल में मिल जाती है।

कैसे पहुंचें लोध फॉल और कितनी है दूरी

आप अगर रांची से आते हैं तो लगभग 205 किमी गुमला से 115 किमी लोहरदगा से लगभग 125 किमी मेदिनीनगर से लगभग 115 किमी, लातेहार से 95 किमी, छत्तीसगढ़ कुसमी से लगभग 50 किमी की दुरी तय करनी पड़ेगी। यहां तक पहुंचाने के लिए आप मैप का भी सहारा ले सकते हैं। और सभी स्थानों से आने के लिए दो पहिए चार पहिया छोटी वाहन या बस का ही उपयोग कर सकते हैं। कुछ वर्षों पूर्व ही महुआडांड़ से लेकर लोध फॉल तक कालीकरण पथ का निर्माण करा दिया गया है।

लोध फॉल में बनाया गया है लकड़ी का पुल, बैठने के लिए शेड व शौचालय : लोध फॉल पहुंचे कर आप देखेंगे कि अब सरकार के द्वारा पर्यटकों के लिए सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई है। जब आप फॉल तक जाते हैं तो पुरा रास्ते में रेलिंग और सीढ़ी बनाई गई है ताकि आने जाने वालों को परेशानी ना हो। अगर आप फॉल तक पहुंचने में धक जाते हैं तो आराम करने के लिए सेड का भी निर्माण कराया गया है।और जब आप अंत में फॉल तक पहुंच जाते हैं तो देखेंगे कि बहुत ही खूबसूरत लकड़ी का पुल बनाया गया है। जहां पर खड़ा होकर खुबसूरत दृश्य का आनंद ले सकते हैं। पहले यहां तक पहुंचाने के लिए यह सुविधा उपलब्ध नहीं थी पुराना सीधी बना हुआ था और कहीं-कहीं रास्ता भी कटा हुआ था। इसलिए जलप्रपात तक जाने में आपको किसी प्रकार की अश्वविदा महसूस नहीं होगी।

लोध जलप्रपात में लगता है प्रवेश शुल्क : हिमालय की घाटियों का सा अनुभव कराने वाला यह स्थल चारों तरफ से जंगल की सुंदरता से घिरा हुआ यहां का दृश्य बेहद रमणीय दृश्य है। पहले इस पर्यटन स्थल पर प्रवेश शुल्क नहीं लगता था। लेकिन अब प्रवेश शुल्क लगने लगा है। यहाँ प्रति व्यकित 10रु प्रवेश शुल्क लिया जाने लगा है। इसके अलावा यहाँ पर्किंग शुल्क चार पहिया वाहन का 50रु, दो पहिया वाहन का 20रु और बस का 100रु लिया जाता है।इसके लिए लगभग 1 किमी पहले ही पर्यटन विभाग द्वारा नाका व साथ मे टिकट कान्टर लगाया गया है। जहां पर आपको टिकट कटा के अंदर जाना पड़ता है। यहां कार्य करने वाले सभी स्थानीय लोग है। जिन्हें ईको विकास समिति लोध के नाम से जाना जाता है।साथ ही पर्यटन विभाग के द्वारा द्वारा है गोताखोर की भी नियुक्ति की गई है ताकि पर्यटकों को डुबने से बचाया जा सकें।

समय सीमा व स्वच्छता को लेकर पाबंदियां : यहां आप सुबह 8:00 बजे से प्रवेश कर सकते हैं और शाम होने से पहले पहले तक 4:00 बजे के करीब जलप्रपात के अंदर से लौटना पड़ता है घने जंगलों के बीच रहने के कारण समिति के द्वारा पर्यटकों को यह समय दिया गया है। साथी स्वच्छता का ख्याल रखते हुए किसी तरह के खाने पीने की चीज को अंदर ले जाने की इजाजत नहीं दी जाती है। जो सबसे अच्छी बात है वह यह है कि अगर आप पानी का बोतल ले जा रहे हैं तो उसमें समिति के लोगों के द्वारा स्टीकर लगा दिया जाता है और कुछ पैसे जमा ले लिए जाते हैं। अगर लौटते वक्त आप बोतल वापस लाकर दिखाते हैं तो समिति जमा पैसे को वापस पर्यटक को लौटा देते हैं। समिति के लोगों ने बताया कि ऐसा इसलिए किया गया है ताकि लोग पानी ले जा सकते हैं। स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए इस तरह का उपाय अपनाया गया है।

लोध फॉल की अनंत है गहराई

लोध जलप्रपात की गहराई ऐसी है मानो छुपा खजाना है इसके अंदर, जिसे ना कोई भेद पाया इसकी गहराई के तल को और ना ही कोई समझ पाया इसकी गहराई को। इसके कुंड की गहराई अनंत है। इसकी गहराई कितनी है किसी को पता नहीं है। यहां रहने वाले स्थानीय लोग कहते हैं कि इस जलप्रपात के कुंड की गहराई को कई बार कई लोगों ने नापने की कोशिश की पर अभी तक किसी को पता नहीं चल पाया है। कुछ लोगों ने यहां तक बताया कि बहुत पहले अंग्रेजों ने भी इसकी कोशिश की थी पर वह भी नाकाम साबित हुआ। गहराई नापने के लिए लोगों ने बडे बड़े बोल्डर को रस्सी में बांधकर इसके कुंड में डाला फिर भी गहराई नहीं पता चल सका।

बारियातु प्रखंड के गोली टांड में लगा सोलर जलमीनार छह माह से खराब

नवीन मेल संवाददाता। बारियातु

प्रखंड की अमरवाडीह पंचायत अंतर्गत सीसीएल प्रभावित क्षेत्र गोलीटांड ग्राम में लघू ग्रामीण जलापूर्ति योजना के तहत छह माह पूर्व लाखों रुपये की लागत से सोलर जलमीनार लगाया गया था, जो लगने के तुरंत बाद ही खराब पढ़ा हुआ है। इसके कारण आज भी लोग खुले कुएं का पानी पीने को मजबूर हैं। ग्रामीण भुनेश्वर गंझू, अमरीत गंझू, रमया देवी, तिलकी मसोमात, मोहरी गंझू, अनीता देवी, सितमनी देवी, बिनोद गंझू, बैजनाथ गंझू, भुनेश्वर गंझू आदि ग्रामीणों ने बताया कि गोलीटांड के ऊपर टोला में गंझू समाज के 40 से 50 घरों के लगभग 250 लोग बीते छह माह दूषित पानी पीने को मजबूर हूं। स्थानीय मुखिया को भी कई बार

इससे अवगत कराया, लेकिन कोई लाभ नहीं हुआ। हमलोगों को सीसीएल प्रभावित क्षेत्र में रहने के बावजूद सीसीएल से कोई लाभ नहीं मिल रहा है। बीडीओ व डीसी से अविलंब जलमीनार को दुरुस्त करवा कर पेयजल सुविधा बहाल कराने की मांग की है।

विकसित भारत कार्यक्रम में की गई गोद भराई

गिद्धौर। प्रखंड क्षेत्र के बारिसाखी पंचायत भवन में शनिवार को विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसकी शुरआत भाजपा मंडल अध्यक्ष कपिल कुमार, सांसद प्रतिनिधि मनोज कुमार कुशवाहा, उपप्रमुख प्रितम यादव, मुखिया सुमीरा कुमारी ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीणों को विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम के तहत डिजिटल इंडिया भूमि अभिलेख आधुनिकरण व केंद्र सरकार के कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही आंगनवाड़ी केंद्र में गोद भराई व मुंह जूठी रस्म किया गया। मौके पर पंचायत सचिव दिगंबर पांडेय, रोजगार सेवक पार्वती कुमारी, निर्मल दांगी, समाजसेवी, दिनेश भारती आदि ग्रामीण उपस्थित थे।

न्यूनतम तापमान 10 डिग्री, कोहरे से सब्जी की फसल को नुकसान होने की संभावना

संतोष कुमार निराला। गिद्धौर

गिद्धौर प्रखंड में शनिवार को मौसम में जबरजस्त परिवर्तन हुआ है। मौसम के करवट लेने के साथ सर्दी का असर भी बढ़ गया है। शुक्रवार देर रात से छाया घना कोहरा शनिवार सुबह 11 बजे तार छाया रहा। कोहरे के कारण दृष्यता इतनी कम हो गई कि पास का भी नहीं दिखाई दे रहा था। कोहरे के कारण कोल वाहन, यात्री वाहन व छोटी बड़ी वाहन लाइट जलाकर आवागमन कर रहे थे। वहीं दोपहर में धुंध छा गई। शाम को तो धुंध के सामने धूप भी गायब रही।

सुबह-शाम को ठंड होने लगी है। लोगों को ठंड से बचाव को गर्म कपड़ों का सहारा लेना पड़ रहा है। रात के समय भी ठंड बढ़ने लगी है। शनिवार को गिद्धौर का अधिकतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस रहा। कोहरे से सब्जी की फसल को नुकसान होने की संभावना जताई जा रही है।

पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी ने किया गांव का दौरा

बालूमाथ। लोकसभा चुनाव का समय नजदीक आने से क्षेत्र में कई बड़े नेता गांव में देखे जा रहे हैं। इसी क्रम में कांग्रेस नेता सह पूर्व ग्रामीण विकास विभाग मंत्री के एन त्रिपाठी विकास परामर्श यात्रा के दौरान प्रखंड के सुदूर ग्राम का दौरा किया। त्रिपाठी प्रखंड के बालू, मासीयातु, होलंग, रजवार आदि ग्राम का दौरा कर ग्रामीणों से रुबरु हुए। त्रिपाठी ने कहा कि गांव हो या शहर मौजूदा चतरा लोस सांसद न दिखाई देते हैं। ना ही क्षेत्र में उनकी कोई विकास योजना। सरकार अपने 10 साल के कार्यकाल में सिर्फ जनता को झूठे वादे करते आई है। लोकसभा चुनाव में जानता इसका जवाब देगी। कहा कि अगर चतरा लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला तो गांव गांव तक विकास करके दिखाएंगे। मौके पर कांग्रेस मंडल अध्यक्ष अमीर हयात, लातेहार भावी प्रत्याशी सजन कुमार, प्रिंस अजय उरांव आदि मौजूद थे।

किराना और मिठाई की दुकान से चोरी करने वाला भेजा गया जेल

नवीन मेल संवाददाता। पत्थलगडा(चतरा)

पत्थलगडा थाना क्षेत्र के सुभाष चौक में संचालित विकास अग्रवाल के किराना दुकान व चंदन दांगी के मिठाई दुकान से चोरी के मामले में गिरफ्तार आरोपी कुणाल दांगी को पुलिस ने शनिवार को न्यायायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। इस बाबत थाना प्रभारी सचिन कुमार दास ने बताया कि गुरुवार की रात बरवाडीह निवासी (सुभाष चौक) जागी महतो के पुत्र कुणाल दांगी ने सुभाष चौक स्थित विकास अग्रवाल के किराना दुकान में चोरी किया था। पीड़ित दुकानदार द्वारा शुक्रवार की सुबह चोरी की घटना की सूचना पुलिस को दी गई। इसके बाद घटना स्थल पर पहुचकर जांच पड़ताल शुरू की गई और सीसीटीवी फुटेज से इस घटना को अंजाम देने वाले कुणाल को पकड़ा गया। जिसके बाद कुणाल को कब्जे में ले कर

उसके घर की तलासी में दुकान से चुराए गए एक बोरा चीनी, चावल, काजू, किसमिस, सरसो तेल, रिफायन तेल, हल्दी, मसूर दाल एक बोरा, प्लास्टिक बाल्टी, बॉक्स, समेत कई राशन समेत घरेलू उपयोग के सामान बरामद किया गया। साथ ही पूछ ताछ के दौरान कुणाल ने अपना गुनाह कबूल किया। दुकानदार विकास के लिखित आवेदन पर कांड दर्ज कराते हुवे उसे न्यायालय में प्रस्तुत कर जेल भेज दिया गया। छापामारी टीम में एसआई अरविंद रविदास, एएसआई रविंद सिंह, चौकीदार संतोष यादव व अन्य शामिल थे।

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, पलामू।

(सर्वसाधारण के लिए सूचना)

शहर थाना कांड सं0–144 / 2022 के प्रा0 अभियुक्त छोटा डब्लू उर्फ अभिषेक सिंह पिता रनवीर सिंह सा0 जेलहाता, बस स्टैंड के पास डालटनगंज थाना शहर जिला पलामू के संबंध में सूचना / जानकारी प्राप्त होने पर पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में सूचित करें अथवा निम्नांकित फोन नम्बर पर संपर्क कर इसकी सूचना दें।

अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर– 9431706240
थाना प्रभारी, शहर– 9431333046

पुलिस अधीक्षक,
पलामू।

PR 314804 (Police) 23-24 (D)

समाहरणालय,लातेहार
(जिला खेल)

आम–सूचना

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि निदेशक,खेलकूद एवं युवाकार्य निदेशालय,झारखण्ड रांची के पत्रांक 1265 दिनांक 27.12.2023 से प्राप्त निदेशानुसार राष्ट्रीय युवा दिवस– 2024 स्वामी विवेकानन्द जी की जयंती के अवसर पर प्रमण्डल स्तरीय से लेकर राज्य स्तरीय तक युवा संसद कार्यक्रम निबंध,भाषण,पेन्टिंग एवं क्विज प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जायेगा। उक्त कार्यक्रम 15 से 29 आयु वर्ग के युवाओं के बीच किया जाना है, यह प्रतियोगिता प्रमण्डल स्तर पर 05 एवं 06 जनवरी 2024 को आयोजित की जायेगी। प्रमण्डल स्तर पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त प्रतिभागी दिनांक 11.01.2024 को रांची में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग ले सकेंगे। इच्छूक प्रतिभागी जिला खेल कार्यालय,लातेहार में सम्पर्क कर सकते हैं।

जिला खेल पदाधिकारी,
लातेहार

PR 314848 (District)23-24*D

समाहरणालय,लातेहार
(जिला खेल)

आम–सूचना

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि उप निदेशक,खेलकूद एवं युवाकार्य निदेशालय,झारखण्ड रांची के पत्रांक 1226 दिनांक 21.12.2023 के निदेशानुसार जिला स्तर से खेल संघों का पंजीकरण जोहार खिलाड़ी पोर्टल पर किया जाना है। अतः आप सभी खेल संघों के अध्यक्ष / सचिव से अनुरोध है कि वे अपना खेल संघ का नाम ई–मेल आईडी एवं मोबाईल नम्बर,जो खेल संघ से संबंधित हो (न कि किसी निजी व्यक्ति से संबंधित हो) उक्त जानकारी जिला खेल कार्यालय,लातेहार में दिनांक 04.01.2024 को अप0 05:00 बजे तक जमा करना सुनिश्चित करेंगे।

जिला खेल पदाधिकारी,
लातेहार

PR 314845 District(23-24).D

आयोजन | पंचायत कार्यकारणी की बैठक में लिए गए कई महत्वपूर्ण निर्णय

गिद्धौर पंचायत के विकास के लिए कई प्रस्ताव पारित

नवीन मेल संवाददाता। गिद्धौर

गिद्धौर प्रखंड मुख्यालय स्थित पंचायत सचिवालय भवन गिद्धौर में शनिवार को पंचायत कार्यकारणी की बैठक हुई।

इसकी अध्यक्षता मुखिया निर्मला देवी ने किया। मौके पर उपमुखिया मंजू देवी, पंचायत सचिव प्रियंका प्रिया मौजूद थे। बैठक में दो जनवरी को प्रस्तावित विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम की जानकारी सभी को दी गई। कार्यक्रम में सभी वार्ड सदस्यों व सरकारी कर्मियों को बढ़-चढ़ कर

भाग लेने की अपील किया गया। साथ ही पांच जनवरी को वनाधिकार समिति के गठन की भी जानकारी दी गई। समिति गठन के दिन भी सभी को उपस्थित रहकर समिति का गठन करने की अपील किया गया। साथ ही पंचायत के विकास को लेकर कई प्रस्ताव पारित किया गया। उपमुखिया मंजू देवी ने देवी मंडप से सिकंदर पासवान के घर तक की पीसीसी पथ की योजना में हुई त्रुटि को सुधार करने का भी प्रस्ताव लाया। जिस पर सदस्यों ने सुधार कर जल्द क्रियान्वयन करने की बात कही। बैठक में वार्ड सदस्य ममता कुमारी, सुनीता देवी, रंजू देवी, अमीर दांगी, मुसाफिर कुमार कुशवाहा, इंद्रजीत दांगी व रामदेव यादव सहित अन्य उपस्थित थे।

एक नजर

बीडीओ ने घर-घर जाकर मतदाता सूची का किया सत्यापन

कुडू। कुडू बीडीओ सह उपनिवार्ची पदाधिकारी प्रवेश कुमार साव ने शनिवार को प्रखंड क्षेत्र के कुडू, टाटी पंचायत के बूथ न 141, 147 सहित कई मतदान केंद्रों का भ्रमण किया तथा बीएलओ की उपस्थिति में संबंधित क्षेत्र के मतदाताओं के घर-घर जाकर मतदाता सूची का सत्यापन का किया। इस दौरान उनके साथ प्रखंड कल्याण पदाधिकारी अवध किशोर प्रसाद, बुधेश्वर उरांव भी मौजूद थे। बीडीओ ने बताया कि लोकसभा चुनाव के मद्देनजर मतदाता सूची का कार्य हो रहा है। इसी क्रम में सुपर चेकिंग के तहत वैसे मतदाता जिन्होंने स्थानांतरण या विलोपन के लिए आवेदन किया है उनके घर पहुंचकर सत्यापन किया जा रहा है। इस दौरान मतदाताओं द्वारा उपलब्ध करायी गयी जानकारी सही है या नहीं उसका मिलान किया जा रहा है। मौके पर बीएलओ ज्योति रेखा सहित स्थानीय मतदाता मौजूद रहे।

बाएफ व एचडीएफसी की ओर से लगाया पशु चिकित्सा शिविर

सेन्हा। प्रखंड क्षेत्र के मुर्की तोड़ार पंचायत अन्तर्गत मुर्कि ग्राम में बाएफ संस्था और एचडीएफसी बैंक द्वारा पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पशु चिकित्सक डॉ. रोहित ने लाभुक किसानों को गाय, बकरी, शूकर पालन के बारे में विस्तृत जानकारी दी। कहा कि समय पर पशुओं को बीमारी से बचाव के लिये जोंक और कृमि की दवा खिलाएं तथा टीकाकरण कराएं। जाड़ा, गर्मी और बरसात में पशुओं को कैसे रखा जाए इसकी जानकारी दी गई। शिविर में बाएफ संस्था द्वारा पशुपालक किसानों के बीच विटामिन, प्रोटीन, कृमि व जोंक की दवा मुफ्त में वितरित की गई। मौके पर बाएफ संस्था से प्रोजेक्ट ऑफिसर प्रवीण कुमार, अनशुमन पाढी, फिल्ड गाईड सुमरारेन बखला, रामजीत उरांव, सहदेव उरांव, आशिक अंसारी, मनोज उरांव आदि उपस्थित थे।

कुडू व जिमा पंचायत में विकसित भारत कार्यक्रम का आयोजन

कुडू। प्रखंड के कुडू और जिम पंचायत भवन में शनिवार को हमारा संकल्प विकसित भारत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मौके पर सीओ प्रवीण कुमार सिंह, सीआई अनंत शयनम विश्वकर्मा, भाजपा मंडल अध्यक्ष सुदामा प्रसाद, मुखिया सुषमा देवी, ललिता उरांव आदि मौजूद थे।

स्कूल ने अभिभावक संपर्क अभियान चलाया

कैरो। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर ने प्रखंड के खंडा, गजनी और नरौली गांव में अभिभावक संपर्क अभियान चलाया। विद्यालय के वरिष्ठ आचार्या रीता यादव के नेतृत्व में नए सत्र में नये नामांकन के लिए ग्रामीणों को प्रेरित किया।

वार्षिकोत्सव मनाया गया

गुमला। संत मेरी पब्लिक स्कूल, टोटो में विद्यालय का द्वितीय वार्षिकोत्सव मनाया गया। विद्यालय के छात्र-छात्राओं के द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। मौके पर मो. वसीम अहमद, बीएसई गुमला, किरण माला बाड़ा, अध्यक्ष जिला परिषद अखिल कुमार व विद्यालय के निदेशक रंजित गुप्ता मौजूद थे।

नववर्ष पर यहां मिलेगा 'चेन्नई एक्सप्रेस' जैसा वॉटर फॉल का नजारा, झारखंड, बिहार, बंगाल और ओडिशा से पहुंच रहे पर्यटक

आकर्षण का केंद्र बना मुगलदाहा पर बना रेलवे ब्रिज

राहुल कौशल। लोहरदगा

जिले के कुडू प्रखंड अंतर्गत लोहरदगा से टोरी जाने के रास्ते में आसमान की ऊंचाइयों से मुगलदाहा नदी और जलप्रपात को निहारने के लिए दिलों में याद रखने वाली तस्वीर है लोहरदगा का 27 नंबर रेलवे पुल। यहां प्रकृति का दीदार करने को झारखंड के अलावे बिहार, बंगाल और ओडिशा से पर्यटक पहुंच रहे हैं। झारखंड के दूसरे सबसे ऊंचे रेलवे पुल के निर्माण के समय किसी ने नहीं सोचा होगा कि यह स्थान पर्यटकों की पहली पसंद बन जाएगा। सचमुच अपने नाम की तरह मुगलदाहा नदी और आसपास की सुंदरता मुगलों की शान लिए हुए है। वहीं वन विभाग द्वारा स्थानीय ग्रामीणों को भी रोजगार से जोड़ने के लिए पहल की जा रही है। आसमान की ऊंचाइयों से मुगलदाहा नदी और जलप्रपात को निहारने के लिए दिलों में याद रखने वाली तस्वीर, दूर-दूर तक फैली हरियाली बिखेरते जंगल, गगन को छूते पर्वत और कलकल बहती मुगलदाहा नदी। लोहरदगा में 'मनु का सरेंडर' फिल्म की शूटिंग के लिए मुंबई से आये कलाकरों ने भी हाल के समय में यहां फिल्म की शूटिंग की है। वहीं, इस जगह पर पहुंचने वाले लोग सेल्फी लेना नहीं भूलते। अपनी खूबसूरत छटाओं की वजह से यह पुल लोगों में लोकप्रिय हो गया है। नए साल में यहां पर काफी संख्या में लोगों के पहुंचने की उम्मीद की जा रही है। सुरक्षा को लेकर यहां पर जिला पुलिस की एक टुकड़ी हमेशा तैनात रहती है, जिसकी वजह से लोग खुद को सुरक्षित महसूस करते हैं। लोहरदगा-चंदवा मुख्य पथ से सटे होने की वजह से यहां पर आने-जाने के लोगों की सहूलियत भी है। दरअसल, लोहरदगा स्टेशन से टोरी जाने के क्रम में कुडु थाना क्षेत्र में स्थित यह स्थान कई मायनों में खास है। दूर-दूर तक फैली हरियाली बिखेरते जंगल, गगन को छूते पर्वत और कलकल बहती मुगलदाहा नदी और झारखंड के दूसरे सबसे ऊंचे रेलवे का पुल। यह स्थान पर्यटकों की पहली पसंद बन रहा है। बहरहाल, जिला प्रशासन ने इसे पर्यटन क्षेत्र के रूप में विकसित करने में जुट हुई है। वन विभाग के द्वारा स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से इस क्षेत्र में आने वाले पर्यटकों की सुविधा के लिए गाड़ी स्टैंड और भोजन के लिए झारखंडी स्वाद दे रही है। ऐसे में जरूरत है सरकारी प्रयास का, ताकि यह क्षेत्र विश्व पटल पर पर्यटन के रूप में स्थापित हो सके।

हरी वादियों के बीच बना रेलवे पुल बन गया ओपन स्टूडियो

सेल्फी लेने के लिए किसी जगह या समय की जरूरत नहीं पड़ती। इस हाई टेक मोबाइल के युग में एडिटिंग कर लोग अपने कौअे सी शक्ल को भी खूबसूरत बना लेते है। लेकिन फोटो खींचने का मजा दुगुना हो जाता है जब जब अप प्रकृति की गोद में, भरी वादियों में, असली सेट पर फोटो खिंचाए। ऐसे ही एक बेहतरीन जगह की हम बात कर रहे है। वो है लोहरदगा का 27 नंबर रेलवे पुल। प्रकृति की इस अनुपम खजाने के दीदार को पहुंचने वाले हजारों लोग हर दिन इस स्थान पर सेल्फी लेते हैं। 27 नंबर पुल सेल्फी पॉइंट बन चुका है। लोहरदगा से टोरी रेल लाइन में कुडु थाना क्षेत्र में स्थित यह स्थान खास है। आसमान की ऊंचाइयों से मुगलदाहा नदी और जलप्रपात को निहारने के लिए दूर-दूर तक फैली हरियाली बिखेरते जंगल, गगन को छूते पर्वत और कलकल बहती मुगलदाहा नदी।

लावापानी में 1000 फीट की ऊंचाई से 7 चरणों में गिरते पानी को देखने दूर-दूर से आते हैं लोग

किनेश साहू। लोहरदगा

जिले के पेशरार प्रखंड अंतर्गत लावापानी जलप्रपात की सुंदरता से लोग मोहित होकर खींचे चले आ रहे हैं। 1000 फीट की ऊंचाई से 7 चरणों में गिरने वाले झरने का पानी लोगों को खुद ही अपनी ओर आकर्षित कर लेता है। लोहरदगा ही नहीं बल्कि दूसरे जिलों के लोग भी अब आने लगे हैं। तत्कालीन एसपी कार्तिक एस की पहल पर लावापानी को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने का जो प्रयास हुआ था, वह आज रंग ला रहा है। लावापानी में आने वाला हर कोई इसकी सुंदरता से मंत्रमुग्ध हो जाता है। हर कोई अपने कैमरे में लावापानी की सुंदरता को कैद कर लेना चाहता है। कल तक नक्सलवाद के नाम से लोहरदगा की पहचान थी, आज लावापानी जैसे पर्यटन स्थल लोहरदगा की पहचान को बदल चुके हैं। लोग लोहरदगा को खूबसूरत वादियों के जिले के रूप में जानते हैं। हर रोज लोहरदगा के विभिन्न पर्यटन स्थलों के साथ-साथ लावापानी में भी बड़ी संख्या में लोगों का पहुंचना होता है।

लोगों का आना-जाना यहां के पर्यटन विकास को प्रोत्साहन दे रहा है। यही वजह है कि जिला प्रशासन और वन विभाग द्वारा भी क्षेत्र को इको टूरिज्म के माध्यम से विकसित करने को लेकर प्रयास कर रहे हैं। स्थानीय लोगों के लिए भी पर्यटन विकास के माध्यम से रोजगार के साधन बढ़ने के आसार दिखाई दे रहे हैं। जल्द ही लावापानी तक जिला प्रशासन द्वारा पर्यटकों के लिए वाहन की सुविधा भी उपलब्ध कराए जाने की योजना है। बहरहाल जिले के पर्यटन स्थलों से लावापानी झरना का एक महत्वपूर्ण स्थान है। यह झरना पेशरार प्रखंड के ग्राम मवनपुर में स्थित है। यह जिला के अन्य पिकनिक स्थलों में से एक है यहां पानी पहाड़ के सात चरणों में कल कल प्रवाहित होती है लावा पानी जलप्रपात जिला मुख्यालय से लगभग 50 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। पेशरार ब्लॉक जाने के क्रम में केकरांग के लवासा रोड के माध्यम से जाया जा सकता है। लावापानी दावा करता है कि एक बार आकर इस प्राकृतिक सुंदरता को लोग निहारे। दिसंबर माह आने के बाद से लोग सोचने लगते हैं कि पिकनिक मनाने के लिए कहां जाये नए साल में सभी लोग सोचते हैं कि सुंदर जगह पर जाया जाए ताकि यादगार फोटो ले सके। लावापानी जलप्रपात झरना जाने के बाद मोबाइल में नेटवर्क नहीं पकड़ता है।

लावापानी झरना में सैलानियों ने रोजाना लगभग सैकड़ों की संख्या में यहां आते जाते हैं यह झरना सुंदरता में चार चांद लग गया है। लावापानी दृश्य के चारों ओर कई प्रजातियों का वृक्ष है जो काफी मनमोहक है। नववर्ष हो कार्तिक पूर्णिमा का दिन हो या आषाढ़ की रथयात्रा या फिर मकर संक्रांति का पर्व यह गांव के लोग के साथ शहर के लोगो को अपनी ओर खींचता है। झरना धारा पर खड़े सैकड़ों से अधिक चिकने पत्थर लावा पानी जलप्रपात का सौंदर्य आपको अपनी ओर जरूर आकर्षित करेगा। प्राकृतिक सुंदरता का अनुभव करने के लिए काफी संख्या में पर्यटक इस जगह पर आते हैं। लावापानी झरना प्राकृतिक सुंदरता के लिए प्रसिद्ध रहा है। बहुत ऊंचाई से गिरते हुए कई खंडों में कुंडों का निर्माण करता है। झरना हरे-भरे जंगलों से घिरा है। यह आकर्षिक जलप्रपात पहाड़ी पर स्थित एक कुंड से नीचे गिरती है। यह झरना इतना मनमोहक है कि कई दिनों तक सैलानियों के आंखों के सामने घूमती रहती है।

पर्यटकों को लुभा रहा है लावा व शंख नदी का संगम स्थल

अभिषेक केशरी। चैनपुर(गुमला)

गुमला जिला मुख्यालय से 55 किलोमीटर की दूरी पर स्थित चैनपुर प्रखंड के लावा व शंख नदी का संगम स्थल पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। इस संगम स्थल की प्राकृतिक छटा पर्यटकों को काफी सुकून व खुशी देती है। नववर्ष के आगमन से पूर्व ही शंख नदी में सैलानियों की आवाजाही शुरू हो गई है। सैलानियों की सुरक्षा के लिए स्थानीय पुलिस की गश्ती यहां बढ़ा दी गई है। इस पर्यटक स्थल पर सुबह से शाम तक पर्यटक रह सकते हैं लेकिन रात में रुकने की कोई व्यवस्था नहीं है। यहां निजी वाहन से पहुंचा जा सकता है। गुमला जिला के चैनपुर प्रखंड अपने प्राकृतिक सौंदर्य और आकर्षक दृश्य वाले पिकनिक स्पॉट के जरिए एक अलग पहचान बनाने लगी है। यहां कई ऐसे मनमोहक पिकनिक स्थल है जो बाहें फैलाकर अपने सैलानियों का स्वागत करती है। इनमें शंख नदी व लावा नदी का संगम स्थल पहले स्थान पर है। यहां की छटा ही निराली है। स्थानीय लोगों की माने तो उक्त संगम स्थल की किवदंती ही कुछ अलग है। कहा जाता है कि अपने समय में राजा और रानी अपने सैनिकों के साथ वनविहार करने के लिए निकले थे। इस दौरान राजा रानी को नौका विहार करने का ख्याल आया। जब वे नौका विहार के समय शंख व लावा नदी के संगम स्थल पर पहुंचे तो नदी में अचानक बाढ़ आ गई और वे लोग डूब गए। काफी खोजबीन के बाद भी राजा रानी का पता नहीं चल सका। परंतु उक्त संगम स्थल पर लगभग 30 से 35 फीट ऊंची पहाड़ की चोटी बन गई। वहीं, नाव के आकार का एक पत्थर भी है। स्थानीय लोगों का मानना है कि 30 से 35 फीट ऊंची पहाड़ की चोटी ही राजा रानी का समाधि स्थल है। इसके अलावा वहां पर कल कल बहती नदी की धारा और घने जंगल भी लोगों को अपनी ओर काफी आकर्षित करती है। दिसंबर माह से ही सैलानियों का आना जाना लगा रहता है और नए साल के दिन चैनपुर, जारी, गुमला सहित काफी जगहों से हजारों की संख्या में यहां लोग पिकनिक का मजा लेने पहुंचते है।

अनियमितता की शिकायत पर प्रधानमंत्री ग्राम सड़क निर्माण मुखिया ने कराया बंद

नवीन मेल संवाददाता। भंडरा

प्रखंड के बेदाल से सुरसा सीमान पर करीब 96 लाख की लागत से बन रहे प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में भारी अनियमितता बरती जा रही है। बेदाल ग्राम से सुरसा सीमान तक की तीन किमी की सड़क मरम्मत में गुणवत्ता में हेर-फेर करते हुए निर्माण एजेंसी के द्वारा घटिया निर्माण कार्य किया जा रहा है। ग्रामीणों की शिकायत पर मसमानो मुखिया ममता कुमारी ने शनिवार को निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मुखिया ने बताया की जिस मापदंड से सड़क निर्माण होना था वैसा नहीं हुआ है। ठेकेदार ने सारे नियम कायदों को दरकिनार कर मनमानी तरीके से घटिया कार्य किया जा रहा है। जब तक कार्य में सुधार नहीं होगा तबतक कार्य को बंद किया जायेगा। इस मौके पर अनिल महतो, लक्ष्मण साहू, चंदन महतो, सुरेंद्र साहू, ब्रजेश साहू, मुरारी लोहरा, प्रदीप साहू, बजरंग साहू, जन्मजय चौधरी, दिकेश साहू, दुगरु उरांव, अफजल अंसारी, जाकिर अंसारी अदि मौजूद थे।

चुनाव को लेकर पदाधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण

गुमला। चुनाव को लेकर विकास भवन सभागार में शनिवार को जिला सूचना एवं विज्ञान पदाधिकारी सुशील कुमार के द्वारा डेजिग्नेटेड पुलिस पदाधिकारी एवं रिजर्व सेक्टर पदाधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया। डीआईओ ने बताया कि चुनाव में स्वतंत्र और निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित कराने के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मोबाइल ऐप सी-विजिल लॉन्च किया गया है, जिसके तहत आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के मामलों की जानकारी कोई भी व्यक्ति इस ऐप के माध्यम से दे सकेगा, जिसका निष्पादन अविलंब करना होगा।

वृद्ध महिला व पुरुषों के बीच कंबल का किया वितरण

नवीन मेल संवाददाता। भंडरा

लोहरदगा के व्यवसायी सह समाजसेवी पदुमलोचन लाल अग्रवाल ने परिवार के अन्य सदस्यों के साथ शनिवार को भंडरा नवडिहा चौंक स्थित हरियाली बीज भंडार के समीप जरूरतमंदों के बीच कंबलों का वितरण किया। उक्त परिवार के हाथों पिछले चार वर्षों से जरूरतमंदों को ठंड से राहत देने के उदेश्य से कंबलों का वितरण किया जा रहा है। लाभान्वित लोगों में तेतरी महली, धीरजू महतो, सरिता महतो, बिगु लोहरा, गंगा उरांव, इसूफ, बरखा उरांव, सानिया, कुंवर लहेरी, मोहरा उरांव, पूरन लहेरी, टेम्बा उरांव, सुमरि उरांव, सरिता देवी, जलू महतो सहित एक सौ लोग शामिल हैं। कंबल के साथ सभी को बिस्कुट और केला भी मुहैया कराया गया, जिसे पाकर सभी खुश नजर आऐ। इस दौरान संदीप मित्तल, स्वाति मित्तल, वैष्णवी कुमारी, शिवांस मित्तल, अंजनी देवी, शौर्य मित्तल, अजीत अग्रवाल, सुरेश साहू, संदीप आदि परिवार के सदस्य उपस्थित थे।

राजनीति | राज्य सरकार के चार वर्ष पर भाजपा विधायक सीपी सिंह ने कहा

'हेमंत सरकार चार वर्ष की विफलता पर मना रही जश्न'

नवीन मेल संवाददाता। लोहरदगा

भारतीय जनता पार्टी ने झारखंड गठबंधन सरकार की विफलता के चार वर्ष विषय को लेकर प्रेस वार्ता किया। जिसमें रांची विधानसभा विधायक सी.पी सिंह ने कहा कि झारखंड के प्रत्येक जिलों में प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से 4 वर्ष की विफलताओं को लेकर भाजपा द्वारा आरोप पत्र जारी करते हुए अपनी बात को रखी जा रही है।

आरोप पत्र में 4 वर्ष में झारखंड गठबंधन सरकार की विफलता एवं केंद्र के द्वारा दिए गए राशि का पूर्ण विवरण है। सरकार केंद्र के द्वारा दी गई राशि का खर्च नहीं कर पा रही है साथ ही उसकी हिसाब खिताब प्रस्तुत नहीं करती और केंद्र पर राशि नहीं देने का आरोप लगाती है।झारखंड की गठबंधन सरकार स्थानीय नीति, नियोजन नीति बहाल नहीं कर पाई। लेकिन हर बार सदन में पास करा कर आनंद जनता की आंखों में धूल झोंकने का काम करती है यह सत्ता के नशे में इतनी चूर हैं कि उसमें कुछ सुझाव को बगैर जोड़े हुए राज्यपाल के पास भेज दिया जाता है। इनके बनाए गए स्थानीय नीति का माननीय न्यायालय ने भी खारिज कर दिया है। इससे स्पष्ट पता होता है कि वर्तमान सरकार केवल आम जनता को ठगने का कार्य कर रही है। इन्होंने कोई नीति तैयार नहीं किया है उनकी नीतियों में भी कूटनीति समाहित होती है। जिसका खामयाजा झारखंड के लोग भुगत रहे। झारखंड युवा को भरपूर ठगने का कार्य किया। खान खदान में लूट सरकार के इशारों पर हो रही है। सरकार में बैठे लोग आर्थिक लाभ ले रहे हैं। सरकार सफलता के 4 वर्ष का जश्न मना रही है। वहीं इसी प्रदेश के दो-दो बड़े अधिकारी जेल के अंदर हैं और कई और जाने वाले हैं। वहीं झारखंड के मुख्यमंत्री को इडी लगातार सम्मन भेज रही है। यह उपस्थित नहीं हो रहे इससे आम जनता में गलत संदेश सरकारी एजेंसियों के प्रति जा रहा। हम सभी जिम्मेदार व्यक्ति हैं। हमें सरकारी प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है। मुख्यमंत्री का बार-बार इस प्रकार से बहाने बनाना गलत है। दफ्तरों में बिना पैसा काम नहीं हो रहा है मुख्यमंत्री जश्न मना रहे हैं। सड़क बन रहे हैं परंतु गुणवत्ता नहीं है।

जिला प्रभारी मनोज मिश्रा ने कहा कि राज्य का कोई ऐसा वर्ग नहीं है जो परेशान नहीं हैं। फसल बीमा का भी पैसा प्राप्त नहीं हो पा रहा है। किसान दफ्तरों में जाता है तो बताया जाता है कि आपका ऑनलाइन ही नहीं हुआ जबकि किसान सारे कागजात पहले जमा कर दिए हैं। मौके पर जिला अध्यक्ष मनीर उरांव, जिला महामंत्री राजकुमार वर्मा, मीडिया प्रभारी पशुपति नाथ पारस शामिल थे।

NETARHAT RESIDENTIAL SCHOOL NETARHAT
(An autonomous Institution under School Education & Literacy Dept. Govt. of Jharkhand)

Letter No. - 2355 Date: 29.12.2023

WALK IN INTERVIEW
FOR
THE APPOINTMENT OF CONTRACTUAL TEACHERS.

Netarhat Residential School requires few teachers on contractual basis for the period of 11 months. The post is purely on contract basis for maximum period of 11 months or as per need of the school, whichever is applicable. The School is going to conduct the interview for the above posts. The schedule for the interview is given below :-

Schedule of the interview :-

Post	Date of Interview	Registration Time	Interview Time	Category
English – 02 Post	11.01.2024	08:30 AM to 09:15 AM	12:30 PM to 5:30 PM	ST – 01 SC – 01 OBC – 01 UR – 02
Sanskrit – 01 Post	11.01.2024	08:30 AM to 09:15 AM	12:30 PM to 5:30 PM	
History /Pol. Science - 01 Post	12.01.2024	08:30 AM to 09:15 AM	12:30 PM to 5:30 PM	
Economics – 01 Post	12.01.2024	08:30 AM to 09:15 AM	12:30 PM to 5:30 PM	

General Instructions: -
1. Applicants are directed to download the application form uploaded on vidyalaya website i.e. www.netarhatvidyalaya.com
2. After filling the above form send it to Principal, Netarhat Aawasiya Vidyalaya, PO-Netarhat, via – Gumla, Dist- Latehar, Jharkhand, 835218 along with photocopy of all required documents. (Photocopy of Educational and experience certificates).
3. Only eligible candidates are allowed to participate on interview.
4. **The post is purely on Temporary basis for a maximum period of eleven months from the date of appointment or as per need of the school, whichever is applicable.**
5. No TA/DA will be paid for the attending interview.
6. The candidate must have competency to teach in both English and Hindi.
7. All the original documents should be submitted for verification by the candidates at the time of interview along with one set of photocopies.
8. Candidates having experience of three years of teaching in CBSE affiliated school will be preferred.
9. The contract can be extended based on the continuing need of the school and performance of the contractual appointee for the further period of one more year.
10. The school holds no responsibility for regularization/ absorption against any other regular post in the future.
11. The contract can be terminated at any time by giving one-month prior notice.
12. The school will only provide the accommodation facility i.e., residential house depending upon the vacancy of the house.
13. The candidate should fulfill the requisite educational qualification prescribed for the post and other eligibility conditions.
14. The selected candidate will not have any claim or right for his/her continuity in service or automatic extension of the term of contract or regularization/absorption on any regular post in the future.
15. **The selected candidates (teachers) will have to take part in all Co-curricular Activity related to students.**
16. Apart from the prescribed/fixed honorarium, No other benefits shall be given nor will any claims be accepted.
17. The principal Cum Member secretary, Netarhat Vidyalaya Samiti will have the right to cancel or amend the advertisement notice at any time without giving any reasons.
18. **Eligibility Criteria and Qualifications:**

Venue: Netarhat Residential School, Netarhat.

Post & Subject	Qualification	Monthly Honorarium for Contractual Teachers
English	**Essential:** 1. Master Degree from a recognized University with at least 55% marks in aggregated in English. 2. B. Ed degree from recognized University 3. Competence to teach through English Medium. **Desirable:** 1. Knowledge of computer applications. 2. Experience of three years of teaching in CBSE affiliated school.	35,750.00
Sanskrit	**Essential:** 1. Master Degree from a recognized University with at least 55% marks in aggregated in Sanskrit. 2. B. Ed degree from recognized University. **Desirable:** 1. Knowledge of computer applications. 2. Experience of three years of teaching in CBSE affiliated school.	35,750.00
History	**Essential:** 1. Master Degree from a recognized University with at least 55% marks in aggregated in Political Science/History. 2. B. Ed degree from recognized University. 3. Competence to teach through English & Hindi Medium. **Desirable:** 1. Knowledge of computer applications. 2. Experience of three years of teaching in CBSE affiliated school.	35,750.00
Economics	**Essential:** 1. Master Degree from a recognized University with at least 55% marks in aggregated in Economics. 2. B. Ed degree from recognized University. **Desirable:** 1. Knowledge of computer applications. 2. Experience of three years of teaching in CBSE affiliated school.	35,750.00

Sd/-Principal
PR 314784 (Human Resource Developement)23-24*D **Netarhat Residential School Netarhat**

एक नजर

जम्मू-कश्मीर में हृदय गति रुकने से पुलिसकर्मी की मौत

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में शनिवार को दो अलग-अलग घटना में दो लोगों की मौत की खबर सामने आई। जम्मू-कश्मीर पुलिस के एक हेड कांस्टेबल की हृदय गति रुकने के चलते मौत हो गई। वहीं, दूसरे मामले में एक प्रवासी मजदूर की किराए के घर की छत से गिरने के बाद मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने बताया कि अनंतनाग जिले के कोकेरनाग इलाके के हेड कांस्टेबल मुहम्मद जब्बार डार शनिवार सुबह अपने घर में बेहोश पाए गए।

तेलंगाना सीएम ने प्रजा पालन आवेदन फॉर्मों की बिक्री को गंभीरता से लिया

हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने छह गारंटियों का लाभ उठाने के लिए आवेदन पत्र (एप्लीकेशन फॉर्म) की बिक्री को गंभीरता से लिया है। सीएम ने शनिवार को अधिकारियों को आवेदन पत्र बेचने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। 28 दिसंबर को शुरू किए गए 'प्रजा पालन' कार्यक्रम के तहत राज्य भर के आवेदकों से भरे हुए फॉर्म प्राप्त किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने शनिवार को मुख्य सचिव शांति कुमारी और अन्य शीर्ष अधिकारियों के साथ प्रजा पालन में आवेदन जमा करने और जमीनी हकीकत पर समीक्षा की।

बेंगलुरु में नशे में धुत इंजीनियर की 33वीं मंजिल से गिरकर मौत

बेंगलुरु। बेंगलुरु में शनिवार को एक निजी कंपनी में काम करने वाले इंजीनियर की नशे की हालत में 33वीं मंजिल की बालकनी से गिरकर मौत हो गई। मृतक की पहचान दीपांशु धर्मा के रूप में हुई है। घटना शुक्रवार सुबह के.आर. पुरम पुलिस स्टेशन की सीमा में हुई। पुलिस के मुताबिक, दीपांशु गुरुवार रात एक पार्टी में शामिल हुआ और दोस्तों के साथ शराब पी। वह अपने अपार्टमेंट में वापस आया और बालकनी में घुस गया। संतुलन बिगड़ने से वह बालकनी से गिर गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

आगरा मेट्रो ने सुरंग का काम रिकॉर्ड 11 महीने में पूरा किया

आगरा। आगरा मेट्रो के प्राथमिकता वाले हिस्से 'ताज महल के पूर्वी गेट से जामा मस्जिद' तक सुरंग बनाने का काम रिकॉर्ड 11 महीने में पूरा हो गया है। साथ ही, प्राथमिकता विस्तार के अंडरग्राउंड सेक्शन पर ट्रेन परीक्षण शनिवार को सफलतापूर्वक शुरू हुआ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के फरवरी में टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) का उद्घाटन करने के बाद प्राथमिकता वाले हिस्से का काम 11 महीने में पूरा हो गया। अधिकारी ने कहा, "अंडरग्राउंड मेट्रो स्टेशन के निर्माण और सुरंग बनाने के काम में औसतन एलिवेटेड स्टेशनों की तुलना में तीन गुना समय लगता है। हालांकि, आगरा मेट्रो टीम 11 महीने के रिकॉर्ड समय में इसे पूरा करने में सक्षम रही, जिसमें टीबीएम के माध्यम से सुरंग निर्माण, ट्रैक कार्य, तीसरे रेल लाइन बिछाने का काम, सुचारू और सुरक्षित ट्रेन आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए सिग्नलिंग कार्य शामिल था।

यूपी में लोकसभा चुनाव में धर्म, राजनीति का असर लोगों के सिर चढ़कर बोलेगा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश शायद देश का एकमात्र ऐसा राज्य है, जहां 2024 के लोकसभा चुनाव में धर्म और राजनीति का मिला जुला-असर लोगों के सिर चढ़कर बोलेगा। उत्तर प्रदेश नए साल में राम मंदिर के भव्य उद्घाटन के साथ प्रवेश करेगा। यह लोकसभा चुनाव के लिए बड़े पैमाने पर शुरू होने वाले चुनावी अभियान से पहले होगा, जिसका राजनीति पर प्रभाव पड़ना तय है। राम मंदिर भी बीजेपी का सबसे बड़ा चुनावी मुद्दा होगा, जो विपक्ष को जवाबी हमला करने का मौका नहीं देगा। 2024 का लोकसभा चुनाव उत्तर प्रदेश के लिए एक मील का पत्थर है। प्रदेश लोकसभा में अधिकतम 80 सांसद भेजता है और केंद्र में सरकार बनाने में मदद करता है। जैसे-जैसे चुनावी सरगर्मियां तेज होंगी, मंदिर और लोकसभा चुनाव इस हद तक आपस में जुड़ जाएंगे कि एक-दूसरे को प्रभावित करेंगे। दोनों घटनाक्रम राज्य के लिए निर्णायक क्षण होंगे।

500 वर्षों का इंतजार अब खत्म हो रहा : योगी आदित्यनाथ

एजेंसी। अयोध्या

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी ने अयोध्या में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि 500 वर्षों का इंतजार अब खत्म हो रहा है। भगवान श्रीराम आगामी 22 जनवरी को निमार्णाधीन राम मंदिर के गर्भगृह में विराजमान हो जायेंगे। उन्होंने कहा कि नए भारत की नई अयोध्या का आज दर्शन हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कारण अयोध्या को एक नई पहचान मिली है। अयोध्या में सभी सुविधाओं का विकास किया जा रहा है। प्रधानमंत्री के करकमलों से अयोध्या के रेलवे स्टेशन और अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का उदघाटन किया गया। योगी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का नामकरण महर्षि वाल्मीकि के नाम पर किया गया है। अयोध्या में 22 जनवरी को अतिथियों के स्वागत के लिए हमें तैयार रहना है। केन्द्रीय उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत की आत्मा की ज्वाला हैं। यहां से 10 लाख यात्रियों का प्रतिवर्ष आवागमन होगा। देश विदेश के बड़े विमान अब अयोध्या नगरी में उतर सकेंगे। जहां प्रधानमंत्री के कर कमलों से ट्रेनों की श्रंखला शुरू हुई है। अयोध्या,मुंबई,बंगलूरू और कोलकाता को आने वाले दिनों में अयोध्या से जोड़ा जायेगा। इस अवसर पर रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव,केन्द्रीय राज्यमंत्री जनरल वी.के.सिंह,उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य,ब्रजेश पाठक,प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही और स्थानीय सांसद लल्लू सिंह प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

बांदा में शजर पत्थर से हस्तशिल्पी ने तैयार किया भगवान राम का मंदिर, प्रधानमंत्री को देंगे गिफ्ट

बांदा। अयोध्या में नवनिर्मित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर पहले दुनिया भर में भक्तों में उत्साह का माहौल है। इसी बीच उत्तर प्रदेश के बांदा जिले के रहने वाले हस्तशिल्पी द्वारिका प्रसाद सोनी ने कड़ी मेहनत के बाद केन नदी में पाए जाने वाले शजर पत्थर से एक छोटा श्रीराम मंदिर बनाया है। इस पर लगभग 10 लाख की लागत आई है। मंदिर में रामलला को भी विराजमान किया गया है। शनिवार को इस मंदिर को रामलीला मैदान में लोगों को अलोकनार्थ रखा गया, जिसे देखकर हर कोई आश्चर्यचकित रह गया।जिले के केन नदी में पाया जाने वाला शजर पत्थर एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) में शामिल है। यह ए ग्रेड श्रेणी का सबसे मजबूत और महंगा पत्थर है। इसमें पेड़-पौधों और प्राकृतिक छटाओं की सुंदर छवि स्वतः अंकित हो जाती है। नदी में शजर की पहचान कर उसे काटने और तरासने की लंबी प्रक्रिया है। इसके बाद शजर की असली तस्वीर सामने आती है और तभी इसकी कीमत भी तय होती है। दो दशक पहले यहां इसे तरासने वाले 70-80 कारखाने थे। अब इनकी संख्या बहुत कम रह गई है। यहां के शजर से बनी ज्वेलरी और बेस कीमती उपहार विदेश तक भेजे जाते थे। शजर की अनोखी और बेहतरीन कारीगरी के लिए यहां के शिल्पकारों को कई बार राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत भी किया जा चुका है।राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त द्वारिका प्रसाद सोनी अपने हुनर से अनेक कलाकृतियां बना चुके हैं। उनके द्वारा ताजमहल, कालिंजर दुर्ग के अलावा अनेक सजावटी कलाकृतियां बनाई गई हैं। जिसकी विदेश में भी प्रशंसा हुई है। शजर की मांग मुस्लिम देशों में ज्यादा है क्योंकि मुस्लिम इस पत्थर को बहुत शुभ मानते हैं।

एयर इंडिया एक्सप्रेस की कोलकाता-अयोध्या फ्लाइट 17 जनवरी से

कोलकाता। अयोध्याधाम में भगवान श्रीराम के भव्य और दिव्य मंदिर के उद्घाटन से पहले ही कोलकाता से अयोध्या के लिए फ्लाइट शुरू हो जाएगी। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने सीधी फ्लाइट की घोषणा की है। एयरलाइन कंपनी ने कहा कि वह 17 जनवरी से अयोध्या से कोलकाता के बीच सीधी उड़ान शुरू करेगी। इसके साथ ही अयोध्या से बेंगलुरु के बीच भी उड़ान शुरू हो जाएगी। बयान के मुताबिक, एयरलाइन शनिवार को अयोध्या में महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के उद्घाटन के साथ ही अयोध्या और दिल्ली के बीच उड़ानों का परिचालन शुरू हो जाएगा। कंपनी के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी अंकुर गर्ग ने कहा, 'हमारे नेटवर्क में महत्वपूर्ण केंद्रों के रूप में बेंगलुरु और कोलकाता अयोध्या के प्रवेश द्वार के रूप में काम करेंगे।

नीतीश कुमार के 'पलटीमार' ट्रैक रिकॉर्ड की वजह से बीजेपी को अभी भी उम्मीदें

एजेंसी। पटना

लोकसभा चुनाव 2024 के लिहाज से बिहार एनडीए और इंडिया गठबंधन के लिए महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जिसके भी साथ जाएंगे, उसके लिए बिहार में जीत के दरवाजे खुल जाएंगे। वर्तमान में, वह इंडिया गठबंधन के साथ खड़े हैं। यही कारण है कि भाजपा के नेतृत्व वाला एनडीए 2024 के लोकसभा चुनाव तक आराम नहीं कर सकता है, क्योंकि इंडिया के नेताओं की केवल एक ही योजना है कि तीन राज्यों बिहार, पश्चिम बंगाल और झारखंड से एनडीए की 40 से 50 सीटें कम की जाएं। 2019 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने पश्चिम बंगाल में 18, बिहार में 17 और झारखंड में 12 सीटें जीतीं। पश्चिम बंगाल में टीएमसी बीजेपी का पुरजोर विरोध कर रही है। झारखंड में हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली जेएमएम और कांग्रेस बीजेपी से लड़ रही हैं। लेकिन, बिहार में नीतीश कुमार के 'पलटीमार' ट्रैक रिकॉर्ड को ध्यान में रखते हुए बीजेपी को अभी भी उम्मीदें हैं। भाजपा को पता है कि अगर राजद नेता लालू प्रसाद यादव और नीतीश कुमार बिहार में एक साथ चुनाव लड़ते हैं, तो दलित, महादलित, मुस्लिम, ओबीसी और ईबीसी वोट बैंक का एक बड़ा हिस्सा उनके साथ चला जाएगा और वे आसानी से मुकाबला जीत लेंगे। भाजपा के पास केवल ऊंची जातियां और व्यापारी समुदाय के वोट होंगे और यह उसके लिए पर्याप्त नहीं होगा। अगर नीतीश कुमार बीजेपी के साथ जाते हैं, तो बड़ी संख्या में दलित, महादलित, मुस्लिम, ओबीसी और ईबीसी मतदाता एनडीए को वोट देंगे और भगवा ब्रिगेड के लिए बिहार में अपनी 17 सीटें बरकरार रखना आसान होगा। भाजपा को एहसास है कि अगर नीतीश कुमार और लालू प्रसाद बिहार में संयुक्त रूप से चुनाव लड़ते हैं, तो वे 2015 के विधानसभा चुनाव का अपना प्रदर्शन दोहराएंगे।

नए साल पर जदयू पर पूरी तरह से ग्रहण लगा है : गिरिराज सिंह

पटना। जदयू में ललन सिंह को अध्यक्ष पद से हटाए जाने और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पार्टी की कमान संभाल लेने के बाद शनिवार को केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने भविष्यवाणी करते हुए कहा कि नए साल पर जदयू पर पूरी तरह से ग्रहण लगा हुआ है। उन्होंने नीतीश के भाजपा के साथ आने के संबंध में पूछे जाने पर एक गाने की पंक्ति 'मेरे अंगने में तुम्हारा क्या काम है' कहते हुए कहा कि भाजपा के दरवाजे बंद हैं। पटना में शनिवार को पत्रकारों से चर्चा करते हुए जब उनसे पूछा गया कि भाजपा जदयू में बदलाव पर खुश है तो उन्होंने कहा कि हम न तो खुश होते हैं और न ही रोते हैं। भाजपा के साथ आने पर उन्होंने कहा कि हमारे यहां दरवाजा बंद है। राजद के विधायक फतेह बहादुर के देवी-देवता को लेकर दिए गए एक विवादास्पद बयान पर गिरिराज सिंह ने कहा कि चाहे राजद के नेता हों, विधायक हों, उत्तर प्रदेश के नेता हों, स्टालिन हों, सभी लोग सिर्फ हिंदू धर्म पर बोलते हैं, ये लोग 'कायर' हैं। कभी कुरान पर या कभी मोहम्मद साहब पर बोलकर दिखाएं, तब पता चलेगा किसी के धर्म पर, आस्था पर बोलने से क्या होता है। उल्लेखनीय है कि राजद के विधायक ने विद्या की देवी मां सरस्वती को लेकर एक विवादास्पद बयान दिया है, जिसे लेकर भाजपा आक्रामक बनी है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश की आत्मा को जगायाः अमित शाह

एजेंसी। अहमदाबाद

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को यहां कहा कि वर्षों तक राममंदिर का मुद्दा लटका कर रखा गया। अब 22 जनवरी को अयोध्या में राममंदिर की प्राण प्रतिष्ठा हो रही है। काशी कॉरिडोर का भी निर्माण हुआ। यह शुरूआत देश में शुभ संकेत है। देश की अर्थव्यवस्था विश्व में पांचवें स्थान पर है। प्रधामनंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश की आत्मा को जगाया है। वर्ष 2046 में जब देश आजादी का 100 वर्ष मनाएगा तब भारत विश्व का श्रेष्ठ देश होगा। नरेन्द्र मोदी को वर्ष 2024 में फिर से पीएम बना दें और 2027 में भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा। केन्द्रीय गृह मंत्री शनिवार को अहमदाबाद प्रवास पर थे। वे श्री स्वामीनारायण गुरुकुल विश्वविद्या प्रतिष्ठानम (एसजीवीपी) में श्री पुराणी स्वामी स्मृति महोत्सव में हाजिरी देने पहुंचे थे। इस दौरान केन्द्रीय गृहमंत्री ने स्वामीनारायण संप्रदाय के मंच से लोगों को संबोधित करते हुए संप्रदाय के किए कार्यों की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि स्वामीनारायण गुरुकुल ने देशभर में अच्छे नागरिक दिए हैं, जिससे देश को लाभ पहुंचा है। ऐसी संस्थाओं ने गुलामी के समय में सनातन धर्म से लोगों को जोड़े रखने का काम किया है। स्वामीनारायण संप्रदाय की अलग-अलग संस्थाएं हैं। यदि ऐसी संस्थाएं गुजरात में नहीं होती तो यहां का शिक्षा संबंधी कार्य कठिन हो जाता। यहां का सर्वशिक्षा अभियान अधूरा रह जाता। शाह ने कहा कि स्वामीनाराण संप्रदाय ने जनजातीय क्षेत्रों में धर्म परिवर्तन होने से रोका है। गौसेवा के संबंध में चर्चा करते हुए केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि गौसेवा से खेती तक जोड़े रखने का काम गुरुकुल करता है। इस अवसर पर शाह ने गुरुकुल के संबंध में अपनी स्मृतियों को भी साझा किया। इस अवसर पर एसजीवीपी के बालास्वामी ने कहा कि यह देश का स्वर्णयुग है।

रामकृष्ण रेड्डी,राजनीतिक भविष्य वाईएस शर्मिला के फैसले पर निर्भर

मरावती। हाल ही में विधायक पद और सत्तारूढ़ पार्टी वाईएसआरसीपी से इस्तीफा देने वाले अल्ला रामकृष्ण रेड्डी ने शनिवार को कहा कि उनका राजनीतिक भविष्य मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी की बहन वाईएस शर्मिला के फैसले पर निर्भर करेगा। 2019 में मंगलागिरी निर्वाचन क्षेत्र से चुने गए रामकृष्ण रेड्डी ने कहा कि उनकी राजनीतिक यात्रा शर्मिला के साथ होगी। उनका बयान उन अटकलों के बीच आया है कि शर्मिला अपनी पार्टी वाईएसआर तेलंगाना पार्टी (वाईएसआरटीपी) का कांग्रेस में विलय कर सकती हैं और आंध्र प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनावों में पार्टी के लिए प्रचार कर सकती हैं। रामकृष्ण रेड्डी ने कहा कि वह दिवंगत मुख्यमंत्री वाईएस राजशेखर रेड्डी के फॉलोअर हैं, वह परिवार को नहीं छोड़ सकते। इस चर्चा के बीच कि शर्मिला वाईएसआरटीपी का कांग्रेस में विलय कर सकती हैं और राज्य की राजनीति में सक्रिय भूमिका निभा सकती हैं। वह आंध्र प्रदेश के पहले विधायक हैं, जो शर्मिला के समर्थन में सामने आए हैं। वाईएसआरटीपी के कांग्रेस में विलय के लिए पिछले कुछ महीनों से बातचीत चल रही है। लेकिन, वह आंध्र प्रदेश में स्थानांतरित होने के लिए अनिच्छुक थी और तेलंगाना की राजनीति में रहना चाहती थी।

श्रीलंका में भारतीय लोगों के 200 साल पूरे होने पर डाक टिकट जारी

एजेंसी। नई दिल्ली

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने श्रीलंका में विस्थापित भारतीय मूल के तमिलों द्वारा वर्षों तक किए गए संघर्षों को याद करते हुए कहा है कि वर्ष 2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद भारत ने एक नई आशावादी और सकारात्मक यात्रा शुरू की। नड्डा ने कहा कि वर्ष 2017 में, नरेंद्र मोदी जाफना का दौरा करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बने और उन्हें पक्के मकान देने का वादा किया, वादे को पूरा भी किया और तभी हमारे लोगों को श्रीलंका में सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अवसर मिला। भाजपा राष्ट्रीय मुख्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में जेपी नड्डा ने श्रीलंका में भारतीय मूल के तमिलों के 200 साल पूरे होने की स्मृति में डाक टिकट जारी करते हुए कहा कि यह बहुत बड़े ऐतिहासिक अवसर और खुशी की बात है कि आज, हम वर्ष 1823 को याद कर रहे हैं और इसे भारतीय मूल के तमिलों के डाक टिकट के साथ मना रहे हैं, जो 200 साल पहले श्रीलंका गए थे। उन्होंने कहा कि अंग्रेजों ने अपने फायदे के लिए हमारे तमिल लोगों के श्रीलंका में प्रवास को प्रोत्साहित किया। इसने विस्थापित लोगों को वहां के खेतों में काम करवाकर आर्थिक गतिविधियों को बढ़ाने के ब्रिटिशर्स के उद्देश्य को पूरा किया। लेकिन, विस्थापित भारतीय मूल के तमिलों ने वहां वर्षों तक संघर्ष किया।

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, पलामू

(सर्वसाधारण के लिए सूचना)

लेस्लीगंज थाना कांड सं0–131/2018 के 1. अप्राथमिकी अभियुक्त अवधेश यादव उर्फ अखिलेश यादव पे0 गुली यादव सा0 हुटाई थाना थाना पांकी जिला पलामू 2. अप्राथमिकी अभियुक्त लवलेश जी उर्फ लवलेश गंझू उर्फ ललेश पे0 प्रभानन गंझू उर्फ प्रधान गंझू सा0 कोरीराम (कुरियाम खुर्द) थाना बालुमाथ जिला लातेहार के संबंध में सूचना/जानकारी प्राप्त होने पर पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में सूचित करें अथवा निम्नांकित फोन नम्बर पर संपर्क कर इसकी सूचना दें।

अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी लेस्लीगंज – 9264196949, 9334185502

थाना प्रभारी, लेस्लीगंज – 94311706253

पुलिस अधीक्षक,
पलामू

PR 314805Police(23-24)#D

उद्योग विभाग
जिला उद्योग केन्द्र, पलामू

प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना (PMFME)

1. जिले के बेरोजगार युवक/युवतियों को खाद्य प्रसंस्करण उद्यम लगाने के लिए बैंक से सस्ते ब्याज पर 10 प्रतिशत मार्जिन मनी लगाने पर 01 करोड़ तक का उद्योग एवं FPO, SHG, सहकारिता समितियाँ, सखी मंडल इत्यादि को समूह पर 10 करोड़ तक उद्योग लगाने हेतु जिला उद्योग केन्द्र, पलामू द्वारा आमंत्रित किया जाता है।
2. आवेदन पत्र पहले आओ, पहले पाओं के आधार पर साक्षात्कार के उपरान्त आवेदनों को बैंक में वित पोषण हेतु भेज दिया जायेगा।
3. हुनरमंद और अधिक योग्यता वाले आवेदकों को प्राथमिकता दी जयेगी।
4. आवेदकों को अपना आवेदन पत्र ऑनलाईन आवेदित करना है, जिसका बेवसाईट pmfme.mofpi.gov.in है।
5. इस योजना के तहत पारिवारिक आय की कोई सीमा नहीं है।
6. इस योजना के अन्तर्गत आवेदक का केवल साक्षर होना मात्र है।
7. अनुदान की राशि व्यक्तिगत 35 प्रतिशत तथा अधिकतम 10 लाख रूपये है। FPO, SHG, या समूह को 35 प्रतिशत तथा अधिकतम 03 करोड़ रूपये परियोजना लागत का देय होगा।

अतः अपना आवेदन पत्र शीघ्र ऑनलाईन आवेदित करें

विशेष जानकारी हेतुः– कार्यालय महाप्रबंधक, जिला उद्योग केन्द्र, पलामू से सम्पर्क किया जा सकता है।

सम्पर्क सूत्र–:
जिला उद्यमी समन्वयक, लातेहार
मो0 नं0–9065520291, 9065520426

निवेदक
महाप्रबंधक,
जिला उद्योग केन्द्र, पलामू एवं
जिला उद्यमी समन्वयक, लातेहार

PR 314819 Industries (23-24)_D

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, गढ़वा।

आवश्यक सूचना।

(लापता छोटु कुमार)

डंडई थाना सन्हा सं0–09/23, दिनांक–18.12.2023 में लापता छोटु कुमार, पे0–लालजी राम ग्राम–जरही, थाना–डंडई, जिला–गढ़वा, राज्य–झारखण्ड के रहने वालें है। लापता व्यक्ति के माता के द्वारा आवेदन में बताया गया कि इनका बेटा छोटु कुमार जो दिनांक–16.11.2023 को रात्री 08:00 बजे कमाने जाने कहकर अपने घर से गया था जो अभी तक घर वापस नहीं आया है। इनके परिवार के द्वारा काफी खोजबीन किया गया परन्तु अबतक पता नहीं चल सका है। अतः आम जनता से अनुरोध है कि उक्त लापता छोटु कुमार ग्राम–जरही, थाना–डंडई, जिला–गढ़वा, राज्य– झारखण्ड का किसी प्रकार की सूचना प्राप्त हो तो पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय), गढ़वा के मो0नं0–9431706284 या पुलिस अधीक्षक, गढ़वा के मो0नं0–9431706281 पर सूचित करने की कृपा करें।

हुलियाः–
नाम–छोटु कुमार
रंग–सावला
पहनावा–जींस एवं काला रंग का शर्ट

निवेदक,
पुलिस अधीक्षक,
गढ़वा।

PR 314830 (Police) 23-24 (D)

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
Road Construction Department, Road Division, Daltonganj.

e-Procurement Notice

e-Tender Ref No- 6/ RCD/Daltonganj/2023-24/1322

Dated:-. 29.12.2023

1.	Name of Work	IRQP of Daltonganj Chhamuhan to Railway Station via Sadik Manzil Chowk Belwatikar Chowk. (Length-2.50 Km) for the year 2023-24.
2.	Estimated Cost	Rs. 1,86,38,973.35 (Rupees One Crore Eighty Six Lac Thirty Eight Thousand Nine Hundred Seventy Three and Thirty Five Paise) Only.
3.	Bid Security (Amount)	Rs. 1,86,390.00 (Rupees One Lac Eighty Six Thousand Three Hundred Ninety) Only.
4.	Time of Completion	03 Months
5.	Date of Publication of Tender on Website	17.01.2024, 10:30 AM
6.	Last Date/Time of Online Bid Submission	07.02.2024, 12:00 Noon
7.	Date and Time of Bid opening	08.02.2024, 12:30 PM
8.	Bid (Tender Fee & EMD) Submission Address	Cost of bidding document (for a non refundable fee) & Bid security as indicated shall be payable online through http://jharkhandtenders.gov.in
9.	Name & address of officer Inviting tender	Executive Engineer, R.C.D., Road Division, Daltonganj.06562–225019
10.	E-mail Id	eercdmedini-jhr@nic.in
11.	Helpline number of e Procurement cell	0651-2401010

Note : Estimated amount may vary.

For further details can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in.

Executive Engineer
Road Construction Department
Road Division, Daltonganj.

PR 314796Road(23-24)#D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, लघु सिंचाई प्रमण्डल, मेदिनीनगर

ई–निविदा आमंत्रण सूचना

e-Tender Reference No. : WRD/MID/MEDININAGAR/F_2-01/2023-24 Dated :-...../12/2023

क्रमांक	योजना का नाम	प्रखण्ड	प्राक्कलित राशि (रूपये में)	अग्रधन की राशि (रूपये में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रूपये में)	वेबसाईट में ई–निविदा प्रकाशन की तिथि एवं समय	वेबसाईट में ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय	ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय	ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी के कार्यालय का नाम एवं पता	ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का मोबाईल नम्बर	कार्य समाप्ति की अवधि
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
1	चरनीया दह नदी पर पक्का चेकडैम का निर्माण, प्रखण्ड–मनातू,जिला–पलामू	मनातू	65,93,974=00	131900.00	10,000.00	03/01/2024 (अपराह्न 04.00 बजे से)	24/01/2024 (अपराह्न 04.00 बजे तक)	25/01/2024 (अपराह्न 05.00 बजे)	कार्यपालक अभियंता, लघु सिंचाई प्रमंडल, मेदिनीनगर।	06562-240100	11 माह
2	बंका नाला पर पक्का चेकडैम का निर्माण, प्रखण्ड–पाटन, जिला–पलामू	पाटन	79,99,068=00	160000.00	10,000.00						11 माह
3	छठी नाला पर पक्का चेकडैम का निर्माण, प्रखण्ड–पॉकी, जिला–पलामू	पॉकी	49,41,789=00	98900.00	5,000.00						11 माह

(1) केवल ई–निविदा ही स्वीकार किया जायेगा।
(2) निविदा शूल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा ही स्वीकार्य होगी।
(3) निविदा शूल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो सारी जवाबदेही संबंधित निविदादाता की होगी।
(4) प्राक्कलित राशि घट बढ़ सकती है। अग्रधन की राशि परिमाण विपत्र की राशि के अनुसार होगी।
(5) राज्य सरकार के द्वारा निर्गत सभी अद्यतन आदेश/परिपत्र लागु होंगे।

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट http://jharkhandtenders.gov.in मेंलॉगआन करें।

कार्यपालक अभियंता,
लघु सिंचाई प्रमंडल, मेदिनीनगर

PR 314694 District(23-24).D

एक नजर इधर भी

चुनावी भंवर में फंसी कांग्रेस

लोकसभा चुनाव का आगाज होने से पहले 14 जनवरी से कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी न्याय यात्रा शुरू करने वाले हैं। उनकी 67 दिन की यह प्रस्तावित यात्रा 67 जिलों और 14 राज्यों से गुजरेगी। राहुल की यह न्याय यात्रा निसंदेह चुनावी माहौल को कांग्रेस के लिए अनुकूल बनाने के लिए होगी, लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या कांग्रेस बिना सशक्त विचारधारा, स्पष्ट नीतियों और सशक्त नेतृत्व के बिना सत्ताधारी दल भाजपा को लोकसभा चुनाव में चुनौती दे पायेगी? क्या यह सच नहीं है कि लगभग 140 साल पुराना सियासी दल कांग्रेस इस समय लचर नेतृत्व और स्पष्ट विचारधारा के संकट से गुजर रहा है? वर्तमान में सत्ताधारी दल भाजपा काफी मजबूत स्थिति में है। भाजपा का मुकाबला करने के लिए 28 विपक्षी दलों ने मिलकर इंडिया नामक एक एलायंस बनाया है। लेकिन सीटों के बंटवारे और प्रधानमंत्री पद के चेहरे को लेकर जिस तरीके से इन दलों के बीच परस्पर मतभेद उभरे हैं, उससे इस गठबंधन की एकजुटता पर भी सवालिया निशान लग गया है। इस एलायंस का प्रमुख घटक दल कांग्रेस है। इस पार्टी ने देश के स्वतंत्र होने के बाद कई दशकों तक देश में शासन किया है। लेकिन आज यह पार्टी संकट के दौर से गुजर रही है। अपनी विचारधारा और सशक्त नेतृत्व के चलते ही कांग्रेस महज एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि आंदोलन था। सर्वविदित है कि देश की आजादी में कांग्रेस का अहम योगदान रहा है। लेकिन समय के साथ-साथ यह दल खुद को बदलने में पूरी तरह विफल रहा। अपनी लचर नीतियों एवं नेतृत्व के चलते ही उसे हाल ही में संपन्न पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में तीन प्रमुख तीन राज्यों-राजस्थान, मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में बुरी तरह से शिकस्त का सामना करना पड़ा। वर्ष 1885 में कांग्रेस का गठन हुआ था, उसके बाद से पार्टी की एक स्पष्ट विचारधारा विकसित हुई थी। आजादी के बाद पार्टी गांधीवादी विचारधारा से ओतप्रोत होकर सर्वजन हिताय की बात करती थी। पार्टी ने जवाहर लाल नेहरू के बाद लाल बहादुर शास्त्री के प्रधानमंत्री रहते कुछ हद तक इस विचारधारा को कायम रखा। लेकिन इंदिरा गांधी के कांग्रेस अध्यक्ष बनने के बाद चीजें बदलने लगीं। हालांकि उस दौरान स्थिति उतनी खराब नहीं थी, लेकिन सोनिया गांधी और राहुल गांधी के अध्यक्ष बनने के बाद पार्टी में जबरदस्त तरीके से स्पष्ट विचारधारा का अभाव देखने को मिलता है। पिछले कुछ दशकों में कांग्रेस के गांधीवाद में भयंकर घालमेल हुआ है। बाहरी मुखौटा तो गांधी दर्शन का है, किंतु आंतरिक चरित्र अवसरवादी बन गया है। आज कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल कभी खुद हिंदूवादी होने का दिखावा करते हैं तो कभी जे.एन.यू. में देशद्रोह मामले में आरोपितों के साथ खड़े दिखाई देते हैं, तो कई बार भारतीय सैनिकों की शौर्य-क्षमता पर ही सवाल उठा देते हैं। यही नहीं, वे इस्लामी आतंकियों और जिहादियों के प्रति सहानुभूति तक दिखा देते हैं। ऐसे में कांग्रेस की खुद की अपनी विचारधारा क्या है, यह पता लगना बेहद जटिल है। इसके अलावा कांग्रेस में सशक्त नेतृत्व का जबरदस्त संकट है। नेतृत्व और नीतिगत मोर्चे पर कांग्रेस आज बुरी तरह विफल रही है। पहले सोनिया गांधी पार्टी की अध्यक्ष रहीं और उसके बाद राहुल गांधी कांग्रेस अध्यक्ष रहे। कांग्रेस 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में बुरी तरह पराजित हो चुकी है। राहुल ने खुद की इमेज को ठीक करने के लिए भारत जोड़ो यात्रा सहित बहुत प्रयास किये और अब 14 जनवरी से न्याय यात्रा पर निकल रहे हैं। यही नहीं, 28 दलों के गठबंधन में जिस तरीके से पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री पद का कैंडीडेट राहुल की जगह कांग्रेस के वर्तमान अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का नाम प्रस्तावित कर दिया, उससे यह पता चलता है कि विपक्षी दल भी राहुल को इस पद का चेहरा नहीं मानते। यह कमजोर नेतृत्व का ही परिणाम है कि राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट के झगड़े सार्वजनिक रूप से चलते रहे और राहुल गांधी कुछ नहीं कर पाये। इसी तरीके से पार्टी में उपेक्षित होने के चलते युवा नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया, जतिन प्रसाद और आरपीएन सिंह जैसे नेताओं ने कांग्रेस छोड़कर भाजपा का दामन थाम लिया।

■ **डॉ. अनिल कुमार निगम**

नये वर्ष से राम राज्य की सकारात्मक ऊर्जा मिलेगी

एक युगांतरकारी घटना के तहत भगवान श्रीराम पांच सौ वर्षों के बाद टेंट से मन्दिर में स्थापित होंगे। अयोध्या में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी श्रीराम मन्दिर का उद्घाटन 22 जनवरी, 2024 को करेंगे, निश्चित ही नये वर्ष से जन-जन को रामराज्य की सकारात्मक ऊर्जा मिलेगी, भारत एक नये युग में प्रवेश करेगा। जितनी आस्था एवं भक्ति से जन-जन ने श्रीराम के प्रति भक्ति एवं आस्था व्यक्त की है, उतनी ही आस्था एवं संकल्प से अब हर व्यक्ति श्रीराम के आदर्शों को अपने जीवन में उतारे एवं स्वयं को श्रीराममय बनाये। श्रीराम बनने की तैयारी करें। अब पुर्नजन्म श्रीराम का ही नहीं, हमारा भी हो। हमारे इर्द-गिर्द श्रीराम की बहुत-सी श्रेष्ठताएं हैं, जो हमें महानता तक ले जाती है और जीवन-मूल्यों की प्रतिष्ठा करती हैं। नया वर्ष भारत के लिये वास्तविक रूप में रामराज्य की स्थापना का ऐतिहासिक वर्ष होगा। श्रीराम को 'मर्यादा पुरुषोत्तम' कहा गया है अर्थात पुरुषों में सबसे श्रेष्ठ उत्तम पुरुष। आज की जटिल, समस्याग्रस्त एवं अनैतिक स्थितियों के समाधान के लिये अपेक्षा है कि हर व्यक्ति श्रीराम बने, उत्तम पुरुष बने। हर व्यक्ति के सामने एक विचारणीय एवं बड़ा प्रश्न है कि वह आज का राम कैसे बने? राम वही बन सकता है जिसने स्वयं को पाने के लिये सकारात्मक यात्रा प्रारंभ की है, जिसमें लक्ष्य के प्रति पूर्ण समर्पण है। जिसमें कष्टों को सहने की सहिष्णुता और धैर्य है, प्रतिकूलताओं एवं कष्टों के बीच सुख और श्रेय खोज लेने की प्रकृति है। शब्दों के कोलाहल में मौन रहने का संकल्प है। जो पुरुषार्थ से अपना भाग्य बदलना जानता है। जिसमें प्राणीमात्र के प्रति प्रेम, करूणा एवं मैत्री का भाव है। जो अपने विरोधी या शत्रु से भी सीखने को वरीयता दे। जिसका जीवन सादगी एवं संयम का प्रेरक हो। जो बुराइयों एवं अत्याचार के खिलाफ मोर्चा लेने को तत्पर हो। उन्नत एवं आदर्श समाज एवं राष्ट्र रचना जिसका जीवन-सपना हो। जो स्व और पर के अभ्युदय के लिये तत्पर हो। श्रीराम के इन गुणों को अपनाते हुए हर व्यक्ति राम बनने की ओर प्रस्थान कर सकता है। प्रभु श्रीराम के व्यक्तित्व में विलक्षण संतुलन मिलता है। शांत-गंभीर और सौम्य श्रीराम ने कभी अपना संतुलन नहीं खोया। उन्होंने कभी परिस्थिति को अपने ऊपर हावी होने नहीं दिया बल्कि हर परिस्थिति में दृढ़ता बनाये रखना ही उनका स्वभाव है। आज के मुश्किल समय में हमें यही सीखना है। अनिश्चितता और संशय भरे समय में जब हर कोई टूटा हुआ, भंवर में पड़ा महसूस कर रहा है, श्रीराम की कर्तव्य पथ पर डटे रहने की प्रेरणा काम आ सकती है। मैं तो कहूंगा यदि हम प्रभु श्रीराम के व्यक्तित्व का कुछ अंश भी, उनसे कुछ बूंद भी ग्रहण कर सकें, तो निश्चित ही अपने व्यक्तित्व और जीवन में बदलाव महसूस कर सकते हैं। ऐसा करते हुए हम व्यक्तिगत, पारिवारिक, सामाजिक, राष्ट्रीय एवं वैश्विक जीवन को उन्नत एवं आदर्शमय बना सकते हैं। आज प्रभु श्रीराम के पुर्नजन्म से ज्यादा जरूरी है, अब हमारा पुर्नजन्म हो। हम श्रीराम के व्यक्तित्व से सीखें, उनके जीवन-आदर्शों पर अपने जीवन को ढ़ाले, जैसे श्रीराम अपने वचन के पक्के थे और इसके लिए बड़े से बड़ा त्याग किया। हमें भी वचनबद्ध होने की साधना करनी चाहिए। श्रीराम को खुद पर भरोसा था और उन्होंने साथ रहने वाले लोगों में भी भरोसा जगाया, हमें भी अपना भरोसा जगाना चाहिए। आगे बढने के लिए दृढ़ संकल्प काफी है। इसके बाद साधन की कमी राह में रोड़ा नहीं बनती। चाहे सेना कम हो या सुविधाओं का अभाव, श्रीराम ने रावण पर अपने दृढ़ संकल्प की बदौलत ही जीत हासिल की। अपनी संकल्प शक्ति से प्रभु श्रीराम की तरह व्यक्ति महानता के उस शिखर को भी छू सकता है, जहां देवता भी नहीं पहुंच पाये थे। एक युवा मन ने वन-गमन के फैसले को सहर्ष स्वीकार किया। तनिक भी विचलित नहीं हुए, बल्कि उस समय विलाप कर रहे मां, भाई और समाज के लोगों में भी अपने निर्णय पर अटल रहने की प्रेरणा जगा दी। उद्देश्य को लेकर स्पष्ट होना जरूरी है, आपका लक्ष्य क्या है, यह पता होना चाहिए। भाषा-विवेक जरूरी है। अनुचित भाषा का प्रयोग प्रभु श्रीराम ने कभी नहीं किया। हर किसी का स्वागत मुस्कुरा कर करते और उसे तुरंत अपना बना लेते। कभी यह नहीं याद रखा कि औरों ने उनके साथ क्या और कैसा व्यवहार किया, सबके प्रति प्रेम भाव रखा और कर्म पथ पर अडिग रहे। दृष्टि संकुचित नहीं, बल्कि इसमें अथाह विस्तार था। वह परिवार केंद्रित नहीं रहा, बल्कि समस्त मानव जाति के प्रति प्रेम ही था उनका संदेश। अपनी महानता के बारे में कभी विचार नहीं किया, न इसका एहसास कराने की जरूरत समझी। जमीनी बने रहे।

> **अयोध्या में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी श्रीराम मन्दिर का उद्घाटन 22 जनवरी, 2024 को करेंगे, निश्चित ही नये वर्ष से जन-जन को रामराज्य की सकारात्मक ऊर्जा मिलेगी, भारत एक नये युग में प्रवेश करेगा। जितनी आस्था एवं भक्ति से जन-जन ने श्रीराम के प्रति भक्ति एवं आस्था व्यक्त की है, उतनी ही आस्था एवं संकल्प से अब हर व्यक्ति श्रीराम के आदर्शों को अपने जीवन में उतारे एवं स्वयं को श्रीराममय बनाये।**

इन दिनों

ललित गर्ग

सांसारिक जीवन में आगे बढ़ने, नाम कमाने यानी ख्याति, यश, कीर्ति के लिए सद्गुणों और अच्छे कामों की बड़ी भूमिका होती है, क्योंकि गुण ही किसी भी इंसान को असाधारण और विलक्षण प्रतिभा का स्वामी बना देते हैं। इंसान को अपने जीवन में सफल होने के लिए किन खास गुणों पर ध्यान देना चाहिए ये रामजी के चरित्र के माध्यम से बताया गया है। उन्होंने मानवीय रूप में जन-जन का भरोसा और विश्वास अपने आचरण और असाधारण गुणों से ही पाया। उनकी चरित्र की खास खूबियों से ही वह न केवल लोकनायक बने, बल्कि युगान्तर में भी भगवान के रूप में पूजित हुए। हम राम तो बनना चाहते हैं पर श्रीराम के जीवन आदर्शों को अपनाना नहीं चाहते, यह एक बड़ा विरोधाभास है। अजीब है कि जो हमारे जन-जन के नायक हैं, जिन प्रभु श्रीराम को अपनी सांसों में बसाया है, जिनमें इतनी आस्था है, जिनका पूजा करते हैं, हम उन व्यक्तित्व से मिली सीख को अपने जीवन में नहीं उतार पाते। जरा सोचिए क्या न्याय पाने के लिए कानून को तोड़ा जा सकता है? प्रभु श्रीराम ने तो न्याय के लिए बड़े से बड़ा त्याग किया। अपने-पराये किसी भी चीज की परवाह नहीं की। न्याय के लिए नियमों को सर्वोपरि रखा और मर्यादा पुरुषोत्तम कहलाए! पर हमने यह नहीं सीखा और न्याय के नाम पर नियमों को तोड़ना आम बात हो गई है।

फिर से कोरोना की दहशत व भारतीय रेल व्यवस्था

देश में एक बार फिर घोर संक्रमणकारी मर्ज कोरोना के संभावित विस्तार को लेकर अटकलों का बाजार गर्म है। कोरोना के लगातार बढ़ रहे मामलों ने पूरे देश को एक बार फिर चिंता में डाल दिया है। भारतीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार कोरोना के नये मामलों के साथ-साथ उसका नया वैरिएंट जेएन.1 भी पैर पसारने लगा है। भारत में अब तक इस वायरस के कई मामले सामने आ चुके हैं। नये वैरिएंट को लेकर आईसीएमआर जियो सिक्वेंसिंग के माध्यम से जानकारी जुटाने में लगा हुआ है। परन्तु स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह भी कहा है कि इसे लेकर फिलहाल घबराने की जरूरत नहीं है क्योंकि नये वैरिएंट की चपेट में आये अधिकांश लोगों का इलाज अब तक घर पर ही संभव हो सका है। फिर भी देश उन दिनों को भूल नहीं पा रहा जब भारत सहित विश्व के अधिकांश देश 'लॉक डाउन' से जूझ रहे थे। उस समय विश्व की अनेक सरकारों ने जहां कोरोना के वैश्विक प्रसार को रोकने के लिये पूरे विश्व की विमान सेवाओं को स्थगित कर दिया था वहीं देश के भीतर रेल व बस सहित लगभग सभी सार्वजनिक यहाँ तक कि निजी वाहनों के आवागमन को भी कोरोनाकाल में प्रतिबंधित कर दिया गया था। माना जाता है किसी भी देश में महामारी के विस्तार में सबसे बड़ी भूमिका रेल प्रणाली की ही होती है। क्योंकि इसमें बड़ी संख्या में यात्री एक दूसरे के निकट आते जाते व बैठते हैं तथा देर तक और दूर तक साथ यात्रा करते हैं। इसलिये किसी भी महामारी के विस्तार में रेल सबसे अहम भूमिका निभाती है। अब एक बार फिर भारत में कोरोना के पैर पसारने की खबर आ रही है। इस बार यह एक नये वैरिएंट के साथ फैल रहा है। देश के लगभग सभी राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में कोरोना के मामले बढ़ते जा रहे हैं। कई एयर पोर्ट पर यात्रियों की प्रारंभिक व जरूरी जांच शुरू हो चुकी है। कुछ राज्यों ने मास्क अनिवार्य कर दिये हैं। सरकार की ओर से भी नागरिकों को कोरोना से बचाव सम्बन्धी दिशा निर्देश दिये जा रहे हैं। परन्तु सबसे बड़ा सवाल यह है कि देश की रेल व्यवस्था जिसे की कोरोना विस्तार का सबसे अहम कारक माना जाता है उसे लेकर सरकार और रेल मंत्रालय की तरफ से क्या तैयारियां हैं? इत्तेफाक से पिछले दिनों एक पारिवारिक विवाह समारोह में शिरकत करने के लिये लखनऊ जाने का मौका मिला। कोरोना विस्तार के भय के साये में हो रही लखनऊ की यह रेल यात्रा बेहद चौकस होकर करनी पड़ी। परन्तु अफसोस की बात तो यह है कोरोना की दहशत के साये में भी ट्रेन में दुर्व्यवस्था,गंदिगी,विभागीय अवहेलना का वही आलम देखने को मिला जो आम तौर पर भारतीय रेल में हमेशा ही दिखाई देता है। मेरा आरक्षण 13307 गंगा सतलुज ट्रेन में था। अपराह्न करीब तीन बजे ट्रेन लखनऊ पहुंची। धनबाद से चलकर लखनऊ पहुँचने वाली ट्रेन के वातानुकूलित कक्ष में फर्श पर हर तरफ चादर कम्बल आदि फैले हुये थे। परन्तु साथ चल रहे बेडिंग वितरण स्टाफ की अनदेखी व अकर्मण्यता के चलते उन्हें समेटा नहीं गया था जिसके चलते वह डिब्बे में इधर उधर गुजरने वाले यात्रियों के जूतों की ठोकरें खा रहे थे। कई वातानुकूलित कक्ष तो ऐसे थे जिसके एक प्रवेश द्वार को इन्हीं बेड रोल वितरण स्टाफ द्वारा बेड रोल के बोरों से भरकर स्थाई रूप से बंद कर दिया गया था। इससे यात्रियों द्वारा कम्पार्टमेंट का एक ही दरवाजा प्रयोग में लाया जा रहा था जोकि उस डिब्बे में चढ़ने उतरने वाले यात्रियों के लिये काफी भीड़ भरा व कष्टदायक था। दूसरी तरफ मेरे जैसे अनेक यात्री जो लखनऊ से अपराह्न 3 बजे सवार हुये थे उन्हें ठण्ड होने के बावजूद रात आठ बजे तक बेडिंग नहीं दी गयी। उधर इसी ट्रेन के डिब्बे में टॉयलट से लेकर आवागमन के रास्तों में यहाँ तक कि शयन बर्थ पर गंदिगी का वह आलम था की जगह जगह कॉकरोच विचरण करते दिखाई दे रहे थे। वाश बेसिन ओवरफ़्लो हो रहे थे। कोई सेनिटाइजिंग का प्रबंध नहीं, बल्कि दुर्गन्धपूर्ण वातावरण था। इसके बजाये वातानुकूलित कक्ष में सारी रात आम यात्रियों की आवाजाही और टी टी की 'अनुकम्पा' से उन्हें ए सी कोच में यात्रा के लिये इजाजत देना जैसी अनेक बातें ऐसे थीं जिन्हें देखकर यह महसूस ही नहीं हो रहा था कि देश एक बार फिर कोरोना की दहशत में जी रहा है। और न ही इस बात का एहसास हो रहा था कि सरकार खासकर रेल विभाग की ओर से भी ऐसे कोई उपाय किये गये हों जोकि कोरोना विस्तार को रोकने में मददगार साबित हों? यहां तक कि रेलवे स्टेशन पर भी इससे सम्बंधित कहीं कोई निदेर्शावली नजर नहीं आई।

> **भारतीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार कोरोना के नये मामलों के साथ-साथ उसका नया वैरिएंट जेएन.1 भी पैर पसारने लगा है। भारत में अब तक इस वायरस के कई मामले सामने आ चुके हैं। नये वैरिएंट को लेकर आईसीएमआर जियो सिक्वेंसिंग के माध्यम से जानकारी जुटाने में लगा हुआ है।**

■ **निर्मल रानी**

है न विचित्र बात !

कालगणना नहीं, कालबोध है महत्वपूर्ण

अस्तित्व सदा से है और सदा रहता है। यह सनातन है। चिरन्तन है। यह नया या पुराना नहीं होता। लेकिन अनुभव और अनुभूति में यह प्रतिपल नया है। सूर्य प्रतिपल नया है। हर एक सूर्योदय नया है। इसके पहले मुदित मन प्रतिदिन आती ऊषा भी नई है। ऋग्वेद के ऋषि ऊषा के सौन्दर्य का वर्णन करते हैं। बताते हैं कि यह ऊषा नई हैं और पुराणी युवती हैं। पुराणी युवती शब्द का प्रयोग ध्यान देने योग्य है। युवती शब्द का प्रयोग तरुण स्त्री के लिए होता है। लेकिन ऋषि की अनुभूति में ऊषा पुरानी होकर भी नई हैं। चन्द्र भी प्रतिदिन नया है और साथ साथ पुराना भी। प्रत्येक पूर्णिमा नई है और अमावस्या भी नई है। वर्षा की हर एक बूंद भी नई है। शीत नई है और ऊष्मा भी नई है। यहां नए का अलग अस्तित्व नहीं है। वह पहले से गतिशील अस्तित्व का विस्तार है। समय भी नया या पुराना नहीं होता। समय अखण्ड है। यूरोपीय काल गणना के अनुसार आज (रविवार) देररात 12 बजे वर्षान्त होगा और उनकी मान्यता के अनुरूप नववर्ष प्रारम्भ हो जाएगा। ह्यहैप्पी न्यू ईयरह्य की तैयारियां जोरों पर हैं। इन तैयारियों में अस्तित्व की अनुकम्पा व प्रसाद के गीत नहीं है। अनेक लोग इसी बहाने नई तरह की दारू का इंतजाम कर रहे हैं और नाच गाने का भी। 'हैप्पी न्यू ईयर' सिर पर चढ़कर बोल रहा है। यूरोपीय नववर्ष लगभग हर वर्ष अपने साथ कड़ाके की ठण्ड और सर्द हवाएं लेकर आता है। अंग्रेजी कैलेंडर में जनवरी में जनवरी ही नई है। वैसे जनवरी में कुछ भी नया नहीं होता। न कोई आह्लाद। न प्रसाद, न ऋतु। न आनंद। प्रकृति का कोई छंद और न सुख अनुभव कराने वाली कोई गंध और न स्पर्श। गंध ढोकर लाने वाली हवाएं स्वयं शीत के प्रभाव में हैं। वातावरण में सर्दी ही सर्दी है। सर्दी भी स्वयं दुबकी हुई दिखाई पड़ती है। सर्दी और कोहरे ने 'हैप्पी न्यू ईयर' का मजा कम कर दिया है। तो भी लोगबाग एक दिन पहले से ही 'हैप्पी न्यू ईयर' का नगाड़ा बजा रहे हैं। प्रकृति ने जम्बूद्वीप भरतखण्ड को पूरे मनोयोग से गढ़ा है। यहां सत्य शिव सौन्दर्य की छटा है। प्रकृति नाना रूपवती है। जम्बूद्वीप भरतखण्ड में सदा नीरा नदियां हैं। इठलाती गीत जाती नदियां स्वयं आनंद रस परिपूर्ण हैं। यहां नदियां माताएं हैं और देवियां हैं। इस भूखण्ड में अनंत जलराशि वाले समुद्र भी हैं। फूलों की घाटियां हैं। आकाश छूने को लालायित विशाल मंदिर हैं। सब तरफ वन उपवन हैं। गंधमादन वातायन है। जलाशयों में कमल के फूल हैं। कालिदास ने मेघदूत में कमल के फूलों वाले क्षेत्रों की मोहक चर्चा की है। अथर्ववेद के भूमि सूक्त में भी कमल की विस्तृत चर्चा है। यहां 6 ऋतुएं हैं। सभी ऋतुओं के अपने आकर्षण हैं। लेकिन अंग्रेजी नववर्ष में नदियों में कोई उल्लास नहीं होता। दिशाएं उल्लासधर्मा नहीं होतीं। प्रकृति के नियम शाश्वत हैं। पृथ्वी सूर्य की परिक्रमा करती है। दिन रात मिलाकर 720 अहोरात्र हैं। अहोरात्र दिन रात के जोड़े हैं। पृथ्वी सहित अनेक ग्रह गतिशील हैं। हमारे पूर्वजों ने काल को चक्रीय बताया है। चक्र की गति में प्रथम और आखिरी नहीं होता। तब नया साल कहां से आया। हमारी समस्या है कि नए साल की गिनती कहां से शुरू करें। प्रश्न यह भी है कि नए साल की गिनती पहली जनवरी से क्यों शुरू होती है। न्यू ईयर वाली जनवरी बिंदास होती है। लेकिन जनवरी में बसंत जैसी सुगन्धित वायु नहीं बहती। वातावरण मधुवाता नहीं होता। मन प्रश्नाकुल है नया साल बसंत से क्यों नहीं शुरू होता? फाल्गुन या चैत्र से क्यों नहीं। यूरोपीय विद्वानों ने हड़बड़ी में 10 महीने का कैलेंडर बनाया था। उनके कैलेंडर में तब जनवरी और फरवरी नहीं थे। तब कैलेंडर का सातवां महीना सितम्बर था। आठवां अक्टूबर है। नवां नवंबर है और दसवां दिसम्बर है। अंग्रेजी कैलेंडर के सातवें, आठवें, नवें और दसवें महीने संख्यावाची हैं। बाद में इसमें जनवरी और फरवरी जोड़ दी गई। तब सातवां माह नवां हो गया। आठवां अक्टूबर था लेकिन दसवां हो गया। नवां नवंबर था। यह ग्यारहवां हो गया और दसवां दिसम्बर बारहवां हो गया। कालगणना महत्वपूर्ण नहीं है।

■ **हृदयनारायण दीक्षित**

उत्तर प्रदेश में बढ़ता धार्मिक पर्यटन भारत को दे रहा आर्थिक गति

उत्तर प्रदेश राज्य आज भारत का तीसरा सबसे बड़ा टेक्स्टायल उत्पादन करने वाला राज्य भी बन गया है। राष्ट्रीय उत्पादन में उत्तरप्रदेश राज्य का योगदान बढ़कर 13.24 प्रतिशत हो गया है। उत्तरप्रदेश राज्य में आज 250,000 लाख के आसपास हैंडलूम बुनकर एवं 421,000 पावरलूम बुनकर कार्य कर रहे हैं। भारत के आर्थिक विकास की रफ्तार को गति देने में कुछ राज्यों का योगदान तेजी से बढ़ रहा है। हाल ही के समय में विशेष रूप से उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, तेलंगाना, गुजरात एवं राजस्थान जैसे राज्यों की आर्थिक विकास की गति तेज हुई है, जिससे यह राज्य भारतीय अर्थव्यवस्था के आकार को 5 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का बनाने में विशेष योगदान देते हुए दिखाई दे रहे हैं। हालांकि महाराष्ट्र, तमिलनाडु, एवं कर्नाटक जैसे कुछ अन्य राज्यों का योगदान भी नकारा नहीं जा सकता है, परंतु इन राज्यों के आर्थिक विकास की दर तुलनात्मक रूप से कुछ स्थिर सी रही है अथवा कुछ कम हुई है। समस्त राज्यों के बीच तमिलनाडु एवं गुजरात राज्यों को पीछे धकेलते हुए उत्तर प्रदेश अब भारत की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला राज्य बन गया है। भारतीय अर्थव्यस्था में उत्तर प्रदेश का योगदान 9.2 प्रतिशत का हो गया है। भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार आज 3.7 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक का हो गया है। इसमें महाराष्ट्र राज्य का हिस्सा 15.7 प्रतिशत है। उत्तरप्रदेश राज्य का हिस्सा 9.2 प्रतिशत, तमिलनाडु राज्य का 9.1 प्रतिशत, गुजरात राज्य का 8.2 प्रतिशत, पश्चिम बंगाल राज्य का 7.5 प्रतिशत है। देश की अर्थव्यवस्था में उत्तर पूर्वी राज्यों एवं जम्मू कश्मीर के बाद बिहार का भी काफी कम योगदान अर्थात केवल 3.7 प्रतिशत दिखाई पड़ता है, जबकि बिहार की जनसंख्या 13 करोड़ के आसपास है। बिहार को आर्थिक विकास की दृष्टि से आज भी पिछड़ा राज्य कहा जा रहा है। पूर्व के बीमारु राज्यों की श्रेणी से उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश एवं राजस्थान राज्य बाहर आ चुके हैं जबकि बिहार राज्य आज भी इसी श्रेणी में अटका हुआ है। वित्तीय वर्ष 2021-22 में महाराष्ट्र राज्य की अर्थव्यवस्था का आकार 41,720 करोड़ अमेरिकी डॉलर था, तमिलनाडु राज्य का आकार 27,800 करोड़ अमेरिकी डॉलर था, गुजरात राज्य का आकार 26540 करोड़ अमेरिकी डॉलर था, उत्तरप्रदेश राज्य का आकार 26,510 करोड़ अमेरिकी डॉलर था, कर्नाटक राज्य का आकार 26,350 करोड़ अमेरिकी डॉलर था और पश्चिम बंगाल राज्य का आकार 18,310 करोड़ अमेरिकी डॉलर था। पिछले कुछ वर्षों से चूंकि उत्तरप्रदेश राज्य की अर्थव्यवस्था की विकास दर सबसे तेज बनी हुई है अतः आज उत्तरप्रदेश राज्य की अर्थव्यवस्था का आकार भारत में दूसरे स्थान पर आ गया है। उत्तरप्रदेश ने अपने राज्य की अर्थव्यवस्था के आकार को वर्ष 2027 तक एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। जबकि, महाराष्ट्र भी अपने राज्य को वर्ष 2028 तक एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाना चाहता है। इस दृष्टि से अब उत्तरप्रदेश एवं महाराष्ट्र राज्यों के बीच इस संदर्भ में आपस में प्रतियोगिता चल रही है। महाराष्ट्र राज्य की जनसंख्या 11 से 12 करोड़ के बीच है जबकि उत्तरप्रदेश राज्य की जनसंख्या 20 करोड़ के आसपास है। इस दृष्टि से उत्तरप्रदेश राज्य लाभप्रद स्थिति में दिखाई दे रहा है क्योंकि विभिन्न उत्पादों के उपभोग की अधिक गुंजाइश उत्तरप्रदेश राज्य में हैं एवं देश में आज उत्तरप्रदेश राज्य तेजी से विनिर्माण क्षेत्र का हब बनता जा रहा है तथा उत्तरप्रदेश राज्य में धार्मिक पर्यटन भी बहुत तेज गति से विकसित हो रहा है। विशेष रूप से अयोध्या, वाराणसी, मथुरा जैसे धार्मिक पर्यटन स्थलों का विकास न केवल राष्ट्रीय बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर के पर्यटन को भी आकर्षित करता दिखाई दे रहा है। इससे उत्तरप्रदेश राज्य में रोजगार के नये अवसर भी भारी मात्रा में निर्मित हो रहे हैं। अतः उत्पादों के उपभोग के मामले में उत्तरप्रदेश राज्य के साथ किसी भी अन्य राज्य की प्रतियोगिता हो ही नहीं सकती हैं। आज उत्तरप्रदेश राज्य के नागरिक रोजगार हेतु अन्य राज्यों की ओर पलायन करते हुए नहीं दिखाई दे रहे हैं क्योंकि उत्तरप्रदेश राज्य में ही रोजगार के पर्याप्त नए अवसर निर्मित होने लगे हैं। उत्तरप्रदेश राज्य में आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आज राज्य सरकार भी भारी मात्रा में पूंजी निवेश कर रही है। निर्यात के क्षेत्र में भी उत्तरप्रदेश राज्य नित नये कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। उत्तरप्रदेश राज्य के राज्य निर्यात प्रोत्साहन ब्यूरो के अनुसार वित्तीय वर्ष 2016-17 में उत्तरप्रदेश राज्य से 84,000 करोड़ रुपए की राशि का निर्यात किया गया था जो वित्तीय वर्ष 2022-23 में दुगना होकर 174,000 करोड़ रुपए का हो गया है। वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए उत्तरप्रदेश राज्य ने 2 लाख करोड़ रुपए की राशि का निर्यात करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। उत्तरप्रदेश राज्य से सबसे अधिक निर्यात किये जाने वाले उत्पादों में इलेक्ट्रिक एवं इलेक्ट्रॉनिक वस्तुएं, दूरसंचार उपकरण, कृत्रिम फाइबर, गेहूं, चावल, कपास, कालीन एवं हस्तशिल्प जैसे उत्पाद शामिल हैं। दूसरे, उत्तरप्रदेश राज्य आज भारत का तीसरा सबसे बड़ा टेक्स्टायल उत्पादन करने वाला राज्य भी बन गया है। राष्ट्रीय उत्पादन में उत्तरप्रदेश राज्य का योगदान बढ़कर 13.24 प्रतिशत हो गया है। उत्तरप्रदेश राज्य में आज 250,000 लाख के आसपास हैंडलूम बुनकर एवं 421,000 पावरलूम बुनकर कार्य कर रहे हैं। चूंकि कपड़ा उद्योग कम पूंजी निवेश के साथ अधिक मानवीय आधारित उद्योग है, अतः इस क्षेत्र में रोजगार के लाखों नये अवसर निर्मित हो रहे हैं। साथ ही, उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र में रक्षा इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण कलस्टर एवं लखनऊ उन्नाव कानपुर क्षेत्र में मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण कलस्टर भी स्थापित किये जा रहे हैं। इन क्षेत्रों में विनिर्माण इकाईयां स्थापित करने हेतु राज्य सरकार द्वारा कई प्रकार के प्रोत्साहन भी दिये जा रहे हैं। विभिन्न प्रदेशों की विधान सभाओं में प्रस्तुत किये गये वित्तीय वर्ष 2022-23 के आर्थिक सर्वेक्षणों में वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए इन प्रदेशों की अनुमानित आर्थिक प्रगति की दर को दर्शाया गया है। उत्तरप्रदेश में वित्तीय वर्ष 2022-23 में आर्थिक प्रगति की दर 16.8 प्रतिशत रहने की सम्भावना व्यक्त की गई है, इसी प्रकार मध्यप्रदेश में 16.34 प्रतिशत, राजस्थान में 16.4 प्रतिशत, गुजरात में 15.5 प्रतिशत, तेलंगाना में 15.6 प्रतिशत, महाराष्ट्र में 6.8 प्रतिशत, तमिलनाडु में 8.19 प्रतिशत, बिहार में 9.7 प्रतिशत, कर्नाटक में 7.9 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर रहने की सम्भावना व्यक्त की गई है। उत्तर प्रदेश में वित्तीय वर्ष 2023-24 में 19 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर हासिल करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। कुल मिलाकर भारत के समस्त प्रदेशों के बीच उत्तरप्रदेश राज्य आज आर्थिक विकास की दौड़ में सबसे आगे दिखाई दे रहा है।

> **भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार आज 3.7 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक का हो गया है। इसमें महाराष्ट्र राज्य का हिस्सा 15.7 प्रतिशत है। उत्तरप्रदेश राज्य का हिस्सा 9.2 प्रतिशत, तमिलनाडु राज्य का 9.1 प्रतिशत, गुजरात राज्य का 8.2 प्रतिशत, पश्चिम बंगाल राज्य का 7.5 प्रतिशत है। देश की अर्थव्यवस्था में उत्तर पूर्वी राज्यों एवं जम्मू कश्मीर के बाद बिहार का भी काफी कम योगदान अर्थात केवल 3.7 प्रतिशत दिखाई पड़ता है, जबकि बिहार की जनसंख्या 13 करोड़ के आसपास है।**

■ **प्रह्लाद सबनानी**

स्वामी, परिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा. लि. की ओर से इसके पब्लिकेशन डिवीजन, रेड़मा मेदिनीनगर (डालटनगंज), से हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा प्रकाशित एवं पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. C/O शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित. रजिस्ट्रेशन नं. RNI. 61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं.-13 । प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल', स्थानीय संपादक : ओम प्रकाश अमरेन्द्र*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नम्बर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची-83001, फोन नं.- 0651-3553943, गढ़वा कार्यालय : मेन रोड, गढ़वा-822114, फोन : 9430164580, लोहरदगा कार्यालय : सरस्वती निवास, तेली धर्मशाला के सामने, कृषि मार्केट, लोहरदगा। - फोन : 7903891779, ई-मेल : news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

ऐतिहासिक धरोहरों से भरे हैं पलामू के पिकनिक स्थल

अर्चना पांडेय

नये साल की शुरूआत होने को कुछ दिन ही बचा है। ऐसे में इतिहास में आप रुचि रखते हैं तो झारखंड में कई ऐसे ऐतिहासिक धरोहर है जहां आपको अवश्य जाना चाहिये। पलामू के पिकनिक स्पॉट ऐतिहासिक धरोहरों से भरे पड़े हैं। पलामू जिला मुख्यालय मेदिनीनगर से करीब 25 किलोमीटर दूर रबदा गांव के औरंगा नदी के तट पर हर साल सैकड़ों लोग पिकनिक मनाने आते हैं। यहां नदी के किनारे पर प्रकृति के मनोरम दृश्यों के बीच लोग भरपूर मनोरंजन करते हैं। यहां सैकड़ों वर्ष पुराना शिव मंदिर है। वहीं इस स्थान पर राजा मेदिनीराय की प्रतिमा भी स्थापित है। नदी के उस पार पहाड़ी पर पलामू किला नजर आता है। जो लोगों को अपनी और लुभाता है। इसी किले से राजा मेदिनीराय शासन करते थे। पलामू में दो दुर्ग हैं। भले ही वर्तमान समय में जर्जर अवस्था में हैं। लेकिन यह आज भी इस क्षेत्र के लोगों के लिए आन-बान-शान के प्रतीक हैं। पलामू किला तमाम ऐतिहासिक घटनाओं का साक्षी रहा है। पहाड़ी पर स्थित नये किले को राजा मेदिनीराय ने बनवाया था। वहीं पुराना किला भी चेरो राजवंश द्वारा बनवाया गया था। यहां जनवरी से मार्च तक पर्यटकों की भीड़ रहती है। इस किले को देखने बिहार,झारखंड,उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश आदि राज्यों से भी लोग देखने आते हैं। ये दोनों किले पलामू के इतिहास से जुड़ी कई बातों के सबूत देते हैं। यहां लोगों को शाहपुर किला तक गुप्त रास्ता,राजा-रानी द्वारा पानी भरने की जगह ,स्नान के स्थान आदि देखने को मिलता है।

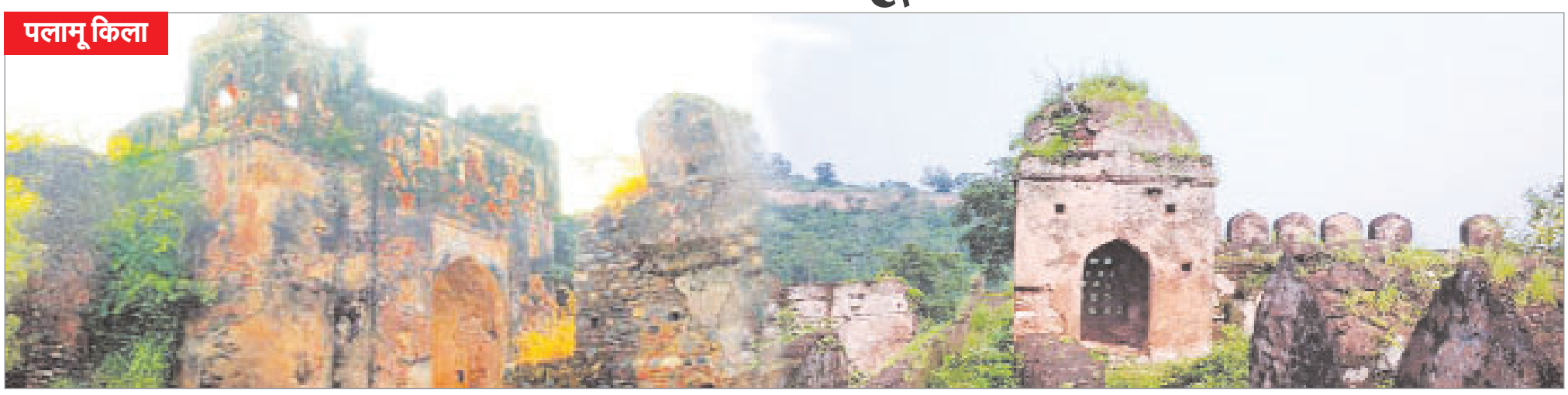
पलामू किला

पिकनिक स्पॉट गुलजार

काजल कुमारी

नवंबर गया, दिसंबर गया और गए सारे त्यौहार। नये साल की बेला पर झूम रहा संसार। अब जिसका आपको था बेसब्री से इंतजार मंगलमय हो आपके लिए 2024 का साल। नमस्कार दोस्तों आप सभी पलामूवासियों को मेरी तरफ से नये वर्ष की आगमन की हार्दिक शुभकामनाएं। मुगलों के शासन से ही प्रसिद्ध हमारा जिला पलामू जिसे की पहले पालून या पलून नाम से भी जाना जाता था। यहां के रमणीक पिकनिक स्पाट आपको रोमांच से परिपूर्ण कर देंगे। पलामू जिला के विभाजन के बाद बेतला नेशनल पार्क, पलामू किला सहित अन्य कई पर्यटन स्थल लातेहार जिला में चले गए। ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और भौगोलिक समृद्धि से भरपूर पलामू जिले में पर्यटन स्थलों की कमी नहीं है, लेकिन इन स्थानों पर सुविधाओं का विस्तार नहीं किया जा रहा है। प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर पलामू जिले में मोहम्मदगंज का भीम चूल्हा, चैनपुर का रानीताल, चियांकी पहाड़, सतबरवा का मलय डैम, केचकी संगम स्थल, कोयल और अमानत नदी संगम ,चियांकी पार्क, शाहपुर का किला सहित बहुत से ऐतिहासिक पर्यटन स्थल हैं। 501 फीट ऊंचे चियांकी पहाड़ से पूरे मेदिनीनगर शहर का नजारा सहजता से देखा जा सकता है। सतबरवा में स्थित मलय डैम को तो टापूओं के डैम के रूप में भी जाना जाता है।

मिर्चइया फॉल

नये साल की शुरुआत हैप्पी न्यू ईयर से...

स्वेता कुमारी

नया साल यह एक विशाल, आनंदमय पार्टी की तरह है। जिसमें दुनिया का हर कोई नए साल की पूर्वसंध्या पर शामिल होता है। हम उत्सुकता से नए साल का स्वागत करते हैं और साल के इस अनोखे समय में पुराने को अलविदा कहते हैं। एक जादुई रीसेट बटन की तरह, नया साल हमें नई शुरूआत करने, नए अनुभव आजमाने और अपनी खुशियां बढ़ाने के लिए प्रेरित करता है। जीवन में जैसे नया दिन की शुरूआत होती है, तो लोग एक नयी ऊर्जा के साथ दिन की शुरूआत करते हैं। अपने नये लक्ष्यो के साथ दिन के कार्यो में लग जाते हैं। ठीक वैसे हीं जैसे ही पुराना साल खत्म होता है, लोग नए नए लक्ष्यो के साथ नए साल की शुरूआत करते हैं। लोग नए साल में जो बीते सालों में हासिल नहीं कर पाये। उसे नए साल में पाने के लिए खुद को नए साल से प्रेरणा लेते हुए खुद को प्रेरित करते हैं। वहीं फिर उसे पूरा करने के लिए जी जान से लग जाते है। दुनिया भर में लोग नए साल की पूर्वसंध्या का खुशी भरा त्योहार मनाते हैं। यह ग्रेगोरियन कैलेंडर के अनुसार एक नए साल की शुरूआत है, जिसमें 12 महीने होते हैं और 1 जनवरी को नए साल के पहले दिन के रूप में गिना जाता है। 31 दिसंबर 2023 की आधी रात के 12 बजते हीं सुई के एक सेकंड के बदलने से ही साल का पूरा कैलेंडर ही बदल जाता है। इस तरह नए साल की शुरूआत होती

है। फिर सभी लोग एक दूसरे को हैप्पी न्यू ईयर की बधाई, शुभकामनाएं एसएमएस, मैसेज ग्रीटिंग या फिर फोन के जरिये एक दूसरे को बधाई और शुभकामना संदेश देते हैं। एक महीने पहले से ही दुनिया भर में लोग अपने नए साल के संकल्पों और तैयारियों की योजना बनाना शुरू कर देते हैं। नए साल की पूर्वसंध्या संस्कृति और जाति की सीमाओं से परे, दुनिया भर के लोगों के लिए एक खुशी का अवसर है। सभी उम्र के लोग उत्साह के साथ जश्न मनाते हुए विभिन्न गतिविधियों में भाग लेते हैं। कई शैक्षणिक संस्थानों में शीतकालीन अवकाश मनाया जाता है। जो क्रिसमस की पूर्व संध्या से शुरू होता है और 1 जनवरी तक चलता है। नए साल का मतलब यह है कि यह एक नई शुरूआत और खुशी का प्रतीक है क्योंकि लोग पिछले साल को अलविदा कहते हैं। यह खुशी का अवसर लोगों को नई शुरूआत और आने वाले वर्ष में मिलने वाले अवसरों की साझा उम्मीद में एकजुट करता है।

पूरे दुनिया में मनाया जाता है नववर्ष का उल्लास

पूजा गुप्ता

नये साल की पूर्व संध्या पर पूरी दुनिया में उल्लास का वातावरण छा जाता है। नये साल के पहले दिन तो देश-विदेश के पिकनिक स्पाट सैलानियों से गुलजार हो उठते हैं। यह नये विशेष की शुरूआत का प्रतीक है। इस दिन पूरी दुनिया के लोग त्योहार के रुप में मनाते हैं। इस दिन को लोग अपनी अपनी सभ्यता और संस्कृति के हिसाब से मनाते हैं। हालांकि किसी भी अन्य त्योहार की तरह नववर्ष भी जाति या संस्कृति की परवाह किए बिना दुनिया भर के लोगों के जीवन में खुशी लाता है। नए साल की पूर्वसंध्या सभी उम्र के लोगों द्वारा व्यापक रूप से मनाई और देखी जाती है। लगभग सभी स्कूल और शैक्षणिक संस्थान क्रिसमस की पूर्व संध्या से नए साल (एक जनवरी) तक शीतकालीन अवकाश की घोषणा करते हैं। चूंकि नया साल वर्ष के पहले दिन को दशार्ता है। यह लोगों के जीवन में खुशियां लाता है, क्योंकि यह पिछले वर्ष को पीछे छोड़ते हुए एक नई शुरूआत का प्रतिनिधित्व करता है। नया साल लोगों के लिए अपने सभी बुरे अनुभवों को पीछे छोड़कर भविष्य में सकारात्मक कदम उठाने का समय है। नए साल में हम पिछले साल की गलतियों से सीखते हैं। नया संकल्प या शपथ लेते हैं और पूरी ऊर्जा के साथ अपने काम को पूरा करने में लग जाते हैं। जिससे हमें सफलता प्राप्त होती है। पलामू के प्रमुख पिकनिक स्थल नेतरहाट, पलामू का किला, बेतला राष्ट्रीय उद्यान, केचकी संगम स्थल, धरधरी जलप्रपात,मलय डैम, सोंधा डैम, शाहपुर का किला, राजहरा कोलियरी डैम आदि हैं। हरे-भरे जंगलों, प्राकृतिक झरनो और नीचली पहाड़ियों से घिरे छोटानागपुर की रानी नेतरहाट की खूबसूरती सैलानियों का मन मोह लेती है।

सुग्गा बांध जलप्रपात मोह लेता है मन

सुग्गा बांध

रोहित कुमार

सुग्गाबांध जलप्रपात महुआडांड़ से 28 किमी नीछे और बारेसांड़ से सात किमी आगे बेतला-महुआडांड़ सड़क से 1.5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। अपने अंदर असीम खुबसूरती समेटे सुग्गा बांध के चारो तरफ ऊंची पहाड़ियों का दृश्य पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। यहां 80 फीट की ऊंचाई से पानी की धारा चट्टान पर गिरती है। पानी की धारा के कारण चट्टान एक अलग शक्ल में नजर आता है। मानो इन पत्थरों में नक्काशी की गई हो। बेतला नेशनल पार्क से इसकी दूरी लगभग 57 किमी की है। यहां निजी वाहन से आसानी से पहुंचा जा सकता है। बारेसांड़ के पास सुग्गाबांध झरना झारखंड के लातेहार जिले में स्थित है। सुग्गाबांध पहाड़ियों से घिरा हुआ है जो इसे अन्य पर्यटन स्थलों से अलग बनाता है। घने जंगल और पहाड़ियों के बीच से होकर बहती नदी की धारा जब पहाड़ी से होकर गिरती है, तो इसकी खूबसूरती यहां आये सैलानियों का मन मोह लेती है। दिसंबर व जनवरी के महीने में यहां काफी भीड़ रहती है। पिकनिक स्पॉट के रूप में भी यह काफी प्रचलित है। यहां दूर-दराज से लोग पहुंचते हैं और प्रकृति का आनंद लेते हुए पिकनिक मनाते हैं। बरसात के दिनों में इसकी आकृति कुछ और दिखायी देती है जबकि गरमी व ठंडी में इसकी आकृति कुछ और दिखाई देती है।

देखते ही बनता है प्राकृतिक स्थलों का सौंदर्य

पूजा तिवारी

पलामू के पिकनिक स्थल नये वर्ष के आगमन के इस शुभ मौके पर अद्वितीयता और सुंदरता का संगम साकार करते हैं। यहां का प्राकृतिक सौंदर्य, स्थानीय सांस्कृतिक विविधता और आत्मनिर्भरता का माहौल नये साल की शुरूआत को विशेष बनाता है। पलामू के पिकनिक स्थल प्राकृतिक सौंदर्य की अद्वितीयता से चमकता है। यहां के घने जंगल, शांत झीलें और प्राकृतिक वातावरण यहां को एक प्रमुख पर्यटन स्थल बनाते हैं। स्थानीय सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व से भरे पलामू के पिकनिक स्थल अपने प्राचीन मंदिर, उपनिवेश और स्मारकों के साथ लोगों को भारतीय सांस्कृतिक धरोहर की यात्रा पर ले जाते हैं। यहां के स्थानीय उत्सव और मेले नए वर्ष को रंगीन बनाते हैं और लोग इनमें भाग लेकर आपसी सजीवता का आनंद लेते हैं। आदिवासी संस्कृति की भी बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका है, जो इस स्थल को और भी रूचिकर बनाती है। पलामू के पिकनिक स्थल में लोग आदिवासी नृत्य और संगीत का आनंद लेते हैं, जो स्थानीय लोगों की परंपरागत कला को प्रमोट करता है और आदिवासी संस्कृति को महत्वपूर्ण बनाए रखता है। नए वर्ष के मौके पर यहां कई गतिविधियां और आयोजनों का आयोजन होता है। इनमें भारतीय सांस्कृतिक कार्यक्रम, पर्व, और नृत्य-संगीत के प्रदर्शन शामिल होते हैं, जिनसे नए वर्ष को अद्वितीय बनाने का प्रयास किया जाता है। इसके अलावे स्थानीय बाजार और स्वादिष्ट भोजन नए वर्ष की शुरूआत में लोगों को स्थानीय विविधता और स्वादों का आनंद लेने का एक अद्वितीय अवसर प्रदान करते हैं। लोग यहां आकर स्थानीय खाद्य सामग्री और हस्तशिल्प को खरीदते हैं, जो स्थान की पहचान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पलामू के पिकनिक स्थल नए वर्ष के

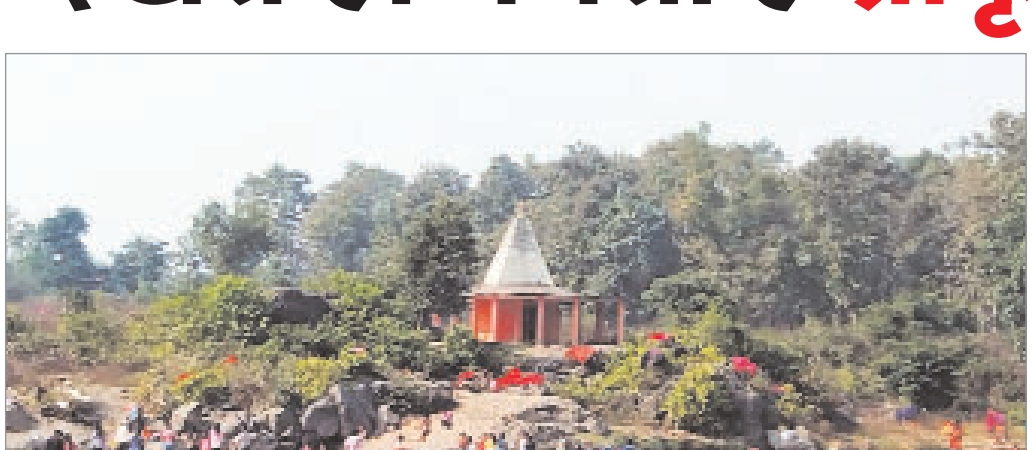

इस अद्वितीय समय को साझा करने के लिए एक आदर्श स्थल हैं, जो प्राकृतिक सौंदर्य, सांस्कृतिक विविधता और आत्मनिर्भरता के संग लोगों को एक अवसर प्रदान करते हैं।

संकलन : ओम प्रकाश प्रजापति

पिकनिक सुनते ही रोमांचित हो जाता है मन-मस्तिष्क

अनु दुबे

पिकनिक का नाम सुनते ही हमें उन स्थानों की याद आ जाती है जहां हम पहले कभी गए हुए हो या आगे भविष्य में जाने की तैयारी कर रहे हों। पिकनिक सुनते ही मन-मस्तिष्क रोमांच से भर उठता है। तीन-चार दिन पहले से ही सभी पिकनिक की तैयारी में लग जाते हैं। सुगा बांध झरना घने जंगल व पहाड़ियों के बीच स्थित है। बहती नदी की धारा जब पहाड़ी से होकर गिरती है तो

58.8 किलोमीटर की दूरी पर बेतला नेशनल पार्क के मार्ग से होकर लोग मिर्चाइया फॉल जाते हैं। पलामू टाइगर रिजर्व अंतर्गत मिर्चिया जलप्रपात शानदार प्राकृतिक जगह है। मिर्चिया जलप्रपात घने जंगलों से घिरा हुआ है इसकी खूबसूरती मानसून के सीजन में और भी बढ़ जाती है। नवंबर से फरवरी तक भारी संख्या में पर्यटक यहां पहुंचते हैं। वन विभाग विकास समिति के द्वारा इस स्थल का संचालन होता है। पलामू जिले में बेतला राष्ट्रीय उद्यान भी स्थित ह। यह राष्ट्रीय उद्यान झारखंड के पलामू जिले में सबसे अधिक देखे जाने वाले पर्यटक स्थलों में से एक है। अद्भुत वनस्पतियों और जीवों के साथ-साथ अद्भुत पशु जीवन यहां की विशेषता है। यहां हाथी, बाघ, तेंदुआ जैसे जंगली जानवरों को लोग देखने आते हैं। बेतला पलामू टाइगर रिजर्व भारत का सबसे पुराना बाघ रिजर्व है। जिसकी स्थापना 1974 में हुई थी। यह नेशनल पार्क भारत के शानदार उद्यानों में गिना जाता है।

इसकी खूबसूरती लोग देखते ही रह जाते हैं। वातावरण में पक्षियों की चहचहाट के बीच कल-कल बहती नदी के कलरव की ध्वनि सभी का मन मोह लेती है। यह दो भागों में बंटा है। यहां 150 फीट की ऊंचाई से दो हिस्सों में बंट कर पानी नीचे की ओर गिरता है। लोग उत्साहित होकर इसके नीचे नहाते भी हैं। यहां लोग दिसंबर और जनवरी के महीने में अधिक पहुंचते हैं और प्रकृति का आनंद लेते हुए पिकनिक मनाते हैं। जिला मुख्यालय डालटनगंज से

KASHYAP'S DENTAL CLINIC

Dr. Vaibhav Kashyap

Oral & Dental Surgeon, C.c. Endodontist & Implantologist Certified Orthodontist, MIDA

" Smiles & More"

छात्र-छात्राओं के लिए 50% की छूट

Facilities

- आरसीटी
- पायरिया का ईलाज
- टेढ़े-मेढ़े दाँतों का ईलाज
- स्माईल डिजाइन
- इनविजिवल क्लिप
- दंत रोपण
- फिक्स दाँत लगाना
- अत्याधुनिक मशीन और तकनीक के द्वारा ईलाज

CHAMBER
SKYLINE - 4006, 4th Floor, Kadru, Opp. Dr. Lal's Hospital, Ranchi
Contact No. : 9199533383, 7903835453
Time : 9 am to 2 pm & 4 pm to 8 pm
Sunday : 9 am to 2 pm
E-mail : vaibhav.kashyap2011@gmail.com

एक नजर

अनुराग ठाकुर ने भारत सरकार के नए साल का कैलेंडर जारी किया

नई दिल्ली। भारत सरकार का नये साल का कैलेंडर शनिवार को केंद्रीय सूचना व प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने जारी कर दिया। दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान अनुराग ठाकुर ने नए साल के लिए अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारत सरकार ने 2024 का वार्षिक कैलेंडर लांच किया है। उन्होंने कहा कि यह कैलेंडर पिछले 12 महीनों के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में मोदी सरकार की उपलब्धियों को दशार्ता है।

राजधानी के आईजीआई एयरपोर्ट पर घना कोहरा 80 उड़ानें प्रभावित

नई दिल्ली। उत्तर भारत में पड़ रही कड़ाके की ठंड और घने कोहरे से सड़क, रेल और विमान यातायात लगातार प्रभावित हो रहा है । दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीआईए) पर जीरो दृश्यता के कारण करीब 80 उड़ानें प्रभावित हुई हैं। दिल्ली एयरपोर्ट के आधिकारियों के अनुसार, शनिवार सुबह 8.30 बजे तक एयरपोर्ट से जाने वाली करीब 80 फ्लाइट लेट हैं। खराब मौसम की वजह से उड़ानों के परिचालन में दिक्कत आ रही है।

पाक सेना ने मार गिराया पांच आतंकी

नई दिल्ली। पाकिस्तानी सेना ने शनिवार को कहा कि उन्होंने खैबर पख्तूनख्वा के उत्तरी वजीरिस्तान जिले के मीर अली इलाके में एक खुफिया-आधारित ऑपरेशन में पांच आतंकवादियों को मार गिराया। पाकिस्तानी सेना की मीडिया मामलों की शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया, ऑपरेशन के दौरान गोलीबारी हुई और उनके कमांडर रहजैब खुरे सहित पांच आतंकवादियों को मार गिराया गया।

दूसरा सबसे अधिक कर्ज में डूबा राज्य है राजस्थान

जयपुर। राजस्थान गले तक कर्ज में डूबा हुआ है। भारतीय रिजर्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार, 2022-23 में राज्य का कर्ज बढ़कर 5,37,013 करोड़ रुपये हो गया है। पंजाब के बाद राजस्थान देश का सबसे ज्यादा कर्ज वाला राज्य है। इस राज्य को कांग्रेस से जीतने के बाद राजस्व कैसे लाया जाए, यह बीजेपी सरकार के सामने अरबों डॉलर की चुनौती बनी हुई है।

प्रधानमंत्री ने हरी झंडी दिखाकर 6 वंदे भारत और 2 अमृत भारत ट्रेन का किया उद्घाटन

अयोध्या धाम भी जनता को समर्पित : नरेंद्र मोदी

एजेंसी। अयोध्या

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन से हरी झंडी दिखाकर 6 वंदे भारत और दो अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन का शुभारंभ किया। इसके साथ ही 240 करोड़ की लागत से बना अयोध्या धाम स्टेशन भी जनता को समर्पित किया गया है।

प्रधानमंत्री के साथ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, राज्यपाल उत्तर प्रदेश आनंदीबेन पटेल समेत कई बड़े नेता मौजूद थे। ट्रेनों के साथ अयोध्या की जनता को नए अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन की सौगात मिली है। इसका निर्माण कार्य तीन फेज में चल रहा है। निर्माण कार्य में इस स्टेशन का पहला फेज बनकर तैयार हो चुका है। इस स्टेशन में शिशु देखभाल केंद्र, बीमार लोगों के लिए अलग केबिन, पर्यटन सूचना केंद्र के साथ-साथ देश के सबसे बड़े कॉनकोर्स सेटअप को भी बनाया जा रहा है। यहां इंफेंट केयर रूम होगा जहां पैसेंजर अपने दूध पीते बच्चों को किसी भी तरह का मेडिकल चेकअप करा सकते हैं। इसी तरह, अगर आपको किसी भी तरह से यात्रा के दौरान चोट लग जाती है या फिर किसी भी तरह की परेशानी का सामना करना पड़ जाता है, तो यहां सिक रूम में फर्स्ट एड और मेडिकल अटेंशन की सुविधा भी है।

वहीं, पैसेंजर फैसिलिटीज डेस्क और टूरिस्ट इन्फॉर्मेशन सेंटर की मदद से यहां आने वाले यात्रियों को श्री राम मंदिर के साथ क्षेत्र के हर आध्यात्मिक व पर्यटन जगहों तक जाने की जानकारी और अच्छे से पहुंचने के लिए साधनों की भी जानकारी मिल पाएगी।

लता मंगेशकर चौक की सुंदरता देख पीएम हुए भाव विभोर

अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन के लोकार्पण के बाद एयरपोर्ट लौटते समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लता मंगेशकर चौक गए। पिछले वर्ष लता मंगेशकर की जयंती पर 28 सितंबर को उन्होंने इसका वर्चुअली उद्घाटन किया गया था। चौक पर 14 टन वजनी एवं 40 फुट लंबी वीणा लगाई गई है। प्रधानमंत्री मोदी शनिवार को पहली बार वीणा के पास पहुंचकर भाव-विभोर हो गए। उन्होंने वीणा की अलौकिक छवि का दीदार किया। प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्री से इसकी विस्तृत जानकारी भी ली। उन्होंने अयोध्या के समूचे जनमानस का यहीं से अभिवादन किया। प्रधानमंत्री को यहां देख जनता भी अभिभूत हो गई। यहां सुर साम्राज्ञी लता मंगेशकर के सुरों में श्रीराम के भजन भी गूंज रहे थे।

स्टेशन में एस्केलेटर्स, लिफ्ट, स्टाफ रूम, दुकानें, वेटिंग रूम सब कुछ

ये सभी सुविधाएं ग्राउंड फ्लोर पर होंगी, इसे पूरा जी प्लस टू मॉडल (ग्राउंड प्लस मिडिल व फर्स्ट फ्लोर) पर बनाया गया है। इसके अलावा, क्लाक रूम , फूड प्लाजा, वेटिंग हॉल्स, स्टेयरकेस, एस्केलेटर्स, लिफ्ट और टॉयलेट्स के साथ कई सुविधाएं भी दी जाएंगी। अयोध्या धाम स्टेशन के मिडिल फ्लोर पर रिटायरिंग रूम, लेडीज डॉर्मेटरी, एसी रिटायरिंग रूम, जेंट्स डॉर्मेटरी, स्टेयरकेस, रिलीविंग स्टाफ के लिए लॉजिंग रूम, स्टेशन मास्टर और महिला स्टाफ का रूम बनाया गया है। वहीं, फर्स्ट फ्लोर पर देश के सबसे बड़े कॉनकोर्स सेटअप को भी तैयार किया जा रहा है। इसके अलावा, फर्स्ट फ्लोर पर फूड प्लाजा, वेटिंग हाल, टॉयलेट, पेयजल, एस्केलेटर्स, लिफ्ट, स्टाफ रूम, दुकानें, वेटिंग रूम समेत एंट्री पुल की सुविधा भी दी जाएगी। साथ ही, दिव्यांगों के लिए कई खास तरह के शौचालयों को भी तैयार किया गया है। अयोध्या रेलवे स्टेशन का निर्माण कार्य 2018 से शुरू किया गया था, पहले चरण में बनाए गए भवन में श्री राम मंदिर की तरह एक भव्य आकर्षण बनाया गया है। भवन में लगी टाइल्स, पत्थर, शीशे, दरवाजे, लाइटिंग आदि चीजें आपको मंत्रमुग्ध कर देंगी। भवन के ठीक बीचों-बीच भारी भरकम पंखा लगा है और उसके ठीक नीचे फर्श की डिजाइन यकीनन आपको बेहद पसंद आएगी।

अयोध्या रेलवे स्टेशन: खासियत और यात्री सुविधाएं

- भवन का डिजाइन वास्तुकला की नागर शैली।
- बिजली का इस्तेमाल कम होगा; प्राकृतिक रोशनी के लिए खुला स्पेस।
- स्टेशन में दो शिखर होंगे, ये जानकी मंदिर से प्रेरित हैं।
- स्टेशन के प्रवेश द्वार के पास केंद्र में चक्र जैसी आकृति हैं।
- मुकुट जैसी आकृति भगवान राम के ताज से प्रेरित हैं।

रवींद्र मांझी को राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा में आने का दिया न्योता

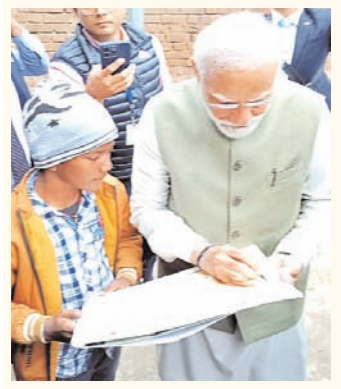

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को अयोध्या में रोड शो के बाद रवींद्र मांझी के घर जाकर उनके परिवार से मुलाकात की। प्रधानमंत्री ने रवींद्र मांझी को 22 जनवरी को राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में आने का निमंत्रण दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने निषाद परिवार से मिलकर देश को सामाजिक समरसता का संदेश देने का काम किया है। रवींद्र मांझी के परिवार से मिलने के बाद प्रधानमंत्री मोदी अयोध्या एयरपोर्ट के लिए रवाना हो गए।

पीएम ने अयोध्या में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का किया उद्घाटन

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को अयोध्या में 1450 करोड़ रुपये की लागत से नवनिर्मित महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन किया। हवाई अड्डे के टर्मिनल भवन का क्षेत्रफल 6500 वर्गमीटर है। यहां से सालाना लगभग 10 लाख यात्री उड़ान भर सकेंगे। टर्मिनल भवन का अग्रभाग अयोध्या के आसन्न श्रीराम मंदिर की वास्तुकला को दशार्ता है। टर्मिनल भवन के अंदरूनी हिस्सों को भगवान श्रीराम के जीवन से जुड़े प्रेरणादायी चित्र उकेरे गये हैं। सात खम्भों पर बने एयरपोट में सात शिखर बनाये गये हैं। हवाई अड्डे पर एलईडी प्रकाश व्यवस्था, वर्षा जल संचयन, जल उपचार संयंत्र, सीवेज उपचार संयंत्र, सौर ऊर्जा संयंत्र तथा ऐसी कई अन्य सुविधाएं प्रदान की गई हैं। यह सभी सुविधाएं गृह - 5 स्टार रेटिंग के अनुरूप होंगी। हवाई अड्डे से अयोध्या के आसपास के क्षेत्र में पर्यटन, व्यावसायिक गतिविधियों और रोजगार के अवसरों को बढ़ावा मिलेगा। प्रधानमंत्री ने एयरपोर्ट पर विकसित की जा रही सुविधाओं का अवलोकन भी किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी के साथ उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, केन्द्रीय राज्यमंत्री जनरल वी.के.सिंह, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक और अयोध्या सांसद लल्लू सिंह प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

बेहतर सेवा वितरण और सुशासन पर राज्यों के मुख्य सचिवों के साथ मंथन

केंद्र और राज्य सरकारों के बीच सहभागी शासन और साझेदारी को प्रोत्साहित करना उददेश्य

एजेंसी। नई दिल्ली

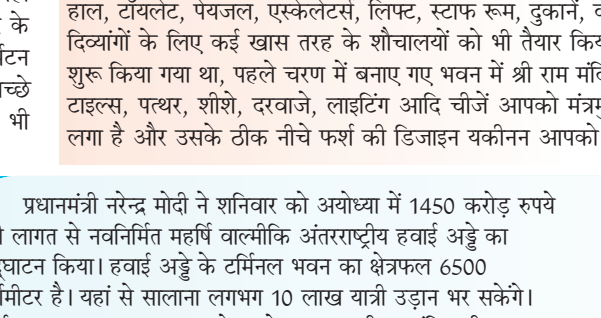

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले दो दिन में राज्यों के मुख्य सचिवों के साथ सुशासन और लोगों के लिए जीवन की आसानी सुनिश्चित करने के तरीकों पर विचार-मंथन सत्र आयोजित किए। प्रधानमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, पिछले दो दिन में, मुख्य सचिवों के सम्मेलन में भाग लिया। हमने नीति संबंधी व्यापक मुद्दों पर सार्थक विचार-विमर्श किया और बेहतर सेवा वितरण सुनिश्चित करने के साथ-साथ सभी नागरिकों के लिए सुशासन सुनिश्चित करने के तरीकों पर भी चर्चा की। यह इस तरह का तीसरा सम्मेलन है, पहला जून 2022 में धर्मशाला में और दूसरा जनवरी 2023 में दिल्ली में आयोजित किया गया था। पीएमओ के एक बयान के अनुसार, सहकारी संघवाद के सिद्धांत को क्रियान्वित करने के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण से प्रेरित होकर, केंद्र और राज्य सरकारों के बीच सहभागी शासन और साझेदारी को प्रोत्साहित करने के लिए मुख्य सचिवों का राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जाता है। सम्मेलन में राज्यों के साथ साझेदारी में एकजुट कार्रवाई के लिए एक सामान्य विकास एजेंडा और ब्लूप्रिंट के विकास और कार्यान्वयन पर जोर दिया गया। कल्याणकारी योजनाओं तक आसान पहुंच और सेवा वितरण में गुणवत्ता पर विशेष जोर देने के साथ, सम्मेलन में पांच उप-विषयों - भूमि और संपत्ति, बिजली, पेय जल, स्वास्थ्य, और स्कूली शिक्षा - पर चर्चा की गई। इनके अलावा, साइबर सुरक्षा, उभरती चुनौतियाँ, एआई पर परिप्रेक्ष्य, जमीनी स्तर की कहानियां, आकांक्षी ब्लॉक और जिला कार्यक्रम, राज्यों की भूमिका, योजनाओं और स्वायत्त संस्थाओं को युक्तिसंगत बनाना और पूंजीगत व्यय बढ़ाना, शासन में एआई, चुनौतियाँ और अवसर जैसे विषयों पर भी चर्चा का गई। इनके अलावा, नशा मुक्ति और पुनर्वास पर भी केंद्रित विचार-विमर्श किया जाएगा, अमृत सरोवर, पर्यटन संवर्धन, ब्रांडिंग और राज्यों की भूमिका; और पीएम विश्वकर्मा योजना एवं पीएम स्वनिधि पर भी केंद्रित चर्चा हुई। बयान में कहा गया है कि प्रत्येक विषय के तहत राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों की सर्वोत्तम प्रथाओं को भी सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया ताकि राज्य एक राज्य में प्राप्त सफलता को दोहरा सकें या अपनी आवश्यकताओं के अनुसार कुछ बदलाव के साथ उन्हें अपना सकें।

तृणमूल को पसंद नहीं आ रही राहुल की न्याय यात्रा

कोलकाता। लोकसभा चुनाव में केंद्र की सत्ता से नरेंद्र मोदी सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए भले ही विपक्ष ने एकजुट होकर इंडी गठबंधन बनाया है लेकिन इसमें तालमेल बिठाना आसान नहीं हो रहा। लोकसभा चुनाव से पहले राहुल गांधी ने न्याय यात्रा की घोषणा की है जिसकी शुरूआत मणिपुर से होगी। मुंबई तक जाने वाली यात्रा के दौरान 85 शहरों में इसका पड़ाव होगा जिसमें पश्चिम बंगाल के भी कई हिस्से शामिल हैं। लेकिन बंगाल में तृणमूल कांग्रेस ने इससे दूरी बनाने का निर्णय लिया है। पार्टी के एक नेता ने शुक्रवार को बताया कि राहुल गांधी की न्याय यात्रा से तृणमूल का कोई संबंध नहीं है। ना इस यात्रा के संबंध में उनकी पार्टी से राय ली गई।

भारत ने कनाडा स्थित गैंगस्टर लखबीर सिंह लांडा को घोषित किया आतंकवादी

एजेंसी। नई दिल्ली

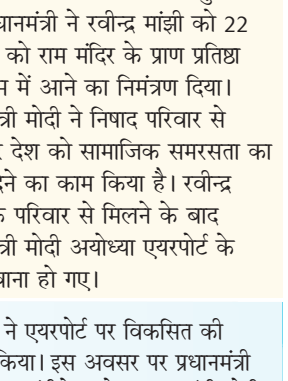

भारत ने मोस्ट वांटेड भगोड़े में से एक और कनाडा स्थित गैंगस्टर लखबीर सिंह लांडा को आतंकवादी घोषित कर दिया है। लांडा (34), जो हरिके, जिला तरनतारन, पंजाब का मूल निवासी है और वर्तमान में एडमोंटन, अलबर्टा, कनाडा में रहता है, बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) से संबंधित है। लांडा पिछले साल मोहाली में पंजाब राज्य खुफिया मुख्यालय की इमारत पर रॉकेट प्रोपेल्ड ग्रेनेड (आरपीजी) के जरिए हुए आतंकी हमले में शामिल था। गृह मंत्रालय के मुताबिक, लांडा भारत के पंजाब राज्य में आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए सीमा पार से विभिन्न मॉड्यूलों को इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी), हथियार, परिष्कृत हथियार, विस्फोटकों की आपूर्ति में शामिल रहा है। लांडा के खिलाफ एक ओपन एंडेड वारंट जारी किया गया है। 9 जून, 2021 को लुक आउट सर्कुलर भी जारी है। एनआईए की अब तक की जांच में पता चला है, गोल्डी बरार का रिंदा के साथ मिलकर काम करने वाले एक अन्य बीकेआई ऑपरेटिव लांडा के साथ सीधा संबंध पाया गया।

खुलासा

फ्रांस से विमान वापसी का मामला, पूछताछ में यात्रियों ने कबूला

निकारागुआ से अवैध रूप से जाने वाले थे अमेरिका

40 लाख रुपये से सवा करोड़ तक में हुई थी एजेंट से डील

अवैध रूप से अमेरिका जा रहे 18 गुजरातियों के बयान दर्ज

फ्रांस ने मानव तस्करी की आशंका में विमान भारत लौटाया था

एजेंसी। अहमदाबाद

मानव तस्करी के आरोप में फ्रांस ने जिस विमान को वापस मुंबई भेज दिया था। उसमें सवार गुजरात के

रहने वाले 21 लोगों ने सीआईडी क्राइम ब्रांच की पूछताछ में कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। पुलिस ने इनमें से 18 लोगों के बयान दर्ज किए। ये सभी मेहसाणा, पाटण और गांधीनगर के बताए गए हैं। यात्रियों से पूछताछ में पता चला है कि वे सभी निकारागुआ से अवैध रूप से अमेरिका जाने वाले थे। फ्रांस ने इस विमान को न सिर्फ अपने हवाई अड्डे पर रोका, बल्कि मानव तस्करी की आशंका जताते हुए सभी यात्रियों को बैरंग भारत वापस कर दिया। इस विमान में गुजरात से 21 यात्री समेत भारत के कई दूसरे राज्यों के लोग सवार थे। पूछताछ में खुलासा हुआ कि अमेरिका पहुंचने के लिए एजेंटों के साथ बड़ी डील की गई थी। अवैध रूप से अमेरिका पहुंचने के लिए प्रत्येक व्यक्ति से 40 लाख रुपये से लेकर 1.25 करोड़ रुपये की सौदेबाजी की गई थी। हालांकि पूरे रुपये एक साथ देने के बजाए अमेरिका पहुंचने पर देने की बात पहले से तय थी। योजना के अनुसार गुजरात के 21 यात्री मध्य अमेरिकी देश निकारागुआ के जरिए अमेरिका में प्रवेश करने वाले थे। ये सभी अलग-अलग तरीके से दुबई पहुंचे थे। इसके बाद सभी निकारागुआ की उड़ान में बैठे थे। दुबई से मध्य अमेरिकी देश निकारागुआ जा रहे विमान में 303 यात्री सवार थे। इस विमान को मानव तस्करी की आशंका में फ्रांस के हवाई अड्डे पर उतारा गया था। इसके बाद सभी से वहां की पुलिस ने पूछताछ की थी। 3 दिनों बाद विमान को वापस मुंबई जाने की अनुमति दी गई थी। जब विमान मुंबई रवाना किए जाने की बात हुई तो इनमें से 50 यात्रियों ने फ्रांस में ही ठहरने की अनुमति मांगी लेकिन सभी को मुंबई की ओर रवाना कर दिया गया था।

भारतीय नौसेना ने एडमिरल्स के एपॉलेट्स के लिए नए डिजाइन का किया अनावरण

एजेंसी। नई दिल्ली

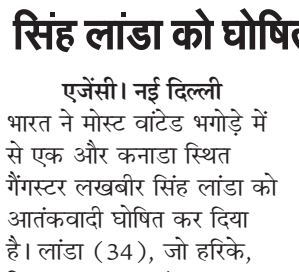

भारतीय नौसेना ने छत्रपति शिवाजी महाराज की विरासत से प्रेरणा लेते हुए शुक्रवार को एडमिरल्स के एपॉलेट्स के लिए एक नए डिजाइन का अनावरण किया। अपनी विरासत पर गर्व करने की भावना के साथ, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घोषणा की कि भारतीय नौसेना अब भारतीय परंपराओं के अनुरूप अपने रैंकों का नाम रखने जा रही है। एक अधिकारी के पद को दर्शाने के लिए कंधे पर पहना जाने वाला एपॉलेट्स का अनावरण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इस महीने की शुरूआत में की गई घोषणा के बाद हुआ। 4 दिसंबर को महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग में नौसेना दिवस समारोह में अपने संबोधन में, मोदी ने खुशी व्यक्त की कि नौसेना अधिकारियों द्वारा पहने गए एपॉलेट अब छत्रपति शिवाजी महाराज की विरासत को उजागर करेंगे। नौसेना ने एक्स पर कहा, जैसा कि हम नए साल 2024 में प्रवेश कर रहे हैं, भारतीय नौसेना ने गर्व से एडमिरल्स एपॉलेट्स के नए डिजाइन का अनावरण किया है। इसमें कहा गया, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सिंधुदुर्ग में नौसेना दिवस 2023 के दौरान घोषणा की - नया डिजाइन नौसेना ध्वज से लिया गया है और छत्रपति शिवाजी महाराज की राजमुद्रा से प्रेरित है, और यह हमारी समृद्ध समुद्री विरासत का सच्चा प्रतिबिंब है।

अब सैन्य अधिकारियों की वर्दी, बेल्ट और जूतों के कॉलर पर पहनी जाने वाली टोपी, कंधे के बैज, जॉर्जेट पैच वैसे ही हैं।

सेना की वर्दी में इस अहम बदलाव का मतलब है कि ब्रिगेडियर रैंक तक पहुंचने के बाद पैरा अधिकारी मैरून रंग की टोपी नहीं पहनेंगे और न ही बख्तरबंद अधिकारी अपनी विशिष्ट बेल्ट पहनेंगे. हालांकि, कर्नल रैंक और उससे नीचे के अधिकारियों द्वारा पहनी जाने वाली वर्दी में अभी भी कोई बदलाव नहीं हुआ है।

विकसित गांव व विकसित भारत थीम पर झारखंड में किसान समागम कल

■ राज्यपाल और केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा करेंगे कार्यक्रम का शुभारंभ

नवीन मेल संवाददाता

रांची/सरायकेला। सरायकेला-खरसावां में केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय की ओर से एक जनवरी को किसान समागम (कृषि मेला सह प्रशिक्षण कार्यक्रम) आयोजित होगा। कार्यक्रम का थीम विकसित गांव-विकसित भारत है। यह कार्यक्रम राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन की अध्यक्षता में होगी। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण एवं जनजातीय कार्य मंत्री अर्जुन मुंडा उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम का शुभारंभ राज्यपाल और केंद्रीय मंत्री संयुक्त रूप से करेंगे।

मेले में कृषि और सम्बद्ध क्षेत्रों से जुड़े सरकारी विभागों, निजी संस्थानों, स्टार्टअप आदि द्वारा 100 से अधिक स्टॉल लगाए जाएंगे, जो हजारों किसानों के साथ ही खेती-किसानी क्षेत्र से जुड़े अन्य लोगों के लिए ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायी होंगे। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) की संस्थाओं, राष्ट्रीय बीज निगम, बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, इफको, राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड, अटारी (पटना) और राज्य सरकार की विभिन्न संस्थाओं के साथ मिलकर गोंडपुर मैदान, खरसावां में यह वृहद आयोजन होगा।

इसका उद्देश्य कृषि प्रक्रिया और उत्पादों के विभिन्न आयामों, नवीनतम कृषि-मशीनरी, कृषि-इनपुट और किसान अनुकूल प्रथाओं के अन्य पहलुओं को प्रदर्शित करना है। साथ ही मेला कृषि वैज्ञानिकों, विशेषज्ञों, विस्तारकर्मियों, नीति-निमार्ताओं व कृषि अधिकारियों को अपना अनुभव किसान भाइयों-बहनों के साथ साझा करने का मंच है। मेले में झारखंड के विभिन्न जिलों में कार्यरत कृषि विज्ञान केंद्रों की भी भागीदारी सुनिश्चित की गई है।

मेले में राज्य के हजारों किसान भाग लेंगे और जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहेंगे। विकसित भारत को ध्यान में रखते हुए किसानों के विकास एवं उत्थान के लिए भारत सरकार के जरिये चलाई जा रही लाभकारी योजनाओं की जानकारी मेले में उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी की गई है। मेले के दौरान किसानों को प्राकृतिक खेती, ड्रोन का कृषि में उपयोग और कृषि को उद्यम के रूप में विकसित करने सहित अन्य संबंध में जानकारी भी दी जाएगी।

आकांक्षी जिला के मानकों में सुधार को लेकर आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का निर्देश

नवीन मेल संवाददाता। रांची

उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग की संयुक्त सचिव हिमानी पांडेय ने आकांक्षी जिला के मानकों में सुधार को लेकर सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि कई ऐसी योजनाएं हैं, जिसका क्रियान्वयन आम लोगों के हित के लिए अति आवश्यक है। उन्होंने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि समुचित कार्य प्रारूप तैयार किया जाय, ताकि योजनाओं का उचित क्रियान्वयन सुनिश्चित हो पा। हमारा मुख्य उद्देश्य है कि आमजनों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए उन्हें योजनाओं के माध्यम से सीधे रूप से लाभान्वित किया जा सके। पांडेय शनिवार को आकांक्षी जिला कार्यक्रम के तहत राजकीय अतिथिशाला में समीक्षा बैठक में बोल रही थीं। उन्होंने बैठक में केंद्र प्रायोजित कार्यक्रमों के प्रगति और भावी कार्य योजना की क्रमवार समीक्षा करते हुए कहा कि नीति आयोग की ओर से निर्धारित आकांक्षी जिले के विभिन्न मानकों में उत्तरोत्तर और सुधार की आवश्यकता है, ताकि इसमें और मानक में सुधार हो सकें। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि सहित विभिन्न क्षेत्रों में सुधार के लिए लगातार प्रयास करने के लिए अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने को कहा। उन्होंने जिला शिक्षा अधीक्षक से जानकारी लेते हुए कहा कि छात्र-छात्राओं को जो डिजिटल सामग्री और टेबलेट उपलब्ध कराया गया है, सभी छात्र-छात्रा इसका उपयोग सही से करके अपना विकास करें। संयुक्त सचिव ने कृषि और जल संरक्षण की समीक्षा करते हुए सम्बंधित अधिकारी से जानकारी मांगी। इसपर सम्बंधित अधिकारी ने बताया कि कृषि एवं जल संरक्षण के तहत नीति आयोग के मानकों सूक्ष्म सिचाई का प्रतिशत रांची जिला में वर्तमान में 2.97 प्रतिशत है। इसपर संयुक्त सचिव के जरिये इसे राष्ट्रीय स्तर (18.1 प्रतिशत) पर लाने का निर्देश दिया गया।

एक नजर

रातु निवासी धर्मेन्द्र सिंह बने जेएमएम युवा मोर्चा के रांची जिला अध्यक्ष

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा रांची की केंद्रीय कमिटी की और से शनिवार को झारखंड युवा मोर्चा का गठन किया गया। जिसमें रातु निवासी धर्मेन्द्र सिंह को रांची जिला का अध्यक्ष बनाया गया है। धर्मेन्द्र सिंह ने इसके लिए पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष शिबू सोरेन और कार्यकारी अध्यक्ष सीएम हेमन्त सोरेन तथा केंद्रीय समिति और जिला समिति का आभार वयक्त किया है। वही धर्मेंद्र सिंह को युवा मोर्चा अध्यक्ष बनाए जाने पर पार्टी के नेताओं ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी है।

कांग्रेस के नये प्रभारी गुलाम अहमद मीर दो को आयेंगे रांची

रांची। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव सह झारखंड के प्रभारी गुलाम अहमद मीर दो दिवसीय झारखंड दौरे पर 2 जनवरी को रांची आयेंगे। दो जनवरी को दोपहर 12.50 बजे वह बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पहुंचेंगे। प्रभारी के रूप में पहली बार रांची आने पर कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं द्वारा जोरदार स्वागत की तैयारी है। 2 जनवरी को झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से संगम गार्डेन, मोरहाबादी में प्रभारी गुलाम अहमद मीर का अभिनंदन किया जाएगा। इसके बाद मीर शाम को प्रभारी जिलाध्यक्षों के साथ कांग्रेस भवन में बैठक करेंगे। 3 जनवरी को विधायक दल के नेता आलमगीर आलम के डोरंडा स्थित सरकारी आवास में कांग्रेस विधायक दल की बैठक में भाग लेंगे।

ईडी ने बिरसा कारागार के जेलर को भेजा समन

रांची। ईडी ने बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार के जेलर प्रमोद कुमार को समन भेजा है। शनिवार को आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि जेलर प्रमोद कुमार को यह समन जेल से पत्रकार को धमकी देने के मामले में भेजा गया है। ईडी ने प्रमोद कुमार को दो जनवरी को ईडी के रांची के क्षेत्रीय कार्यालय में पूछताछ के लिए बुलाया है।

प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष ने झारखंड प्रभारी से की मुलाकात

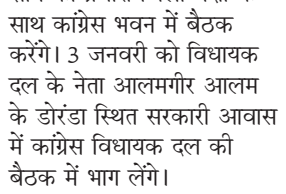

रांची। ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के महासचिव और झारखंड प्रभारी गुलाम अहमद मीर से झारखंड प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष गुंजन सिंह ने शनिवार को मुलाकात की। सिंह ने मीर को दिल्ली कांग्रेस मुख्यालय में सॉल ओढ़ाकर और बुके देकर नए साल की बधाई दी। साथ ही संगठन और झारखंड के राजनीति पर चर्चा की। गुंजन सिंह ने बताया कि जल्द ही प्रभारी का आगमन झारखंड में होगा।

कांग्रेस विधायक दीपिका पांडेय के पिता का निधन

नवीन मेल संवाददाता। रांची

महगामा से कांग्रेस विधायक दीपिका पांडेय सिंह के पिता का शनिवार को निधन हो गया। उनके पिता अरुण पांडेय काफी लंबे समय से बीमार थे। उन्होंने रांची के रामप्यारी अस्पताल में अंतिम सांस ली। अरुण पांडेय खुद भी कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रहे हैं। अरुण पांडेय एकीकृत बिहार के समय पार्षद भी रह चुके थे। उनकी पत्नी प्रतिभा पांडेय झारखंड राज्य समाज कल्याण बोर्ड की अध्यक्ष रह चुकी थी। प्रदेश कांग्रेस महासचिव राकेश कुमार सिन्हा ने कहा कि उनके पार्थिव शरीर को रांची के कांग्रेस भवन लाया जाएगा, जहां कांग्रेस नेताओं की ओर से उनको श्रद्धांजलि दी जाएगी।

कांग्रेस नेता अरुण पांडेय के निधन पर सुबोधकांत सहाय ने जताया शोक

पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता, एचईसी क्षेत्र के लोकप्रिय समाजसेवी एवं महागामा विधायक दीपिका पांडेय के पिता अरुण पांडेय के असामयिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। अपनी शोक संवेदना में श्री सहाय ने कहा कि स्व.पांडेय जीवनपर्यंत कांग्रेस पार्टी के कर्मठ और समर्पित कार्यकर्ता के रूप में काम करते रहे। संगठन को मजबूत बनाने और पार्टी का जनाधार बढ़ाने के प्रति उनकी निष्ठा हमेशा याद रहेगी। श्री सहाय ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के प्रति स्व.पांडेय का समर्पण एक मिसाल के तौर पर हमेशा याद किया जाता रहेगा।

वोट बैंक के लिए तुष्टिकरण की राजनीति को बढ़ावा दे रही सरकार : प्रदीप वर्मा

नवीन मेल संवाददाता। रांची

भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं मुख्यालय प्रभारी डॉ प्रदीप वर्मा ने कहा कि हेमंत सरकार वोट बैंक के लिए तुष्टिकरण की राजनीति को बढ़ावा देने में लगी है। उन्होंने कहा कि जबसे हेमंत सरकार बनी है पूरे प्रदेश में आंतरिक विधि व्यवस्था की स्थिति बिगड़ती जा रही है। डॉ प्रदीप वर्मा शनिवार को प्रदेश कार्यालय में पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने हाल में ही पाकुड़ जिले में धर्मांतरण की घटी घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि पाकुड़ जिला में पहाड़िया जनजाति के लोग बड़ी संख्या में रहते हैं। यहां समुदाय विशेष के लोगों के द्वारा लगातार पहाड़िया बेटियों, पुरुषों को जबरन धर्मांतरण कराने का प्रयास किया जा रहा है। पिछले दिनों पहाड़िया बेटी रुबिका की हत्या भी की जा चुकी है। पाकुड़ जिला, रामचंद्रपुर के रहने वाले रिनॉय पहाड़िया के साथ हुए वारदात की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि पिछले दिनों सायनारा खातून नाम की महिला ने रिनॉय पहाड़िया के साथ योजनाबद्ध तरीके से दोस्ती की और पहाड़िया रीति से शादी का प्रस्ताव दिया। शादी की स्वीकृति के बाद सायनारा खातून ने उसपर धर्मांतरण का दबाव डाला। निकाह के लिए गलत तरीके से दबाव डाला और फिर शपथ पत्र पर हस्ताक्षर भी कराए। उन्होंने कहा कि इतना ही नहीं विरोध करने पर रिनॉय पहाड़िया को जबरन प्रतिबंधित मांस खाने का दबाव डालते हुए मारपीट भी की गई।

उन्होंने कहा कि रिनॉय द्वारा जब थाना में इसकी शिकायत की जाती है तो उसे डांटकर भगा दिया जाता है। इसके बाद रिनॉय एसपी पाकुड़ से शिकायत करते हैं तो आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने कहा कि इससे स्पष्ट है कि धर्मांतरण कराने वाले तत्वों को सरकार का संरक्षण प्राप्त है। वर्मा ने कहा कि आदिवासी की पहचान अस्तित्व उनके धर्म और संस्कृति से जुड़ा है लेकिन आज राज्य में जबरन धर्मांतरण को रोकने के लिए कठोर कानून के होते हुए भी हेमंत सरकार कोई कार्रवाई नहीं करती है।

रांची के हुंडरू फॉल के समीप स्कूल बस पलटी, एक दर्जन से अधिक बच्चे घायल

रांची। राजधानी रांची के सिकिदिरी-हुंडरू फॉल पथ के डॉक्टर मोड़ के समीप स्कूली बच्चों से भरी बस पलटने से एक शिक्षिका समेत एक दर्जन से अधिक बच्चे घायल हो गये। बताया जाता है कि शनिवार करीब एक बजे बस यूनिक प्रोग्रेसिव उवि कोडरमा से 50 बच्चों को लेकर हुंडरू फॉल के लिए जा रही थी। डॉक्टर मोड़ के समीप एक बाइक सवार को बचाने के क्रम में बस पलट गई, सिकिदिरी थाना की पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सभी घायल बच्चों को अस्पताल भेजा।

छुट्टी मनाने गया परिवार, चोरों ने 50 हजार रुपये के जेवरात की चोरी कर ली

रांची। डोरंडा थाना क्षेत्र के डिबडीह के रहने वाले अनिल उरांव के घर का ताला तोड़कर चोरों ने 50 हजार के जेवरात समेत लैपटॉप की चोरी कर ली गई। इस संबंध में अनिल ने डोरंडा थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी है। अनिल ने पुलिस को बताया कि वह 25 दिसंबर को छुट्टी मनाने अपने पैतृक गांव लोहरदगा चला गया था। 28 दिसंबर को जब वह लौटे तो देखा कि उनके घर के मुख्य द्वार में लगा ताला टूटा हुआ था। भीतर अलमीरा भी खुला हुआ था। अलमीरा में रखे सोने का कान का टाप्स, चेन व दो पायल गायब थे। इसके बाद वह डोरंडा थाने पहुंच कर मामला दर्ज कराया। दर्ज प्राथमिकी के आधार पर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

लाइब्रेरी से पढ़कर लौट रहे छात्र से हथियार के बल पर लूटपाट, केस दर्ज

रांची। रांची के डोरंडा कुसई कॉलोनी बिजली विभाग मैदान के पास एक छात्र से अपराधियों ने हथियार के बल पर मोबाइल व हेड फोन लूट लिया। इस वारदात को अपराधियों ने शुक्रवार शाम छह बजे अंजाम दिया है। इस संबंध में छात्र ध्रुव ने ढेलबा व एक अन्य के खिलाफ डोरंडा थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी है। कुसई कॉलोनी के समीप रहने वाले ध्रुव ने पुलिस को बताया कि वह शुक्रवार की शाम भारत लाइब्रेरी से पढ़कर घर लौट रहा था। बिजली विभाग मैदान के पास जब वह पहुंचा तो दो अपराधियों ने उन्हें रोक दिया। रंगदारी की मांग की। चाकू निकालकर अपराधियों ने ध्रुव के पेट में सटा दिया। इसके बाद ध्रुव के हाथ से मोबाइल व हेड फोन लूट लिया। धमकी दी कि अगर शोर मचाया तो जान से मार देंगे। इसके बाद दोनों अपराधी वहां से फरार हो गए। घटना के बाद शनिवार को ध्रुव डोरंडा थाना पहुंचे और अपराधियों के खिलाफ मामला दर्ज कराया। दर्ज प्राथमिकी के आधार पर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

रांची जिला बार एसोसिएशन का चुनाव 20 जनवरी को

रांची। रांची जिला बार एसोसिएशन का द्विवार्षिक चुनाव 20 जनवरी को होगा। इसकी अधिसूचना शनिवार को चुनाव समित के सदस्य अजय कुमार तिवारी एवं अमरेंद्र कुमार झा ने संयुक्त रूप से जारी किया। 20 जनवरी 2024 को दिन 10 बजे से लेकर शाम पांच बजे तक मतदान संपन्न होगा। अधिसूचना के अनुसार झारखंड स्टेट बार काउंसिल के मॉडल रूल के तहत बार एसोसिएशन के सात पदाधिकारियों और कार्यकारिणी समिति के नौ सदस्यों का चुनाव कराया जाएगा। मैदान में खड़े उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला 2116 मतदाता करेंगे। तीन जनवरी से लेकर आठ जनवरी तक इच्छुक उम्मीदवार नामांकन पत्र ले सकेंगे। इसी अवधि में अपना नामांकन पत्र दाखिल करना होगा। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महासचिव, कोषाध्यक्ष, सहायक कोषाध्यक्ष, संयुक्त सचिव प्रशासन, संयुक्त सचिव लाइब्रेरी के साथ-साथ कार्यकारिणी समिति के नौ सदस्यों का चुनाव होगा। 20 जनवरी को मतदान के बाद मतों की गिनती 21 जनवरी को दिन के 11:30 बजे से शुरू होगी।

झारखंड मत्स्य उत्पादन में बन रहा आत्मनिर्भर

दो लाख मीट्रिक टन हुआ मछली, 1200 करोड़ मत्स्य बीज उत्पादन का लक्ष्य

नवीन मेल संवाददाता। रांची

राज्य मछली पालन के क्षेत्र में तरक्की कर रहा है। मत्स्य उत्पादन का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि जहां कुछ साल पहले तक यह राज्य मछली के लिए दूसरे राज्यों पर निर्भर था, वहीं अब यह दूसरे राज्यों को मछली के साथ साथ उसका बीज भी निर्यात कर रहा है। इस तरह से कहा जा सकता है कि मत्स्य उत्पादन के क्षेत्र में झारखंड आत्मनिर्भर हो रहा है। राज्य में दो लाख मीट्रिक टन मछली उत्पादन हुआ है। बड़े जलाशयों में भी इस केज कल्चर का इस्तेमाल किया जा रहा है, जिससे मछली उत्पादन भी बढ़ा है। अब राज्य सरकार खाली पड़ी खदानों में भी मछली पालन करने की योजना पर काम कर रही है। मत्स्य विभाग ने 2023-24 के लिए मछली उत्पादन का लक्ष्य तीन लाख 30 हजार मीट्रिक टन रखा है। अब तक दो लाख लाख मीट्रिक टन मछली का उत्पादन किया जा चुका है। इसे मार्च 2024 तक हासिल करने का लक्ष्य है। इसे प्राप्त करने के लिए युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ा जा रहा है। प्रशिक्षण के बाद 90 फीसदी सब्सिडी मत्स्य स्पॉन दिए जा रहे हैं। इसके दो हजार रुपये का फीड और मत्स्य बीज उत्पादन में इस्तेमाल होने वाला नेट भी निःशुल्क विभाग की ओर से उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

राज्य मत्स्य विभाग ने 1200 करोड़ मत्स्य बीज उत्पादन का लक्ष्य रखा है। इसके लिए साढ़े सात हजार प्रगतिशील युवा मत्स्य पालकों को मत्स्य बीज उत्पादन का विशेष प्रशिक्षण दिया जा चुका है। इसके तहत रांची में 382, खूंटी में 170, गुमला में 300, सिमडेगा में 210, लोहरदगा में 220, लातेहार में 260, पश्चिमी सिंहभूम में 358, पूर्वी सिंहभूम में 290, सरायकेला खरसावां में 420, दुमका में 280, जामताड़ा में 210, साहिबगंज में 210, पाकुड़ में 210, हजारीबाग में 470, रामगढ़ में 310, कोडरमा में 330, चतरा में 340, बोकारो में 410, गिरिडीह में 300, धनबाद में 385, गोड्डा में 325, पलामू में 370, गढ़वा में 320 और देवघर में 420 युवाओं को मत्स्य बीज उत्पादन का विशेष प्रशिक्षण दिया गया है।

नक्सलियों को मिला बड़ा ऑफर

सरेंडर करो, ओपन जेल जाओ रोजी रोजगार के तरीके भी सीखो

नवीन मेल संवाददाता। रांची

नए साल पर झारखंड के नक्सलियों को पुलिस के द्वारा एक बड़ा ऑफर दिया गया है। झारखंड में सक्रिय नक्सलियों को पुलिस ने ऑफर दिया है कि वह सरेंडर करें और ओपन जेल में अपने परिवार के साथ रहें, जहां उन्हें रोजी रोजगार के तरीके भी सिखाए जाएंगे। झारखंड पुलिस अपने इस ऑफर को लेकर जोरदार प्रचार प्रचार भी कर रही है। आत्मसमपर्ण करने वाले नक्सली आम जेल नही जाएंगे,बल्कि वे हजारीबाग स्थित ओपन जेल में रहेंगे। आईजी अभियान अमोल वी होमकर ने बताया की इसी साल सरेंडर पॉलिसी में यह बदलाव किया गया है, जिसका फायदा सक्रिय नक्सली सरेंडर कर उठा सकते है। झारखंड के पहला और एकमात्र ओपन जेल हजारीबाग जिले में है, इस जेल में सरेंडर करने वाले नक्सलियो को रहने के लिए कॉटेज उपलब्ध करवाया जाता है जिसमे वे अपने पत्नी और बच्चो के साथ रह सकते है।

रोजगार के तरीके भी सिखाये जाते है : ओपन जेल में रहने वाले नक्सलियो को जेल के अंदर कौशल योजना से जोड़ा जाता है। जेल के अंदर ही रोजगार के विभिन्न तरीकों को आत्मसमर्पित नक्सलियो को सिखाया जाता है ताकि जब पूर्व नक्सली जेल से बाहर निकले तो उन्हें तुरंत रोजगार मिल सके।

पृष्ठ एक के शेष

पीएम ने अयोध्या एयरपोर्ट...

संग सेल्फी भी खिंचवाई।

22 जनवरी को अयोध्या आने से बचें : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के पास जनसभा स्थल से अपने संबोधन में कई बातों का जिक्र किया। उन्होंने लोगों को 22 जनवरी को अयोध्या आने से बचने की सलाह दी। यहां उन्होंने 15,700 करोड़ की 46 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। कहा, आज का भारत पुरातन और नूतन को आत्मसात करते हुए आगे बढ़ रहा है। एक समय था, जब अयोध्या में रामलला टेंट में विराजमान थे। आज पक्का घर सिर्फ रामलला को ही नहीं, देश के चार करोड़ गरीबों को भी मिला है। उन्होंने कहा कि काशी विश्वनाथ धाम के पुनर्निमाण के साथ ही 30 हजार से ज्यादा पंचायत भवन भी बना रहे हैं। सिर्फ केदारधाम का पुनरुद्धार ही नहीं 300 से ज्यादा मेडिकल कॉलेज भी देश में बने हैं। सिर्फ महाकाल के लोक का ही निर्माण नहीं हो रहा, बल्कि स्वच्छ पेयजल के लिए दो लाख से ज्यादा टंकियों का भी निर्माण हुआ। हम एक तरफ चांद और सूरज की दूरी नाप रहे हैं, तो, वहीं हमारी पौराणिक मूर्तियों को भारत में वापस ला रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज अयोध्या में विकास की भव्यता दिख रही है, कुछ दिन बाद विरासत की भव्यता और दिव्यता दिखने वाली है। विकास और विरासत की साझा ताकत ही भारत को 21वीं सदी में सबसे आगे ले जाएगी।

2 से 20 जनवरी तक चलेगा...

क्षेत्र में कार्यक्रम आयोजित करेगा जिसमें कम से कम 1,000 मुस्लिम महिलाओं को जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है।मुस्लिम महिला मतदाताओं को रिझाने की इस योजना की टैगलाइन व नारा है - 'ना दूरी है ना खाई है, मोदी हमारा भाई है'। इस बारे में उप्र अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष कुंवर बासित अली का कहना है कि 'शुक्रिया मोदी भाईजान' कार्यक्रम में मुस्लिम महिलाओं को केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा उनके लिए किए गए कार्यों के बारे में बताया जाएगा। उन्हें यह बताया जाएगा कि उन्हें (मुस्लिम महिलाओं) भाजपा को वोट क्यों देना चाहिए। बासित अली ने बताया कि इन सम्मेलनों के मार्फत कोशिश की जाएगी कि मुस्लिम महिलाओं को उज्जवला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत योजना, हज का कोटा बढ़ाया जाना, महिलाओं को महरम व्यक्ति के साथ ही हज पर जाने की अनिवार्यता खत्म किया जाना, मुस्लिम बच्चों को छात्रवृत्ति सहित समुदाय को लाभ पहुंचाने वाली तमाम योजनाओं के बारे में अच्छी तरह बताया व समझाया जाए। अली का कहना है कि यह अभियान आगामी दो जनवरी से शुरू होकर 20 जनवरी तक चलाया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया, ''हाल ही में प्रदेश के सभी जिलों में मुस्लिम महिलाओं ने जिलाधिकारी को मोदी सरकार की योजनाओं को लेकर धन्यवाद ज्ञापन दिया था। अब इस सिलसिले को आगे बढ़ते हुए हर लोकसभा क्षेत्र में शुक्रिया मोदी भाईजान कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।'' अली कहते हैं कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मुस्लिम महिलाओं को मकान मिले हैं , मुस्लिमों को इस योजना का लाभ उनकी आबादी के प्रतिशत के मुकाबले ज्यादा दिया गया है। प्रदेश में महिला सुरक्षा पहले से बेहतर हुई है, और विभिन्न योजनाओं में महिलाओं की हिस्सेदारी को बढ़ाया गया है। सो अभियान का नाम 'शुक्रिया मोदी भाईजान' रखे जाने की एक बड़ी वजह यह है कि मोदी ने विभिन्न योजनाओं में मुस्लिम महिलाओं को प्राथमिकता देकर भाई-बहन का रिश्ता कायम किया है।

टीएसपीसी नक्सलियों को लगा...

कोयलांचल क्षेत्र में लेवी की मांग को लेकर लगातार सक्रिय थे। उन्होंने कोयलांचल क्षेत्र में कार्य कर रहे कोयला व्यवसायियों और ठेकेदारों से निडर होकर कार्य करने की बात कही है। उन्होंने कहा कि किसी भी नक्सली संगठन अथवा आपराधिक तत्व के लोगों द्वारा धमकी या फिर फोन किया जाता है तो इस बात की जानकारी पुलिस की टीम को दें। इस छापेमारी अभियान में डीएसपी व पुलिस इंस्पेक्टर के आलावे पिपरवार थाना प्रभारी गोविंद कुमार, सिमरिया थाना प्रभारी विवेक कुमार, पुअनि दिलिप कुमार बास्की व पुअनि रूपेश कुमार महतो के अलावे दोनों थाने के अन्य पुलिस कर्मी शामिल थे।

अंतिम पायदान पर बैठे...

यहां जरूरत है उसे धरातल पर उतारा जाएगा। विभिन्न विभागों के समन्वय से पेयजल, आवास, सड़क, आंगनबाड़ी के माध्यम से पोषण,आजीविका संवर्धन हेतु कौशल विकास जैसे महत्वपूर्ण गतिविधियों का क्रियान्वयन किया जाएगा। उन्होंने कोरवा और परहिया जाति के लोगों की घटती संख्या पर चिंता जाहिर की। उपायुक्त शशि रंजन ने कहा कि पीएम जनमन योजना का मुख्य उद्देश्य पीवीटीजी समूह को पूर्ण रूप से सशक्त बनाना है। इसी उद्देश्य से जिले के अन्य स्थानों जहां पीवीटीजी समूह निवास करते हैं, वहां यह शिविर लगाया जा रहा है। इन शिविरों के माध्यम से पीवीटीजी समूह के लोगों को विभिन्न योजनाओं के बारे में जागरूक किया जा रहा है।

शिविर में विभिन्न विभागों के लगे काउंटर,परिसंपत्तियों का वितरण : शिविर में मुख्य रूप से आधार काउंटर,जाति प्रमाण पत्र काउंटर, जनधन बैंक एकाउंट काउंटर, आयुष्मान कार्ड,केसीसी कार्ड,पीएम किसान सामान्य निधि व वन पट्टा से संबंधित काउंटर लगाए गए थे। इसके अलावे अन्य काउंटर लगाकर पीवीटीजी समूह के लोगों का विभिन्न तरह के कार्यों का निष्पादन किया गया। मौके पर उप विकास आयुक्त रवि आनंद, नगर आयुक्त जावेद हुसैन, हुसैनाबाद अनुमंडल पदाधिकारी आशीष गंगवार,सहायक समाहर्ता रवि कुमार,प्रखंड प्रमुख रीमा देवी,जिला परिषद सुधा देवी,मुखिया ब्रह्मादेव सिंह उपस्थित थे।

इतिहास का सबसे गर्म वर्ष 2023 और...

पूरे साल की समीक्षा करने पर ऐसी घटनाओं में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। वैज्ञानिकों ने साल के एक अन्य बड़े हादसे में पूर्वी अफ्रीकी देश अल्जीरिया में जंगल की आग को भी गिना है। इसके अलावा इस साल देश-दुनिया के कई हिस्सों को चक्रवात की मार भी झेलनी पड़ी। वैश्विक स्तर पर व्यापक विनाश, विस्थापन और जान-माल का नुकसान हुआ। द गार्जियन की रिपोर्ट के अनुसार जब हमारे बच्चे और पोते-पोतियां मानव-निर्मित जलवायु परिवर्तन का इतिहास देखेंगे, तो इस वर्ष और अगले वर्ष को एक महत्वपूर्ण मोड़ के रूप में देखा जाएगा। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन से निपटने में सरकारी उपायों की निरर्थकता और नीतियों की विफलता भी साफ तौर पर उजागर हुई है। उन्होंने कहा कि सरकारें ग्लोबल वार्मिंग को रोकने में विफल रहीं। ग्लोबल वार्मिंग की दर इतिहास में सबसे तेज हो चुकी है। न्यूयॉर्क में कोलंबिया विश्वविद्यालय के अर्थ इंस्टीट्यूट में जलवायु कार्यक्रम के निदेशक हेन्सन ने कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि दुनिया 'नई जलवायु सीमा' की राह पर है। इसमें तापमान पिछले 10 लाख वर्षों में दर्ज किसी भी तापमान से अधिक होगा। उन्होंने कहा कि 2023 की चिलचिलाती गर्मी (जुलाई) में विगत लगभग 1.20 लाख वर्षों में सबसे अधिक तापमान दर्ज किया गया। बेहद कठिन परिस्थितियों और संघर्ष के बीच सकारात्मक पक्ष यह है कि युवाओं को अपने भविष्य की जिम्मेदारी संभालने का एहसास है। राजनीतिक अस्थिरता और युद्ध निराशा की स्थिति उत्पन्न करते हैं।चिंताजनक तस्वीर का एक पहलू हाल ही में संयुक्त राष्ट्र कॉप28 शिखर सम्मेलन में भी देखने को मिला। पर्यावरण से जुड़ी चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए यूएन की इस वैश्विक पहल में जलवायु परिवर्तन से मुकाबले के लिए स्पष्ट आह्वान नहीं किया जाना, बेहद खतरनाक ट्रेंड है। जानकारों के अनुसार, लगभग 30 वर्षों तक ग्लोबल वार्मिंग का दोष जीवाश्म ईंधन पर मढ़ा गया, लेकिन तापमान बढ़ने के सबूतों के बावजूद ठोस पहल नहीं की गई।

नशेड़ी पिता ने पुत्र को...

पीकर घर आता है तो मुझे और मेरे पुत्र को बुरी तरह से मारता पीटता है। उसने आज तो हद ही पार कर दी। हर्ष अपने घर में बैठकर मोबाइल देख रहा था। यह देखते ही उसका पारा सातवें आसमान पर पहुंच गया। वह एकाएक हर्ष कुमार से मोबाइल छीन कर फेंक दिया और हर्ष कुमार को उठा-उठाकर लगातार कई बार जमीन पर पटक दिया। मैं इसका विरोध करते हुए अपने पुत्र को छुड़ाने गई तो वह मुझे भी मारने के लिए दौड़ाया। अब अत्याचार और नहीं सहूंगी बल्कि मैं अपने पति के विरुद्ध कड़ी से कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग करती हूं।

गढ़वा सदर अस्पताल में तीन...

डॉ.साक्षी सुमन को सीएचसी गढ़वा में नियुक्त किया गया है। वे सदर अस्पताल में कार्य करेंगे, जबकि दंत चिकित्सक डॉ. जूली कुमारी को पीएचसी रमना, डा. अविनाश को पीएचसी चिनियां व डॉ. जय प्रकाश पंडित को पीएचसी खरौंधी में नियुक्त किया है। सभी दंत चिकित्सकों ने भी सिविल सर्जन कार्यालय में योगदान दिया है।

कुश्ती गतिविधियों को फिर से शुरू करे खेल मंत्रालय : बजरंग पुनिया

कुश्ती ने पिछले चार ओलंपिक में लगातार चार पदक दिलाए

एजेंसी

नई दिल्ली: ओलंपिक पदक विजेता बजरंग पुनिया का मानना है कि खेल मंत्रालय को आगामी पेरिस ओलंपिक के लिए सात महीने शेष रहते हुए देश में कुश्ती गतिविधियों को फिर से शुरू करना चाहिए। पुनिया ने डब्ल्यूएफआई के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण सिंह के सहयोगी संजय सिंह के अध्यक्ष विजेता पैनल को मंत्रालय द्वारा निलंबित किए जाने के बाद भारतीय कुश्ती महासंघ और खेल मंत्रालय के बीच चल रहे मतभेद पर चिंता व्यक्त की। बजरंग पुनिया ने एक्स, पहले ट्विटर, पर लिखा, कुश्ती का काम पिछले कई महीनों से ठप पड़ा हुआ है। खिलाड़ियों को तैयार करने के लिए न तो कोई नेशनल आयोजित किया गया है और न ही कोई कैंप लगाया गया है। 7 महीने बाद ओलंपिक खेल हैं लेकिन ओलंपिक को लेकर कोई भी गंभीर नहीं दिख रहा है जबकि कुश्ती ने पिछले चार ओलंपिक में लगातार चार पदक दिलाए हैं। "पुनिया, जिन्होंने बृजभूषण के वफादार संजय सिंह के चुनाव के विरोध में अपना पद्मश्री लौटाने का फैसला किया

7 महीने बाद ओलंपिक खेल हैं लेकिन कोई गंभीर नहीं दिख रहा

था, ने आगे कहा कि ओलंपिक की तैयारी पर तत्काल ध्यान देने की जरूरत है। 65 किग्रा फ्रीस्टाइल टोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता पुनिया ने मंत्रालय को खिलाड़ियों के भविष्य पर ध्यान देने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, खेल मंत्रालय से अनुरोध है कि कुश्ती की सभी गतिविधियां जल्द से जल्द शुरू की जाएं ताकि खिलाड़ियों का भविष्य बचाया जा सके। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के लिए नवनियुक्त तदर्थ समिति ने शुक्रवार को डब्ल्यूएफआई कार्यालय को पूर्व अध्यक्ष और भाजपा सांसद (सांसद) बृज भूषण शरण सिंह के आवास से बाहर स्थानांतरित कर दिया।

मेडल लौटाने पीएमओ जा रहीं विनेश फोगाट को पुलिस ने रोका

नई दिल्ली। कुश्ती की दुनिया में जारी 'दंगल' थमने का नाम नहीं ले रहा है। रेसलर बजरंग पूनिया के बाद आज महिला पहलवान विनेश फोगाट ने भी अपना सम्मान वापस कर दिया है। जब वह

सम्मान वापस करने पीएम ओ जा रही थीं, इसी दौरान पुलिस ने विनेश को कर्तव्यपथ पर रोक लिया। लिहाजा विनेश ने अपना अर्जुन अवॉर्ड पुरस्कार कर्तव्य पथ बैरिकेड्स पर छोड़ दिया। विनेश से पहले बजरंग पूनिया ने अपना पद्मश्री अवॉर्ड वापस कर दिया था.अवॉर्ड वापस करने से पहले विनेश फोगाट ने कहा कि यह दिन किसी खिलाड़ी के जीवन में न आए. देश की महिला पहलवान सबसे बुरे दौर से गुजर रही हैं.22 दिसंबर को बजरंग पूनिया ने अपना पद्मश्री अवॉर्ड लौटा दिया था। बजरंग पूनिया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिट्ठी भी लिखी थी। उन्होंने कहा था कि मैं अपना पद्मश्री पुरस्कार प्रधानमंत्री जी को वापस लौटा रहा हूँ. कहने के लिए बस मेरा यह पत्र है। यही मेरी स्टेटमेंट है। बजरंग पूनिया ने अपना पद्मश्री साक्षी मलिक के संन्यास के ऐलान के बाद लौटाया था। दरअसल, रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के चुनाव में बृजभूषण शरण सिंह के करीबी संजय सिंह 'बबलू' ने जीत हासिल की थी। इसे लेकर विनेश फोगाट, बजरंग पूनिया और साक्षी मलिक समेत कई रेसलर नाराज हैं।

ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पूरे किये 650 विकेट

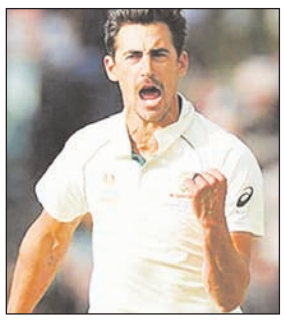

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 650 विकेट पूरे कर लिए हैं। 33 वर्षीय स्टार्क ने प्रतिष्ठित मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के बीच दूसरे टेस्ट में यह उपलब्धि हासिल की। पहली पारी में कोई विकेट नहीं मिलने के बाद, स्टार्क ने दूसरी पारी में शानदार प्रदर्शन करते हुए 13.2 ओवरों में 4.10 की इकॉनमी रेट से 55 रन देकर 4 विकेट लिए, जिससे 317 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तानी टीम लक्ष्य से 79 रन दूर रह गई।263 अंतरराष्ट्रीय मैचों में, स्टार्क ने 25.35 की औसत से 651 विकेट लिए हैं, जिसमें 6/28 का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनके नाम 23 बार पांच विकेट और दो बार दस विकेट लेने का कारनामा दर्ज है। वह ऑस्ट्रेलिया के सर्वकालिक चौथे सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं, जिसमें शीर्ष पर महान स्पिनर शेन वार्न (1,001) हैं। 84 टेस्ट मैचों में, स्टार्क ने 27.53 की औसत से 342 विकेट लिए हैं, जिसमें 6/50 का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। उनके नाम टेस्ट में 14 बार पांच विकेट और दो बार दस विकेट लेने का कारनामा है। वह टेस्ट में पांचवें सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं, जिसमें वॉर्न (708 विकेट) शीर्ष पर हैं।स्टार्क ने 121 वनडे मैच भी खेले हैं, जिसमें उन्होंने 22.96 की औसत से 236 विकेट लिए हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन 6/28 है। वनडे में उनके नाम नौ बार पांच विकेट लेने का कारनामा है।

जिम्बाब्वे शृंखला के लिए श्रीलंका की प्रारंभिक टीम घोषित, कुसल वनडे, हसरंगा टी20 के कप्तान

कोलंबो। श्रीलंका ने शनिवार को जिम्बाब्वे के खिलाफ घरेलू श्रृंखला के लिए प्रारंभिक टीमों की घोषणा की, जिसमें बल्लेबाज कुसल मेंडिस एकदिवसीय टीम का नेतृत्व करेंगे और ऑलराउंडर वानिंदु हसरंगा टी20 टीम की कमान संभालेंगे। बल्लेबाज चरिथ असलांका को दोनों प्रारूपों में उप-कप्तान नियुक्त किया गया है। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) के एक बयान में कहा गया, श्रीलंका क्रिकेट ने जिम्बाब्वे दौरे पर ध्यान केंद्रित करते हुए, प्रारंभिक टीमों की घोषणा की है। वनडे और टी20 दोनों टीमों के लिए अंतिम टीमों का चयन प्रारंभिक टीमों में से किया जाएगा।तीन मैचों की वनडे सीरीज 6-11 जनवरी तक होगी, जबकि तीन मैचों की टी20 सीरीज 14-18 जनवरी तक होनी है। **प्रारंभिक एकदिवसीय टीम:** कुसल मेंडिस (कप्तान), चरिथ असलांका (उप-कप्तान), पथुम निसांका, अविष्का फर्नांडो, सदीरा समाराविक्रमा, सहान अराचिगे, नुवानिदु फर्नांडो, दासुन शनाका, कामिंदु मेंडिस, चमिका करुणारत्ने, जेनिथ लियानगे, वानिंदु हसरंगा, महीश थीक्षाना, दिलशान मदुशंका, दुशमंथा चमीरा, डुनिथ वेलालेज, प्रमोद मदुशन, असिथा फर्नांडो, अकिला धनंजय, जेफरी वेंडरसे, चमिका गुनसेकरा। **प्रारंभिक टी20 टीम:** वानिंदु हसरंगा (कप्तान), चरिथ असलांका (उप-कप्तान), पथुम निसानाका, कुसल मेंडिस, सदीरा समरविक्रमा, दासुन शनाका, एंजेलो मैथ्यूज, धनंजय डी सिल्वा, महीश थीक्षाना, दुष्मंथा चमीरा, दिलशान मदुशंका, बिनुरा फर्नांडो, नुवान तुषारा, प्रमोद मदुशन, मथीशा पथिराना।

पहले ही मैच में यूपी योद्धाज जीते, बेंगलुरू बुल्स को 1 अंक से हराया

नोएडा। शहीद विजय सिंह पथिक इंडोर स्टेडियम में खेले गए प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के 10वें सीजन के नोएडा चरण के दूसरे मैच में मेजबान यूपी योद्धाज का सामना बेंगलुरू बुल्स से हुआ। जिसे मेजबान टीम ने 34-33 के अंतर से जीत लिया। बुल्स ने सुशील (8 अंक) की बदौलत अंतिम पलों में जोरदार वापसी की लेकिन वह एक अंक से अपनी हार नहीं बचा सकी। इस मैच में यूपी के लिए परदीप नरवाल ने सुपर-10 लगाया जबकि सुरेंदर गिल ने सात अंक कमाए। बुल्स ने रेडिंग (21 अंक) में बेहतर प्रदर्शन किया लेकिन दो बार आलआउट होना इसे भारी पड़ गया। बुल्स की ओर से सुशील के अलावा भरत ने भी 8 अंक जुटाए। सीजन की तीसरी जीत ने यूपी को 8वें स्थान पर पहुंचा दिया है। बुल्स को 9 मैचों में छठी हार मिली है। मैच की दूसरी रेड पर परदीप लपके गए और फिर भरत ने यूपी के डिफेंस को गच्चा देकर अपनी टीम को 3-1 की लीड दिला दी लेकिन डिफेंस की गलती के कारण गिल दो अंक लेकर गए।

सभी विकल्पों पर किया जाएगा विचार : एंड्रयू

एजेंसी

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड्स ने कहा कि वे यह तय करने के लिए सभी विकल्पों पर विचार कर रहे हैं कि टेस्ट टीम में सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर का विकल्प कौन होगा, क्योंकि वार्नर 3 जनवरी से सिडनी में पाकिस्तान के खिलाफ शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलिया के तीसरे टेस्ट मैच के बाद टेस्ट से संन्यास ले लेंगे। वॉर्नर के बाद ऑस्ट्रेलिया के पास अपने अगले टेस्ट असाइनमेंट के लिए एक नया टेस्ट ओपनर होगा, जो वेस्टइंडीज के खिलाफ एक घरेलू श्रृंखला के साथ यह जिम्मेदारी संभालेगा। वार्नर की रिप्लेसमेंट के तौर पर मार्कस हैरिस, कैमरून बैनक्रॉफ्ट और मैट रेनशॉ शामिल हैं। ईएसपीएन क्रिकइन्फो ने मैकडोनाल्ड्स के हवाले से कहा, सभी विकल्पों पर विचार किया जाएगा। जैसा कि मैंने पहले भी कहा हम वेस्टइंडीज सीरीज के दौरान यह निर्णय लेंगे। हर कोई विकल्पों के बारे में अच्छी तरह से जानता है। मैं ऐसा व्यक्ति हूं जो एक बार आप जानते हैं कि आप कब निर्णय लेने जा रहे हैं, आप इसे उसी समय लेते हैं। वार्नर ने पहले बॉक्सिंग डे टेस्ट के दौरान हैरिस को अपने भावी उत्तराधिकारी के रूप में समर्थन दिया था, लेकिन मैकडोनाल्ड्स ने कहा कि यह अभी भी विचाराधीन है। मुझे वह समय याद है जब मुझे लगता है कि डेवी ने मैट रेनशॉ का समर्थन किया था, इसलिए मुझे लगता है कि अगला ओपनर शायद बैनक्रॉफ्ट और फिर कैमरून ग्रीन होगा और उसके पास सभी आधार होंगे।

दूसरे टेस्ट मैच से बाहर हुए तेज गेंदबाज गेराल्ड कोएट्जी

नई दिल्ली, दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज गेराल्ड कोएट्जी भारत के खिलाफ 3 जनवरी से शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट मैच से बाहर हो गए हैं। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने एक बयान में कहा कि 23 साल के कोएट्जी को पेल्विक में परेशानी महसूस हुई, जो मैच के तीसरे दिन गेंदबाजी करते समय और भी खराब हो गई। शुक्रवार को उनका स्कैन कराया गया। जिसमें चोट की गंभीरता का पता चला। बयान में कहा गया है कि मुख्य कोच शुक्री कॉनराड ने एहतियात के तौर पर कोएट्जी को टीम से बाहर करने का विकल्प चुना है, टीम में उनके स्थान पर किसी अन्य खिलाड़ी का नाम नहीं रखा गया है। कैगिसो रबाडा, मार्को जानसन और नांद्रे बर्गर के अलावा, दक्षिण अफ्रीका के पास लुंगी एनगिडी और वियान मुल्डर के रूप में अन्य तेज गेंदबाजी विकल्प हैं। कोएट्जी ने पहले टेस्ट में 19 रन बनाने के अलावा केवल 1 विकेट लिया था।

मुझे हमेशा ऑस्ट्रेलिया में खेलना पसंद है : एंडी मरे

एजेंसी

ब्रिस्बेन। पूर्व ब्रिस्बेन अंतर्राष्ट्रीय चैंपियन एंडी मरे और कैरोलिना प्लिस्कोवा शनिवार को क्वींसलैंड टेनिस सेंटर में आधिकारिक टूर्नामेंट ड्रा के लिए मौजूद थे। ब्रिस्बेन में दो बार के चैंपियन मरे और तीन बार की विजेता प्लिस्कोवा के साथ उभरते ऑस्ट्रेलियाई स्टार और गोल्ड कोस्ट के स्थानीय खिलाड़ी किम्बर्ली बिरेल भी शामिल हुए। मरे ब्रिस्बेन इंटरनेशनल में वापस आकर रोमांचित हैं, जहां उन्होंने 2012 और 2013 का खिताब जीता था। उन्होंने कहा, मुझे ऑस्ट्रेलिया में खेलना हमेशा पसंद है और ब्रिस्बेन में साल की शुरूआत करना मेरे लिए बहुत अच्छा रहा है।मुझे लगता है कि 2018 आखिरी बार था जब मैं यहां था, इसलिए वापस आना अच्छा है। तीन बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन उस समय कम प्रभावित हुए जब 32-खिलाड़ियों के ड्रा में उनका अंतिम नाम रखा गया, जिससे उन्हें दूसरे वरीय ग्रिगोर दिमित्रोव के खिलाफ

खड़ा होना पड़ा। यह ब्रिस्बेन इंटरनेशनल 2013 फाइनल का रीमैच स्थापित करता है। एक अन्य पूर्व विश्व नंबर 1, राफेल नडाल, शुरूआती दौर में क्वालीफायर से भिड़ेंगे, जबकि शीर्ष वरीयता प्राप्त होल्गर रूण ऑस्ट्रेलियाई मैक्स परसेल से भिड़ेंगे। महिला एकल ड्रा को इस वर्ष बढ़ाकर 48 खिलाड़ियों को शामिल किया गया है, जो पिछले संस्करणों की तुलना में 30 की उल्लेखनीय वृद्धि है। 16 वरीयता प्राप्त खिलाड़ियों, जिनमें विश्व नंबर 2 आर्यना सबालेंका और विश्व नंबर 4 एलेना रिबाकिना शामिल हैं।

हॉकी इंडिया ने एफआईएच ओलंपिक क्वालीफायर के लिए घोषित की 18 सदस्यीय भारतीय महिला टीम

बेंगलुरु। हॉकी इंडिया ने शनिवार को 13 से 19 जनवरी तक रांची में होने वाले एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर 2024 के लिए 18 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी टीम की घोषणा कर दी है। टीम प्रतियोगिता में शीर्ष तीन टीमों में से एक बनने और पेरिस 2024 ओलंपिक के लिए योग्यता हासिल करने के लक्ष्य के साथ रांची में मैदान में उतरेगी।भारत को पूल बी में न्यूजीलैंड, इटली और संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ रखा गया है। इस बीच, जर्मनी, जापान, चिली और चेक गणराज्य पूल ए में प्रतिस्पर्धा करेंगे। भारत 13 जनवरी को संयुक्त राज्य अमेरिका के खिलाफ अपने अभियान की शुरूआत करेगा, इसके बाद 14 जनवरी को न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच होगा और फिर 16 जनवरी को आखिरी पूल बी मैच में इटली से मुकाबला होगा। टीम चयन पर भारतीय महिला हॉकी टीम की मुख्य कोच जेनेके शोपमैन ने कहा, एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर 2024 हमारी पेरिस 2024 ओलंपिक यात्रा में एक महत्वपूर्ण टूर्नामेंट है।

67वीं राष्ट्रीय स्कूली खेल बालिका वर्ग अंडर 17 के विजेता खिलाड़ियों का स्वागत

रांची। 67वीं राष्ट्रीय स्कूली खेल बालिका वर्ग फुटबॉल अंडर 17 के विजेता खिलाड़ियों को झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद के कार्यालय में स्वागत एवं सम्मानित किया गया। ज्ञात हो अंडर 17 बालिका वर्ग ने हरियाणा को 3-0 से हराकर विजेता ट्रॉफी हासिल की थी। इस अवसर पर झारखण्ड शिक्षा परियोजना परिषद के राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी धीरसेन सोरेंग, अनुमंडल शिक्षा पदाधिकारी बादल राज, शारिरिक शिक्षा एवम खेल कूद कोषांग के प्रवीण कुमार, प्रभात रंजन तिवारी, शशांक भूषण सिंह, शंकर पाल, श्रीजय कुमार, कोच बिंदु कुजूर एवम परियोजना के अधिकारी उपस्थित रहे।

व्यापार

छठे हफ्ते भी बढ़ा विदेशी मुद्रा भंडार अब खजाने में 620.44 अरब डॉलर

दिसंबर के अंतिम सप्ताह में 4.47 अरब डॉलर की हुई बढ़त

एजेंसी

नई दिल्ली। लगातार छठे हफ्ते विदेशी मुद्रा भंडार में इजाफा दर्ज हुआ है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 22 दिसंबर को समाप्त हफ्ते में 4.471 अरब डॉलर बढ़कर 620.441 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। इससे पिछले हफ्ते देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 9.112 अरब डॉलर बढ़कर 615.971 अरब डॉलर रहा था। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक 22 दिसंबर को समाप्त हफ्ते में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 4.471 अरब डॉलर बढ़कर 620.441 अरब डॉलर रहा है। यह किसी एक हफ्ते में हुई सर्वाधिक वृद्धि है। आरबीआई के मुताबिक इस साल विदेशी मुद्रा भंडार में 57.634 अरब डॉलर की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

आंकड़ों के मुताबिक इस दौरान विदेशी मुद्रा भंडार का अहम घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 4.898 अरब डॉलर बढ़कर 549.747 अरब डॉलर हो गई। हालांकि, स्वर्ण भंडार का मूल्य 10.7 करोड़ डॉलर घटकर 47.474 अरब डॉलर रह गया। इसी तरह विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) मात्र 40 लाख डॉलर बढ़कर 18.327 अरब डॉलर रहा। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास रखा देश का मुद्रा भंडार 12.9 करोड़ डॉलर घटकर 4.894 अरब डॉलर रह गया। उल्लेखनीय है कि अक्टूबर, 2021 में देश का विदेशी मुद्रा भंडार उछलकर 645 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था। इस तरह 620 अरब डॉलर के मौजूदा स्तर पर विदेशी मुद्रा भंडार अपने शिखर से केवल 25 अरब डॉलर दूर रह गया है।

एसबीआई समेत तीन बैंक, सबसे सुरक्षित

नयी दिल्ली : भारतीय रिजर्व बैंक ने बताया कि एसबीआई समेत देश के तीन बैंक सबसे ज्यादा फाइनेंशियल स्टेबिलिस हैं। इसमें ग्राहकों का पैसा सबसे ज्यादा सुरक्षित है और ये कभी डूब नहीं सकते हैं। रिजर्व बैंक ने बड़ी जानकारी दी है, जिसके मुताबिक एसबीआई समेत देश के तीन बैंकों में पैसा सबसे ज्यादा सुरक्षित है। भरोसा है कि ये तीन ऐसे बैंक हैं, जो कभी डूब नहीं सकते।
केंद्रीय बैंक ने जानकारी दी है कि आईसीआईसीआई बैंक पिछले साल की तरह ही इस साल भी अच्छे बैंक बनकर उभरा है। अचछे बैंकों की सूची में एचडीएफसी भी शामिल हैं। इनकी वित्तीय स्थिति सभी बैंकों से बेहतर ही नहीं, बल्कि काफी मजबूत है। ऐसे में ये बैंक कभी डूबने की स्थिति में नहीं आ सकते हैं। एसबीआई कैटेगरी तीन से चार में और एचडीएफसी बैंक एक से 2 में चला गया है।

एक उपभोक्ता ने ब्लिंकिट से 9,940 कंडोम के किए ऑर्डर

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के एक उपभोक्ता ने 2023 में जोमैटो के स्वामित्व वाले त्वरित डिलीवरी प्लेटफॉर्म ब्लिंकिट से 9,940 कंडोम का ऑर्डर दिया। ब्लिंकिट ट्रेंड्स 2023' के अनुसार, जहां गुरुग्राम ने 2023 में 65,973 लाइटर का ऑर्डर दिया, वहीं शहर ने इस साल शीतल पेय से अधिक टॉनिक वॉटर (काबोर्नेटेड पेय) का ऑर्डर दिया। कंपनी के अनुसार, इस साल लगभग 30,02,080पार्टी स्मार्ट टैबलेट (शराब पीने के बाद सुबह होने वाले हैंगओवर से बचने के लिए) वितरित की गईं। बेंगलुरु से किसी ने 1,59,900 रुपये का आईफोन 15 प्रो मैक्स, लेज का एक पैकेट और छह केले का ऑर्डर दिया। आधी रात के बाद लगभग 3,20,04,725 मैगी पैकेट वितरित किए गए। एक उपभोक्ता ने एक ऑर्डर में 101 लीटर मिनरल वाटर खरीदा था।

टोनी नादर ने 134 देशों से आए प्रतिनिधियों के सम्मेलन का किया उद्घाटन

हैदराबाद । 134 देशों के 10,125 प्रतिनिधियों की उपस्थिति और श्री कांची कामकोटिपीठम (श्री कांची मठ, तमिलनाडु) के परमपावन श्री शंकर विजयेंद्र सरस्वती शंकराचार्य स्वामी के आशीर्वाद से, डॉ. टोनी नादर, एमडी, पीएचडी, ने औपचारिक रूप से विश्व शांति के लिए आयोजित सम्मेलन का उद्घाटन किया, जो अगले साल 13 जनवरी तक चलेगी। हैदराबाद के बाहर कान्हा शांति वनम के मुख्य हॉल में विशाल सभा को संबोधित करते हुए डॉ. नादर ने कहा, आप सभी को बधाई! आप अभी-अभी आए हैं, लेकिन पहले से ही इतिहास बना रहे हैं। इससे पहले कभी भी चेतना की तकनीकों के इतने सारे विशेषज्ञ (10,175) एक ही स्थान पर और इतने सारे देशों से एकत्र नहीं हुए थे। यह सिर्फ इतिहास नहीं है, जो आप यहां बना रहे हैं, यह भविष्य भी है। साथ मिलकर, हम अपनी दुनिया के लिए एक उज्जवल कल का प्रदर्शन करेंगे।

2023 में वॉल स्ट्रीट रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचा

न्यूयॉर्क। वॉल स्ट्रीट 2023 में रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया। एक साल में निवेशकों को डर था कि ब्याज दरें बढ़ने से अर्थव्यवस्था बर्बाद हो जाएगी। मीडिया रिपोर्टों में यह जानकारी दी गई। हालांकि, एक लचीला नौकरी बाजार, मजबूत उपभोक्ता खर्च और मुद्रास्फीति में नरमी ने निवेशकों का विश्वास ऊंचा रखा, इससे सभी तीन सूचकांकों को दोहरे अंकों में बढ़त हासिल करने में मदद मिली। एसएंडपी 500, अमेरिकी शेयर बाजार का सबसे बड़ा पैमाना शुक्रवार को 0.28 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ, इससे यह रिकॉर्ड-उच्च समापन से केवल 30 अंक दूर रह गया, इस साल इसमें 24 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिससे 2023 धमाके के साथ समाप्त हुआ। इसने लगातार नौवीं साप्ताहिक बढ़त दर्ज की, जो जनवरी 2004 के बाद सबसे लंबी अवधि है। यह साल पिछले साल की तुलना में बाजार के लिए बहुत अच्छा रहा है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, 2022 में बेंचमार्क इंडेक्स लगभग 20 प्रतिशत गिर गया।

कंटेंट मॉडरेशन कानून से बच नहीं सकता एक्स

एजेंसी

सैन फ्रांसिस्को। अमेरिका में जज ने फैसला सुनाया है कि एलन मस्क द्वारा संचालित एक्स कैलिफोर्निया के कानून से बच नहीं सकता है जो सोशल मीडिया प्लेटफार्मों को हानिकारक और गलत सूचना को नियंत्रित करने की अपनी योजनाओं का खुलासा करने के लिए कहता है। अमेरिकी जिला न्यायाधीश विलियम शुब ने कानून के प्रारंभिक निषेधाज्ञा के लिए एक्स के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया है।शुब ने कहा, रिपोर्टिंग आवश्यकता सोशल मीडिया कंपनियों पर पर्याप्त अनुपालन बोझ डालती प्रतीत होती है। एबी 587 कानून के तहत बड़ी सोशल मीडिया कंपनियों को यह विवरण साझा करने की आवश्यकता है कि वे नफरत भरे भाषण या नस्लवाद, उग्रवाद या कट्टरपंथ, दुष्प्रचार, उत्पीड़न और विदेशी राजनीतिक हस्तक्षेप वाले कंटेंट को कैसे नियंत्रित करते हैं। द वर्ज की रिपोर्ट के अनुसार, सितंबर में दायर एक शिकायत में, एक्स ने तर्क दिया कि कानून अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के प्रथम संशोधन के

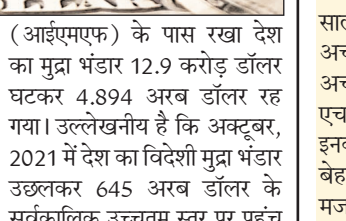

अधिकार का उल्लंघन करता है। कंपनी ने कहा कि नफरत फैलाने वाले भाषण, गलत सूचना और राजनीतिक हस्तक्षेप को विश्वसनीय रूप से परिभाषित करना मुश्किल है। एक्स ने यह भी आरोप लगाया कि एबी 587 सोशल मीडिया प्लेटफार्मों को कुछ संवैधानिक रूप से संरक्षित कंटेंट को 'खत्म' करने के लिए मजबूर करेगा। कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसोम ने पिछले साल एक कानून पर हस्ताक्षर किए थे, जिसका उद्देश्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर नफरत भरे भाषण, उग्रवाद, उत्पीड़न और अन्य आपत्तिजनक व्यवहारों की निगरानी करना था।

250 निवेश वाली स्कीम की बेटियों के लिए है बेस्ट

नयी दिल्ली: अकसर देखा गया है कि पैरेंट्स को बिटिया के जन्म के साथ ही पढ़ाई और शादी के खर्चे की टेंशन होने लगती है। जो स्मार्ट होते हैं वो अपने फ्यूचर प्लानिंग के हिसाब से सुकन्या समृद्धि योजना में निवेश शुरू कर देते हैं। इस निवेश के जरिए बिटिया की शादी के वक्त मोटी रकम का इंतजाम किया जा सकता है। अब इस स्कीम पर सरकार ने ब्याज दर भी बढ़ा दी है। आइए स्कीम की डिटेल जान लेते हैं। सुकन्या समृद्धि योजना के तहत पैरेंट्स अपनी 2 बेटियों के अकाउंट खोल सकते हैं। इसमें शर्त ये है कि बेटी ने अकाउंट खोलने की तिथि तक 10 वर्ष की उम्र पूरी नहीं की हो। यह अकाउंट बेटी के जन्म

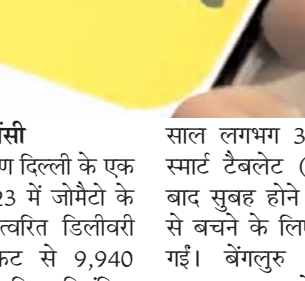

प्रमाणपत्र और पैरेंट के केवाईसी के साथ आसानी से खोला जा सकता है। एक बालिका के लिए केवल एक अकाउंट और एक परिवार में अधिकतम 2 बालिकाओं के अकाउंट खोले जा सकते हैं। बेटी के सुकन्या अकाउंट में पैरेंट एक वित्तीय वर्ष में न्यूनतम 250 रुपये और अधिकतम 1,50,000 रुपये का निवेश कर सकते हैं। वैसे तो पहले केंद्र सरकार ब्याज दर 8 फीसदी का देती थी लेकिन अब इसे बढ़ा दिया गया है। सरकार ने चालू वित्त वर्ष की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) के लिए सुकन्या समृद्धि योजना पर ब्याज दर 0.20 प्रतिशत बढ़ाया है। अब नई ब्याज दर 8.2 प्रतिशत कर दी गई है।

2023 में एफपीआई ने 1.71 लाख करोड़ का निवेश किया

नईदिल्ली।जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके. विजय कुमार का कहना है कि दिसंबर में प्रवाह में तेज बढ़ोतरी के कारण वर्ष 2023 में एफपीआई द्वारा भारी निवेश देखा गया है। उन्होंने कहा, "एफपीआई प्रवाह, जो पिछले 3 महीनों में निगेटिव था। दिसंबर में 66,134 करोड़ रुपये की कुल खरीद के साथ तेजी से पॉजिटिव हो गया है। इस आंकड़े में स्टॉक एक्सचेंजों के जरिए खरीदारी और प्राथमिक बाजार में निवेश शामिल है। 2023 में कुल एफपीआई प्रवाह 1,71,106 करोड़ रुपये है।" अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में लगातार गिरावट के कारण एफपीआई की रणनीति में अचानक बदलाव आया है। दिसंबर में एफपीआई वित्तीय सेवाओं में बड़े खरीदार थे, जो दिसंबर में इस खंड के लचीलेपन को बताता है। एफपीआई ने ऑटो, पूंजीगत सामान और दूरसंचार जैसे क्षेत्रों में भी खरीदारी की। उन्होंने कहा, 2024 में अमेरिकी ब्याज दरों में और गिरावट देखने की उम्मीद है। इसलिए एफपीआई द्वारा 2024 में भी अपनी खरीदारी बढ़ाने की संभावना है, खासकर आम चुनावों से पहले 2024 के शुरूआती महीनों में।